हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर में 15 साल का रिकॉर्ड टूटा, पारा हुआ 44.6 पार, राजनांदगांव में सबसे अधिक गर्मी

आसमान से आग बरस रही है। तापमान रोज नए रिकार्ड बना रहा है। रायपुर में शनिवार को गर्मी ने बीते 15 साल का रिकार्ड ब्रेक कर दिया। शनिवार को रायपुर का तापमान 44.6 डिग्री था। विशेषज्ञों की मानें तो इसके पूर्व 2010 में इस तरह की स्थिति बनी थी। रायपुर के अलावा राजनांदगांव में गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाया और पारा 45.5 तक पहुंच गया। अगले चौबीस घंटे के लिए मध्य इलाके में ग्रीष्मलहर का आरेंज अलर्ट मौसम विभाग द्वारा जारी किया गया है।

ऐसा रहा तापमान

शहर	अधिकतम तापमाम	अंतर
रायपुर	44.6	+ 4.2
माना	43.9	+3.5
बिलासपुर	43.6	+2.8
पेंड्रा	41.7	+3.7
अंबिकापुर	41.0	+2.9
दुर्ग	43.2	+2.4
जगदलपुर	38.0	+1.0
राजनांदगांव	45.4	+ 4.5

परसों से कम होगा गर्मी का प्रकोप

मौसम विशेषज्ञों ने अनुमान जताया है कि रायपुर, बिलासपुर और राजनांदगांव के कुछ इलाकों में अगले दो दिन भारी गर्मी का प्रकोप रह सकता है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमीयुक्त हवा के असर से गर्मी के तेवर में कुछ कमी आ सकती है। बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवा आने के कारण प्रदेश में कल 26 अप्रैल को बस्तर संभाग के एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इस दौरान अन्य इलाकों में कोई खास असर तो नहीं होगा मगर सोमवार को मध्य हिस्से में थोड़ी राहत रह सकती है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर में भीषण गर्मी वर्ष करीब 84 साल पहले, 1942 में 30 अप्रैल को पड़ी थी। उस दौरान तापमान 46.1 पहुंचा था। साल 2010 में पारा 45 के करीब पहुंचा था। पिछले साल रायपुर में 44.4 तक पहुंचा जिसने रिकार्ड ब्रेक किया था। आज शनिवार को उससे भी ज्यादा तापमान रिकार्ड किया गया है। रायपुर की तरह ही राजनांदगांव भी तप रहा है। राजनांदगांव में 45.5 डिग्री रिकार्ड किया गया है। यह छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा है।

खास खबर

ऐसे बुझा रहे प्यास

दो किलोमीटर दूर सूखी नदी में कुआं खोदकर कर रहे गुजारा

महेंद्र विश्वकर्मा ⏭ जगदलपुर

बस्तर संभाग के अंदरुनी गांवों तक अभी जल जीवन मिशन की नल-जल योजना पहुंची नहीं है। बीजापुर जिले का गंगालूर क्षेत्र भी ऐसे क्षेत्रों में शामिल हैं। यहां का मरिवाड़ा गांव कभी माओवादी आतंक के कारण मुख्यधारा से कटा था। अब सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के बाद कुछ काम हो रहे हैं। इस गांव के ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। नक्सल मुक्त होते ही अब बीजापुर के अंदरूनी इलाके विकास के साथ मूलभूत सुविधाओं की राह निहार रहे हैं। मजबूरी में ग्रामीणों को नदी का दूषित पानी पीना पड़ रहा है। मरिवाड़ा गांव की आबादी लगभग 200 हैं और 60 घर हैं। पेयजल के नाम से इस गांव ⏭शेष पेज 7 पर

पेयजल संकट का होगा निराकरण

कलेक्टर संबित मिश्रा ने इस संबंध में कहा कि मरिवाड़ा गांव में पेयजल संकट का निराकरण किया जाएगा। पीएचई के अधिकारी को निर्देश दिया जाएगा कि खराब हेण्डपम्प को सुधारा जाए, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके।

खाली टंकी, सूखे नल, प्यास से जूझता आदिवासी गांव

आनंदपुर पर दुखों का पहाड़ जल जीवन योजना कागजों पर

प्रविंद सिंह ⏭ बैकुण्ठपुर

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना कोरिया जिले के वन ग्राम आनंदपुर में दम तोड़ती नजर आ रही है। जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर से महज 12-14 किलोमीटर दूर स्थित विशेष संरक्षित जनजाति पण्डो बहुल इस गांव में आज भी लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ

रहे हैं। हालात यह हैं कि लाखों रुपए खर्च कर बनाई गई पानी टंकी सूखी पड़ी है, घर-घर लगाए गए नल पोस्ट महज शोपीस बनकर रह गए हैं और हैंडपंपों के हलक भी सूख चुके हैं। सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच गहरी खाई साफ नजर आ रही है। गर्मी बढ़ने के साथ ⏭शेष पेज 7 पर

गिरता भू-जल स्तर सूखते कुएं

भू-जल स्तर गिरने से गांव के कुएं सूखने लगे हैं। पथरीली जमीन के कारण गहरी खुदाई भी संभव नहीं, जिससे वैकल्पिक जल स्रोत विकसित करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बंद पड़ी पानी टंकी को तत्काल चालू किया जाए, खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराई जाए और स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द कदम नहीं उठाए गए तो इस गर्मी में हालात और भयावह हो सकते हैं। पण्डो बहुल इस गांव में प्यास का यह संकट विकास के दावों पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। कागजों पर दौड़ती योजनाएं, धरातल पर अब भी प्यासे लोगों को राहत नहीं दे पा रही हैं।

पेयजल के लिए परेशान हैं पंडो परिवार

ग्राम पंचायत नौगई कि सरपंच श्रीमती बीरा बाई कहती हैं कि वन ग्राम आनंदपुर में टंकी निर्माण समेत नल कनेक्शन का काम अधूरा है। गांव में पेयजल संकट बहुत ज्यादा है। इससे पंडो परिवार भीषण गर्मी में पेयजल के लिए परेशान हैं।

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹103903/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹126900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹138523/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

घटना स्मृति नगर पुलिस चौकी क्षेत्र की, एसटीएफ में पदस्थ है आरक्षक

आरक्षक प्रेमी की पत्नी और बेटे को चाकू से गोदकर मार डाला

हरिभूमि न्यूजः भिलाई

प्रेम में पागल हुई युवती ने आरक्षक प्रेमी की पत्नी और आठ साल के बेटे को चाकू से गोदकर मार डाला। प्रेमिका आरक्षक से शादी करने की जिद कर रही थी और हल्दीडीह थाना जैजैपुर से दुर्ग आकर रहने लगी थी। आरक्षक ने उसके ठहरने का इंतजाम किया था। लेकिन वह सीधे सामान लेकर आरक्षक के घर पहुंच गई। आरक्षक उस वक्त रेलवे स्टेशन गया था। प्रेमिका ने आरक्षक की पत्नी पर अचानक हमला कर दिया। हमले होने पर पत्नी ने बेटियों से भागने को कहा। दो बेटियों ने भागकर अपनी जान बचाई। हमले में आरक्षक की पत्नी और बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रेमिका पर हत्या का ऐसा जुनून सवार था कि उसने आरक्षक के बेटे पर चाकू से 14 वार किए। वहीं पत्नी पर 18। दोनों की मौत हो गई। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि एसटीएफ कॉलोनी कातुलबोर्ड में स्थित मकान नंबर डी /15 में बीजापुर में पदस्थ आरक्षक ललितेश यादव अपनी पत्नी रीना यादव और तीन बच्चों नैना, तानिया, आदित्य के साथ निवास करता है। आरक्षक ललितेश यादव 15 दिन के अवकाश पर घर आया हुआ था। शनिवार की सुबह ललितेश यादव टिकट रिजर्वेशन कराने के लिए दुर्ग रेलवे स्टेशन गया हुआ था। अचानक आरक्षक की प्रेमिका हल्दीडीह थाना जैजैपुर जिला सक्ती जो हाल में आशा नगर सिकोला भाठा ⏭शेष पेज 7 पर

दो बेटियों ने छिपकर बचाई जान

मृतिका रीना और उसका बेटा

बेटियों को भागने मां ने दी आवाज

बताया गया है कि जब सरोजनी हमला कर रही थी। तब रीना यादव ने अपनी बेटियों को भागने के लिए आवाज लगा रही थी। एक बाथरूम में छिप गई दूसरी पर हमला कर दी। किसी तरह बाहर निकलकर सूचना पड़ोसियों को दिया। सूचना मिलने पड़ोसियों ने आरोपी युवती को पकड़ लिया। उसके दोनों हाथ को बांधकर रखा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने सरोजनी को अपने साथ लेकर गई। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

आरोपी सरोजनी

शुक्रवार को आरोपी महिला आई थी अपार्टमेंट में

सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी के मुताबिक शुरुआती जांच व पूछताछ में पता चला है कि सरोजनी भारद्धाज एक दिन पहले शुक्रवार को घर पहुंची थी। उस समय आरक्षक ललितेश यादव ने किसी तरह उसे समझाकर लौटा दिया। जबकि सरोजनी दुर्ग में किराए के मकान लौट गई। बताया गया है सरोजनी आरक्षक की प्रेमिका है। उसी ने ही किराए के मकान में सरोजनी को रखा था। फिलहाल मामले की जांच के बाद ही मौत का कारण और आरक्षक के युवती से संबंध के बारे में पता चल पाएगा।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026

Accredited by NAAC with Grade 'A++' | UGC Graded Autonomy(Category-I) | NBA Accredited | ICAR Accredited | NABL Accredited | NABH Accredited
AICTE Approved | NMC Approved | DCI Approved | PCI Approved | BCI Approved | INC Approved | VCI Approved

PROGRAMMES OFFERED

B.TECH PROGRAMMES IN CORE ENGINEERING
Civil Engineering
Electrical Engineering
Mechanical Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN ELECTRONICS DESIGN
Electrical and Electronics Engineering
Electronics and Communication Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
Computer Science and Engineering
Computer Science and Information Technology

B.TECH PROGRAMMES IN EMERGING COMPUTING
Computer Science and Engineering (AI and ML)
Computer Science and Engineering (Cyber Security)
Computer Science and Engineering (Data Science)
Computer Science and Engineering (Internet of Things)

M.TECH PROGRAMMES
Structural Engineering
Electric Vehicle Technology
Machine Design and Robotics
Embedded System and VLSI Design
Computer Science and Engineering

M.Sc. PROGRAMMES
Physics
Chemistry
Mathemetics
Biotechnology
Integrated M.Sc. Biotechnology

COMPUTER APPLICATIONS PROGRAMMES
Bachelor of Computer Applications (BCA)
Master of Computer Applications (MCA)

LAW PROGRAMMES
BA. LL.B (H) - Integrated
BBA LL.B (H) - Integrated
LL.B. (H) - 3 Years
LL.M. - 1 Year

MANAGEMENT PROGRAMMES
BBA
MBA
Integrated MBA
MBA (Hospital Administration)
MBA (Artificial Intelligence and Data Science)

HOTEL MANAGEMENT PROGRAMMES
BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology)
MBA (Hospitality Management)

NURSING PROGRAMMES
B.Sc. (Nursing) (Basic)
B.Sc. (Nursing) (Post Basic)
M.Sc. (Nursing)

AGRICULTURAL PROGRAMMES
B.Sc. (H) Agriculture
M.Sc. Agriculture

PHARMACY PROGRAMMES
B. Pharm
M. Pharm

nirf National Institutional Ranking Framework 2025
15th in University Category
22nd in Engineering Category
15th in Medical Category
09th in Dental Category
10th in Law Category

Globally Ranked By
QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS

To apply for admission through SAAT,
Visit: www.soa.ac.in

आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले भारतीय बने केएल

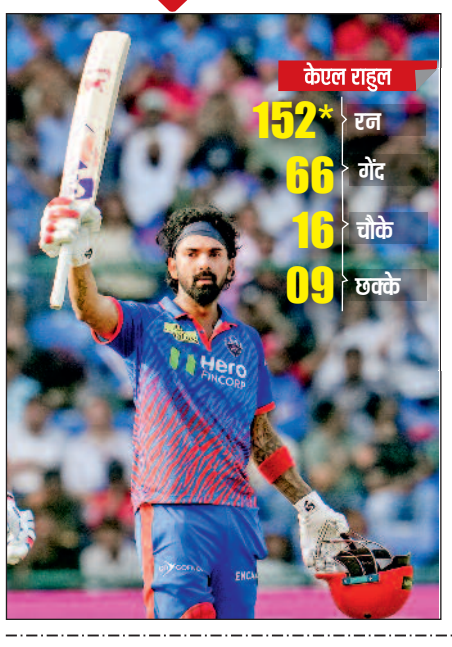

राहुल की तूफानी पारी, बनाया रिकॉर्ड, पर मैच जीत गई पंजाब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ दमदार बल्लेबाजी की। राहुल ने इस मैच में अपने आईपीएल करियर का छठा शतक लगाया। केएल ने इस मैच में 67 गेंदों पर 16 चौकों और नौ छक्कों की मदद से नाबाद 152 रन बनाए जो आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। इधर, पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 में लगातार सातवीं जीत दर्ज की। पहले बैटिंग करते हुए 2 विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 265 रन का लक्ष्य 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज है।

अभिषेक को पीछे छोड़ा

राहुल ने नाबाद 152 रनों की पारी खेलकर अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। राहुल से पहले आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत रन का रिकॉर्ड अभिषेक के नाम ही था जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ 2025 में 141 रन बनाए।

पुरुष टी20 क्रिकेट में 150+ रन बनाने वाले दूसरे भारतीय

केएल राहुल पुरुष टी20 क्रिकेट में 150+ रन बनाने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले तिलक वर्मा टी20 क्रिकेट में ऐसा कर चुके हैं।

पीएम सूर्यघर योजना
100% फ्रीं सोलर सिस्टम योजना

डाउनपेमेंट - शून्य | मासिक EMI - शून्य | एकमुस्त भुगतान - शून्य

- सोलर सिस्टम क्षमता - 3kw • ग्राहक द्वारा डाउनपेमेंट भुगतान - शून्य
- ग्राहक द्वारा मासिक EMI भुगतान-शून्य • ग्राहक द्वारा प्रतिमाह बिजली बिल की बचत 3000*/- तक
- ग्राहक द्वारा प्रतिवर्ष बिजली की बचत-36* हज़ार तक
- ग्राहक द्वारा अगले 30 वर्ष तक बिजली बिल की बचत 11* लाख तक या उससे अधिक
- ग्राहक द्वारा 3kw के सोलर सिस्टम से बिजली एक्सपोर्ट करने पर प्रतिवर्ष शासन द्वारा खाते में प्राप्त होने वाला भुगतान 20* हज़ार तक

फ्रीं सोलर योजना 26 अप्रैल से 15 मई तक के पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) तक मान्य

उपरोक्त सभी लाभ के लिये उपभोक्ता द्वारा भुगतान किया जाने वाला राशि - शून्य

छतीसगढ़, ओड़िसा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, असम, दिल्ली सहित देश के 12 राज्यो में यह योजना लागू रहेगी।

देश के 12 राज्यो में पीएम सूर्यघर में रजिस्टर्ड किसी भी वेंडर के माध्यम से इस योजना का लाभ लिया जा सकता है और मुफ्त सोलर सिस्टम लगवाया जा सकेगा।

ग्रीन भारत अभियान

Terms & Condition Apply*

Khanna

छत्तीसगढ़/ओड़िसा के सभी वेंडर्स के माध्यम से फ्री सोलर प्लांट लगवाया जा सकता है. आज ही अपने नज़दीकी पीएम् सूर्य घर पंजीकृत वेंडर्स से संपर्क करें एवं अपने घर पर सोलर प्लांट लगवाकर जीवन भर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेवें

अपने घर पर फ्री* सोलर प्लांट लगाने के लिए QR कोड स्कैन कर आज ही आवेदन करे

अधिक जानकारी हेतु-कॉल करें,
7316525624

यदि आप पीएम सूर्यघर वेंडर हैं तो, बिज़नेस पार्टनर बनने के लिये QR कोड स्कैन कर आज ही आवेदन करे

(प्रतिमाह न्यूनतम 100 निःशुल्क सोलर सिस्टम इनस्टॉल करके 30* लाख से अधिक मासिक इनकम)

अधिक जानकारी हेतु-अपना नाम, पूर्ण पता एवं फर्म का नाम व जानकारी व्हाट्सप करें
9109969162

अपने जिले का डीलर / डिस्ट्रीब्यूटर बनने के लिए QR कोड स्कैन कर आज ही आवेदन करे

(प्रत्येक जिला में प्रतिमाह 1 हज़ार से अधिक सोलर सिस्टम डिस्ट्रीब्यूशन हेतु)

अधिक जानकारी हेतु-अपना नाम, पूर्ण पता एवं वर्तमान व्यवसाय की जानकारी व्हाट्सप करें
9109969159

रायपुर- 9109969101, 9109969119, 9109969109, बिरगांव रायपुर - 9009338333, दुर्ग - 9109969125, चरोदा भिलाई - 7598249865, जामुल भिलाई - 7415442413, सुपेला भिलाई - 9755890725, नेहरु नगर भिलाई - 9300610459, दुर्ग शहर- 8959776531, धमधा दुर्ग- 7898351523 , बालोद - 9109969113, बेमेतरा- 9109969141, कबीरधाम (कवर्धा)- 9203403587, राजनांदगांव- 9109969125, खैरागढ़ हुईखदान मंडई 9203403592, मोहला मानपुर- 7316525624, उत्तर बस्तर- 9109969109, महासमुंद- 9100969109, गरियाबंद-9109969125, बलोदाबाजार-भाटापारा 9109989119, धमतरी- 9827955442, कांकेर- 9406344362 (, नारायणपुर-9109969113, कोडागांव- 9109960119 (जगदलपुर)-9109969125, बीजापुर-9109969116, सुकमा- 9109969107, दंतेवाडा (दक्षिण बस्तर) 9109969113, बलोदाबाजार-भाटापारा- 9770548188

www.advancesolar.in

Follow us on

India Largest Solar EPC Company

ADVANCE SOLAR

CG-MP-UP-DELHI-ORISSA-BIHAR- JHARKHAND-MAHARASTRA-RAJASTHAN

DOMESTIC-COMMERCIAL -INDUSTRIAL

ADD.: ADVANCE SOLAR PVT. LTD., LAVISH LIFE BUILDING BESIDE MOWA BRIDGE, NEAR LODHIPARA CHOWK, RAIPUR, CHHATTISGARH, MO: 9109969101, 9109969162, 7970288888

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

मस्तूरी, बिल्हा तखतपुर के अधिकांश गांवों से लोग पलायन कर रहे

ग्रामीण बेहतर मजदूरी की तलाश में दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर

पलायन की तस्वीर : घरों में ताला, दरवाजे को ईंटों से किया बंद, कई परिवारों ने रख दिए कांटे

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

जिले में पलायन फिर एक बड़ी समस्या बनकर सामने आने लगी है। खास तौर पर मस्तूरी और बिल्हा ब्लाक के गांव खाली होने लगे हैं। मस्तूरी में पचपेड़ी, केंवटाडीह, मचहा, खोन्द्रा से लेकर जोन्धरा तक तो तखतपुर के अधिकांश गांवों से लोग पलायन कर रहे हैं। बिल्हा ब्लॉक की भी यही हालत है। अधिकांश वाहनों में लोग खुलेआम लोग जा रहे हैं। बिल्हा के चोरहादेवरी और दूसरे गांव की भी यही हालत है। पचपेड़ी और चोरहादेवरी के अधिकांश घरों में ताला लगा है। कुछ घरों में दरवाजे की ईंटो से चुनाई कर दी गई है तो कई लोगों ने कांटों को दरवाजे पर रख दिया है। जिले के ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

तीन साल में 30 हजार गए दूसरे प्रदेश

इधर, सरकारी दावा है कि छत्तीसगढ़ मनरेगा में काम देने के मामले में देश में नौवें स्थान पर है। वर्ष 2024-25 में राज्य ने 13.23 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजित किया। श्रम विभाग के मुताबिक जिले में 2023-24 में 8983, 2024-25 में 9052 और 2025-26 में 11868 लोगों ने पलायन किया है। सबसे बड़ी बात कि दावा किया जाता है कि बिलासपुर जिले ने मनरेगा में काम देने में प्रदेश में पहला स्थान पाया है। इसके बावजूद सबसे ज्यादा मजदूर यहीं से पलायन करते हैं और मस्तूरी ब्लॉक हमेशा से इस समस्या का हॉट स्पॉट रहा है। मस्तूरी में मजदूर उत्तरप्रदेश, गुजरात के ईंट भट्ठों या दिल्ली-मुंबई काम की तलाश में चले गए हैं।

यह है गांवों की स्थिति

मचहा गांव के देवेन्द्र पटेल बताते हैं कि गांव की जनसंख्या 2700 के करीब है इसमें से 900 से अधिक लोग पलायन कर चुके हैं। पचपेड़ी गांव के रामेश्वर जायसवाल बताते हैं कि 7 हजार की जनसंख्या वाले गांव में 1700 से अधिक लोग दूसरे प्रदेश चले गए हैं। इसी तरह सेमरताल के 40 से अधिक परिवार बाहर जा चुके हैं तो रलिया गांव से पलायन करने वाले परिवारों की संख्या 30 से अधिक है। रांक गाव के लोग भी स्थानीय स्तर पर काम नहीं होने के कारण मजदूरी के लिए बाहर निकल गए हैं। इन गांव में से अधिकांश लोग गुजरात, उत्तरप्रदेश और जम्मू गए हैं। केंवटाडीह में जो लोग बाहर जा रहे उनकी पंचायतों ▶▶|शेष पेज 7 पर

यह है प्रमुख कारण

इन गांवों के लोगों का कहना है कि सालभर नियमित काम नहीं मिलना, मनरेगा में कम मजदूरी, भुगतान में देरी पलायन के बड़े कारण हैं। इसके साथ ही बाहर ईंट भट्ठों व निर्माण में ज्यादा कमाई होती है जिसके कारण भूमिहीन और छोटे किसानों की पलायन एक मजबूरी है। देखा जाए तो सरकार मनरेगा जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय रोजगार प्रदान करने का दावा करती है, लेकिन पलायन की दर अभी भी अधिक है। गांव के सरपंचों का मानना है कि मनरेगा का काम कुछ महीने ही चलता है बाकी समय कमाने खाने के लिए बाहर जाना मजबूरी है। सामाजिक कार्यकर्ता नंद कश्यप का कहना है कि पलायन के कम आंकड़े अधिकारी जानबूझकर देते हैं ताकि सरकार की छवि खराब न हो और उन पर भी आरोप न लगे। हद तो ये है कि विधानसभा तक में झूठी जानकारी दी जाती है। अधिकारी पलायन पर हमेशा झूठ बोलते हैं।

बेहतर रोजगार की तलाश में गए

इसे पलायन नहीं कहा जा सकता बल्कि बेहतर रोजगार की तलाश में जाना माना जा सकता है। श्रम विभाग के साथ जिला पंचायत मजदूरों को सभी योजनाओं को लाभ दिलाने की पूरी कोशिश की जाती है।
- **श्रीमती ज्योति शर्मा**, श्रम अधिकारी

ट्रैफिक अफसर कहते हैं कि सरकारी गाड़ियों को छूट, लेकिन परिवहन विभाग ने कहा-ऐसा कोई नियम नहीं

आम आदमी पर चालान की मार, माननीयों से प्यार...मार्च में लोगों से वसूले सवा 3 करोड़, साहबों की गाड़ी से धेला नहीं

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

अफसर कहते हैं कि सरकारी गाड़ियों का चालान नहीं काटा जाता, ऐसा नियम है। लेकिन परिवहन विभाग कहता है-नियम सबके लिए बराबर हैं। सरकारी गाड़ी अगर नियम तोड़ती है तो उसे भी दंडित किया जाना चाहिए।

अलग खबर

उल्लेखीय है कि मार्च में कुल 1 लाख 12 हजार 271 लोगों के खिलाफ टैफिक नियमों के उल्लंघन की कार्रवाई की गई है। जिन लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है, उनमें से 23 हजार 577 लोगों ने चालान की राशि जमा की है। वहीं, इन तीन महीनों में सरकारी विभाग के माननीयों की एक भी गाड़ी का चालान नहीं कटा है। ट्रैफिक पुलिस के अफसरों के अनुसार सरकारी गाड़ियों को चालानी कार्रवाई से ▶▶|शेष पेज 7 पर

> नियमों का पालन सभी को करना चाहिए। लेकिन नियम सभी के लिए एक जैसे ही होने चाहिए, लेकिन ऐसा होता दिखता नहीं। ट्रैफिक पुलिस ने मार्च महीने में रिकार्ड चालान काटे हैं। आम आदमी से चालान के नाम पर 3 करोड़ 19 लाख रुपए वसूल किए गए, लेकिन हैरत की बात है कि सरकारी गाड़ियों का एक भी चालान नहीं काटा।

साढ़े छह गुना ज्यादा चालान

- कुल चालान (जनवरी-मार्च 2025 : 30 हजार 443
- कुल चालान (जनवरी-मार्च 2026 : 2,लाख 4 हजार 601
- पिछले साल की तुलना में इस साल करीब 672% (साढ़े छह गुना) ज्यादा चालान तैयार किए गए
- महज तीन महीनों में जनता की जेब से 5.64 करोड़ रुपये का समन शुल्क वसूला गया, जो पिछले साल (2.96 करोड़) से लगभग दोगुना है।

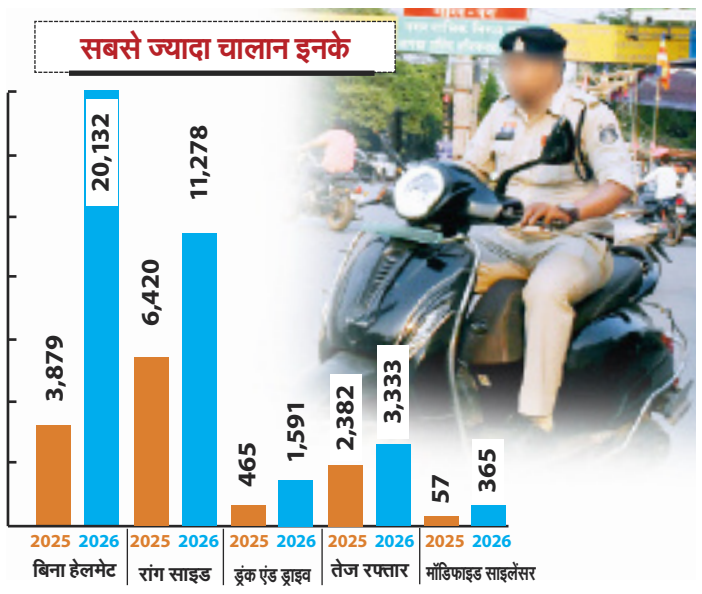

बीते साल के मुकाबले 6 गुना ज्यादा चालान, तीन महीने में 5 करोड़ वसूले

बीते साल जनवरी से मार्च तक तक 30 हजार 443 लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई थी। इस वर्ष जनवरी से मार्च तक 2 लाख 4 हजार से ज्यादा लागों को चालान भेजा गया है। वहीं बीते, वर्ष जनवरी से मार्च तक 2 करोड़ 96 लाख 77 हजार 700 रुपए जुर्माना वसूला था। इस वर्ष महज तीन महीने में ट्रैफिक पुलिस ने 5 करोड़ 64 लाख 83 हजार 800 रुपए जुर्माना वसूल किया है।

नियम सभी पर लागू होते हैं

मोटर व्हीकल एक्ट के नियम सरकारी के साथ सभी निजी गाड़ी तथा उनके वाहन चालकों पर लागू होते हैं। नियमों में किसी को छूट नहीं दी गयी है। ट्रैफिक नियमों का सभी को अनिवार्य रूप से पालन करना है।
- **डी. रविशंकर**, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त

इस्लामाबाद शांति वार्ता फिर बेनतीजा!

यूएस से बातचीत के बिना ही पाक से वापस लौटे ईरानी विदेश मंत्री

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

ईरान और अमेरिका के बीच जंग और तनाव के बीच शनिवार को नई उम्मीद की किरण दिखी थी, लेकिन अब वह उम्मीद टूट गई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अपनी एक बड़ी टीम के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे थे। पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच बिचौलिया यानी मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाला था, लेकिन, ईरान का डेलिगेशन बिना अमेरिकी प्रतिनिधित्व के इस्लामाबाद में आए हुए ही पाकिस्तान से चले गए। ईरान सीधे अमेरिका से बात करने को तैयार नहीं है इसलिए पाकिस्तान दोनों के बीच संदेश पहुंचाने का काम कर रहा। अमेरिका से भी स्पेशल दूत इस्लामाबाद आने वाले थे. लेकिन ईरानी प्रतिनिधित्व चले गए हैं तो इस पर अभी फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

ईरान ने यूएस से सीधी बात से किया इंकार

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने साफ कहा कि इस दौर में ईरान और अमेरिका के बीच कोई सीधी मीटिंग नहीं होगी। ईरान पाकिस्तान के जरिए अपनी बात और अपनी चिंताएं अमेरिका तक पहुंचाएगा। उन्होंने अमेरिका के इस पूरे कदम को अमेरिका का थोपा हुआ हमलावर युद्ध बताया और कहा कि पाकिस्तान शांति बहाल करने की कोशिश में जुटा है।

अराघची ने पाकिस्तान पीएम से की मुलाकात

शनिवार को अब्बास अराघची एक बड़ी टीम के साथ पाकिस्तान पहुंचे थे। वहां उनकी मुलाकात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई। इस मीटिंग में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर भी मौजूद थे। अराघची इस्लामाबाद के बाद मस्कट यानी ओमान और मॉस्को यानी रूस भी जाएंगे।

ईरान ने फिर शुरू कीं वाणिज्यिक उड़ानें

ईरान ने अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध शुरू होने के लगभग दो महीने बाद शनिवार को तेहरान स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानें फिर से शुरू कर दीं। इस संबंध में ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि तेहरान स्थित इमाम खुमैनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इस्तांबुल, ओमान की राजधानी मस्कट और सऊदी अरब के मदीना शहर के लिए उड़ानें रवाना हुईं। शनिवार सुबह इस्तांबुल के लिए कम से कम तीन उड़ान रवाना हुईं।

खबर संक्षेप

गोलीकांड के बाद करही में रेत खुदाई बंद

जांजगीर-चांपा। करही में हुए गोलीकांड के बाद गांव में विशेष पुलिस कैम्प लगा दिया गया है। इधर रेत माफिया भूमिगत हो गए हैं और रेत की खुदाई भी बंद हो गई है। पुलिस सभी पहलू से मामले की जांच कर रही है। कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव में 3 नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर दो सगे भाइयों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

घुनघुट्टा नदी में डूबने से मामा-भांजी की मौत

अंबिकापुर। बिलासपुर रोड स्थित घुनघुट्टा नहीं में उस समय अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई जब परिवार के साथ घूमने गए मामा-भांजी नदी के गहने पानी में डूब गए। दोनों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। नमनाकला निवासी सिम्मी सोनी आ. ईश्वर सोनी (12 वर्ष) रायपुर स्थित अपने घर में रहकर पढ़ाई करती थी।

कार के पलटने से तीन युवकों की मौत, 4 घायल

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर ग्राम लोढ़ी के पास एक कार के पलटने से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि चालक समेत चार लोग घायल हो गए। हादसे में नितीश यादव (25), जितेंद्र साहनी (22) और दिलीप पासवान (22) की मौके पर ही मौत हो गई।कन्हौरा गांव से एक बारात रायपुर थाना क्षेत्र के पौनी गांव गई थी।

आईजी ने कहा - बस्तर में हिंसा के अंत की ओर एक और बड़ा कदम

47 नक्सलियों ने 32 अत्याधुनिक हथियार के साथ किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कई शीर्ष कैडर समेत 47 नक्सलियों ने तेलगांना डीजीपी के समक्ष शनिवार को हथियार डाल दिए। इनमें डीकेएसजेडसीएम मेंबर हेमला विज्जा व डीवीसीएम पोड़यम मनोज शामिल है। इन नक्सलियों ने 32 अत्याधुनिक हथियार व 515 जिंदा कारतूस पुलिस को सौंपा है। तेलंगाना में हुए समर्पण पर प्रतिक्रिया देते हुए आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बस्तर में हिंसा के अंत की ओर एक और बड़ा कदम ▶▶|शेष पेज 7 पर

एलएमजी, एके 47 व इंसास राइफल सौंपा

नक्सलियों से बरामद हथियारों में 1 एलएमजी, 4 एके 47 राइफल, 3 एसएलआर राइफल, 2 इंसास राइफल, 2 410 मस्केट, 18 एमएम राइफल, 12 सिंगल शॉट गन, 1 नग 9 मिमी पिस्टल, 1 रिवॉल्वर, 2 बीजीएल गन, 2 एयर गन तथा 1 एसबीबीएल गन शामिल हैं। आज का यह आत्मसमर्पण पीएलजीए बटालियन, डीकेएसजेडसी तथा दक्षिण बस्तर डीवीसी की 9वीं और 30वीं प्लाटून से जुड़े कैडरों का है। एक एससीएम/ सीएम, 3 डीवीसीएम/ सीवाईपीसीएम कैडर, 24 एसीएम/ पीपीसीएम कैडर तथा 19 पार्टी सदस्य शामिल हैं।

हाईकोर्ट ने कहा

महिला को पता था प्रेमी शादीशुदा, यह झांसा नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रेप और धोखाधड़ी केस में अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस संजय एस अग्रवाल ने कहा अगर महिला को पहले से पता हो कि पुरुष शादीशुदा है और उसके साथ संबंध बनाती है, तो बाद में वह उस पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने या धोखाधड़ी का आरोप नहीं लगा सकती। हाईकोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ निचली अदालत से आरोपी को बरी करने के फैसले को बरकरार रखा है। साथ ही महिला की अपील को खारिज कर दी है। इस मामले में महिला ने खुद पैरवी की। डोंगरगढ़ की रहने ▶▶|शेष पेज 7 पर

दावों में कई विरोधाभास

कोर्ट ने पाया कि महिला के दावों में कई विरोधाभास थे। महिला की ओर से पहले दिए गए नोटिस और पुलिस शिकायत में शादी की निश्चित तारीख का जिक्र नहीं था, बल्कि उसमें केवल यह कहा गया था कि आरोपी ने शादी के बहाने मई से सितंबर 2008 के बीच शारीरिक संबंध बनाए।

31 साल पुराने केस का खुला भेद, यूट्यूबर को हुई थी उम्रकैद

मासूम का हत्यारा निकला एक्स मुस्लिम सलीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के जिस एक्स मुस्लिम यूट्यूबर सलीम वास्तिक का गला रेता गया था, उसके बारे में चौंकाने वाली बात सामने आई है। वह दिल्ली के कारोबारी के 13 साल के बेटे का हत्यारा निकला। दिल्ली पुलिस ने उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

यूट्यूब पर खुद को एक्स मुस्लिम बताते हुए विवादित वीडियो बनाने के आरोपी सलीम वास्तिक को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गाजियाबाद के लोनी इलाके से गिरफ्तार किया है।

कानून से बचने अपनाए शातिर तरीके

पुलिस के मुताबिक, आरोपी सलीम वास्तिक ने लंबे समय तक कानून से बचने के लिए बेहद शातिर तरीके अपनाए। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद यह भी जांच की जा रही है कि फरारी के दौरान उसने और क्या-क्या गतिविधियां कीं और किन लोगों ने उसकी मदद की। करीब 31 साल पुराने इस सनसनीखेज केस में आरोपी की गिरफ्तारी को दिल्ली पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

खुद को कर दिया था मृत घोषित

पुलिस जांच में सामने आया कि फरारी के दौरान सलीम ने खुद को मृत घोषित कर दिया, ताकि जांच एजेंसियों को गुमराह किया जा सके। इसके बाद उसने अपना नाम बदलकर सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक रख लिया और हरियाणा व उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में घूमता रहा। इस दौरान उसने खुद की एक नई पहचान बनाई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय होकर 'एक्स मुस्लिम' के रूप में वीडियो बनाना शुरू कर दिया। आखिरकार वह गाजियाबाद के लोनी इलाके में बस गया, जहां वह कपड़ों का कारोबार कर रहा था।

टॉप थ्री जिलों में रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर

तापमान के साथ मदिरा प्रेमियों का जोश हाई, छत्तीसगढ़ में एक ही दिन में गटक गए 41 करोड़ रुपए की शराब

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

प्रदेश में सूरज की तपिश जैसे-जैसे बढ़ रही है, मदिरा प्रेमियों की प्यास भी उसी रफ्तार से परवान चढ़ रही है। हाल ही में जारी तुलनात्मक बिक्री रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। बीते 22 अप्रैल को पूरे प्रदेश में जाम से जाम इस कदर टकराए कि केवल एक ही दिन में 41 करोड़ 75 लाख रुपये से ज्यादा की शराब की बिक्री हो गई। ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

एक नजर आंकड़ों पर

1. टॉप 3: जहां सबसे ज्यादा छलके जाम (22 अप्रैल की कुल बिक्री)
रायपुर: 7 करोड़ 59 लाख,
दुर्ग: 5 करोड़ 9 लाख 81,490
बिलासपुर: 3 करोड़ 71 लाख 39,910
2. सबसे कम पीने वाले जिले (22 अप्रैल की सबसे कम बिक्री)
नारायणपुर: 7 लाख 46 हजार
सुकमा: 11 लाख 62,230

बीते साल की तुलना में छोटे जिले बना रहे रिकार्ड

खास बात ये है कि राज्य के छोटे और दूरस्थ माने जाने वाले जिलों में इस भीषण गर्मी में भी पियक्कड़ जमकर जाम छलका रहे हैं। यह इन तीन जिलों में बिक्री में वृद्धि के आंकड़ों से साफ होता है।

- कोरिया बीते साल के मुकाबले 78.4 फीसदी वृद्धि
- सुकमा में बीते साल के मुकाबले 74 फीसदी का इजाफा
- सूरजपुर : 65.9 फीसदी खपत बढ़ी

GVK EMRI GREEN HEALTH SERVICES
108 112

Position	No. of Position	Qualification
Fleet Head/ Regional Manager	2	B.Tech / B.E. in Mechanical/Automobile Engineering / MBA with a minimum of 12-15 years of experience
Program Manager / Fleet Executive / Field/ Quality Executive / Emergency Management Executive	28	B. Tech / B.E. in Mechanical/Automobile Engineering/MBA with a minimum of 3-8 years of experience.
Team Leader – Call Centre	3	Any Graduation with 3–5 years of experience as a Team Leader in Inbound Call Centre.
IT Executive	2	Any Graduation with 3–5 years of experience in IT asset management.
HR Executive	2	MBA/MHRM/IRPM/MSW with 3-5 years of experience in HR Operations.
Stores Executive	1	Any Graduation with 3–5 years of experience in maintaining store operation and MS office skill is mandatory

HURRY UP!
Date of Interview: 27th April to 2nd May 2026.
Contact No: 6269993439, Email: atul_mishra@emri.in
Interview Timing : 09:30 am to 06:00 pm
Interview Address: EMRI Green Health Services
3rd Floor, L K Corporates Tower, New Dhamtari Road, Dumartarai
Raipur, Chhattisgarh, 492015

बंगाल का फाइनल राउंड

संदेशखाली से बांग्लादेश बॉर्डर तक ममता के गढ़ में होगा भाजपा का असली इम्तिहान

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 152 सीटों पर वोटिंग के बाद अब बारी 'फाइनल राउंड' की है। दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग है, जहां 142 सीटों पर चुनाव है। यह इलाका ममता बनर्जी का मजबूत गढ़ है, तो बीजेपी की पांच साल की सियासी प्रयोगशाला भी है। ऐसे में बीजेपी और टीएमसी के बीच आर-पार की लड़ाई है। जो इस इलाके में जीतने में कामयाब रहेगा, उसी का बंगाल में राज होगा?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बंगाल के पहले चरण में जिन 16 जिलों की सीटों पर चुनाव हुए हैं, उसे बीजेपी का दुर्ग कहा जाता है। पहला चरण उत्तरी बंगाल और जंगल महल की सीटों पर केंद्रित था, तो वहीं दूसरे चरण में बांग्लादेश की सीमा से लगी सीटें हैं और दूसरा कोलकाता के आसपास की सीटें हैं।

दूसरा फेज दक्षिण बंगाल के उस 'कोर बेल्ट' में है, जिसे ममता बनर्जी का अभेद्य किला माना जाता है। इसीलिए पहले चरण से ज्यादा इस फेज में बीजेपी का असल इम्तिहान होना है, जहां एक तरफ ममता बनर्जी अपने दुर्ग को बचाए रखने की कवायद में हैं, तो दूसरी तरफ बीजेपी बंगाल की सत्ता में काबिज होने की कोशिश में लगी है।

दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को 142 सीटों पर होना है मतदान

142 सीटों पर 1448 उम्मीदवारों की दांव पर लगी है किस्मत

कोलकाता की सभी शहरी सीटें इसी चरण में शामिल

पश्चिम बंगाल के दूसरे फेज में 8 जिलों की 142 सीटों पर 1448 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है, जिसका फैसला 29 अप्रैल को मतदाता करेंगे। टीएमसी ने दूसरे फेज की सभी 142 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रखे हैं, तो बीजेपी 141 सीटों पर किस्मत आजमा रही है। कांग्रेस भी सभी 142 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि सीपीएम 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रखे हैं। दूसरे चरण में कोलकाता की सभी शहरी सीटें इसी चरण में शामिल हैं। इसके अलावा 24 परगना उत्तर और दक्षिण, दोनों जिलों की सीटें हैं। हावड़ा, नदिया, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर जिले की सीटें हैं। ऐसे ही पूर्व और पश्चिम बर्धमान की सीटें हैं, जहां 2021 में टीएमसी ने क्लीन स्वीप किया था। इसी इलाके के बदौलत ममता बनर्जी बंगाल मी सत्ता की हैट्रिक लगाने में कामयाब रही थीं।

दूसरे फेज का सियासी समीकरण

2021 के चुनाव में इन 142 सीटों पर इनमें से बीजेपी ने सिर्फ 18 सीटें जीती थीं, जबकि टीएमसी ने 123 सीटों पर जीत दर्ज कर सत्ता की हैट्रिक लगाई थी। कोलकाता ही नहीं, उत्तर और दक्षिण 24 परगना इलाके की एक भी सीट बीजेपी नहीं जीत सकी थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता बनर्जी की इस इलाके में कितनी मजबूत पकड़ है। 2021 में बीजेपी उत्तरी बंगाल और जंगल महल के इलाके वाली सीटों पर टीएमसी पर भारी पड़ी थी, लेकिन दक्षिण बंगाल की सीटों पर उसका गेम बिगड़ गया था। बीजेपी ने इस बार पूरा फोकस इसी इलाके पर किया है, जहां पांच साल तक अलग-अलग मुद्दों पर टीएमसी को घेरती रही है। चाहे फिर 24 परगना के संदेशखाली वाली घटना रही हो या फिर मतुआ समुदाय के साथ किए जा रहे भेदभाव का मुद्दा।

बीजेपी की राजनीतिक प्रयोगशाला में टेस्ट

बंगाल के फाइनल राउंड के चुनाव में बीजेपी का असल टेस्ट होना है, जिसे पांच साल तक अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला बनाने के लिए मशक्कत करती रही है। पश्चिम और पूर्व बर्धमान का इलाका औद्योगिक और कोयला बेल्ट है, तो 24 परगना का इलाका मुस्लिम बहुल है। नदिया जिले की करीमपुर, तेहट्टा, चापड़ा और कृष्णगंज जैसी सीटें सीधे बांग्लादेश सीमा से लगती हैं। इसी तरह उत्तर 24 परगना जिले की बोंगांव, बगदा, स्वरूपनगर और बशीरहाट सीटें बांग्लादेश की सीमा से सटी हैं, तो दक्षिण 24 परगना इलाके के सुंदरबन क्षेत्र जैसे हिंगलगंज और संदेशखाली बांग्लादेश से जुड़े हैं।

सीमावर्ती इलाकों में निर्णायक होंगे मतुआ वोटर

बांग्लादेश की सीमा से लगे इलाके में मुस्लिम वोटर बड़ी संख्या में हैं, जिसके चलते ममता बनर्जी जीत दर्ज करती रही हैं। बीजेपी बांग्लादेश से अवैध रूप में घुसपैठ के मुद्दे को भी जोरदार तरीके से उठाती रही है। बोंगांव और नदिया के सीमावर्ती इलाकों में मतुआ वोट बैंक निर्णायक है, जहां सीएए एक बड़ा फैक्टर है। बीजेपी यह दावा करती रही है कि बांग्लादेश से आने वाले हिंदुओं को नागरिकता देने का काम कर रही है, तो दूसरी तरफ अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले मुस्लिमों को बाहर निकालने का नैरेटिव सेट करने में जुटी है। बीजेपी ने इन इलाकों में घुसपैठ और तुष्टीकरण को बड़ा मुद्दा बनाकर ममता बनर्जी को सियासी कठघरे में खड़ा किया है। इस तरह बीजेपी की कोशिश धार्मिक ध्रुवीकरण के जरिए बांग्लादेश की सीमा से लगे इलाके में अपनी सियासी जड़ें जमाने की है, जबकि ममता बनर्जी का पूरा जोर इस इलाके की सीटों को बचाए रखने पर है। ऐसे में देखना है कि बीजेपी ने पांच साल तक जिसे अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला के तौर पर बनाने का काम किया है, क्या वह चुनाव में सियासी रूप से मुफीद होगा?

चुनाव आयोग का एक्शन, मुख्य सचिव को भेजा पत्र

चुनाव में लापरवाही, एसपी सहित 5 अफसर होंगे सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने और ''गंभीर कदाचार'' के मामले में राज्य सरकार को डायमंड हार्बर के पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने तथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में कहा कि यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा पुलिसकर्मियों के आचरण को लेकर सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर की गई है। जिन अधिकारियों को निलंबित किया जाना है, उनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप गराई, अनुमंडल पुलिस अधिकारी सजल मंडल, डायमंड हार्बर थाना प्रभारी मौसम चक्रवर्ती, फाल्टा थाना प्रभारी अजय बाग और उस्ती थाना प्रभारी अधिकारी सुभेच्छा बाग शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने अपने आदेश में कहा, ''आयोग मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद निर्देश देता है कि इन अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने एवं गंभीर कदाचार के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की जाए।'' आयोग ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गराई के संबंध में रिपोर्ट गृह मंत्रालय में उनके काडर नियंत्रक प्राधिकरण को भेजी जाए। गराई भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं। इसने राज्य सरकार से कहा कि चुनाव संबंधी ड्यूटी में अधीनस्थ अधिकारियों के बीच ''अनुशासन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफल'' रहने पर डायमंड हार्बर की पुलिस अधीक्षक ईशानी पाल को चेतावनी जारी की जाए।

दूसरे चरण के लिए 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। दूसरे चरण में राज्य की 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये सभी 11 नए पुलिस पर्यवेक्षक अन्य राज्यों से बुलाए गए हैं। इनका मुख्य कार्य दूसरे चरण की चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और निष्पक्ष बनाना है।

तमिलनाडु में मतदान का सटीक आंकड़ा होगा जारी

चेन्नई। भारत निर्वाचन आयोग तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान मताधिकार का इस्तेमाल करने वाले मतदाताओं का सटीक आंकड़ा जारी करेगा। मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में पुरुष, महिला और ट्रांसजेंडर मतदाताओं का अलग-अलग विवरण भी शामिल होगा। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए एक चरण में 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और मतगणना चार मई को होगी। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां कहा कि मतदान के दिन जारी 85.15 प्रतिशत मतदान का आंकड़ा अंतिम नहीं है और यह कुछ मतदान केंद्रों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित था। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पड़े वास्तविक मतों की संख्या प्रपत्र 17सी में औपचारिक रूप से दर्ज की जाती है जिसका मिलान भारत निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में उपलब्ध आंकड़ों से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में अब तक करीब 4.18 लाख डाक मत दर्ज किए गए हैं।

चुनावी सभा में शाह ने साधा ममता सरकार पर निशाना

सत्ता में आने पर मतुआ समुदाय के लिए सीएए जल्दू लागू किया जाएगा

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दावा किया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है, और पार्टी 23 अप्रैल को हुए मतदान में 110 सीटें जीतेगी। शाह ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को, विशेष रूप से मतुआ समुदाय के लिए, शीघ्रता से लागू किया जाएगा।

महिलाओं ने उठाया सबसे ज्यादा नुकसान

शाह ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासनकाल में सबसे ज्यादा नुकसान महिलाओं को ही उठाना पड़ा है। चाहे आरजी कर मामला हो, संदेशखलि या दक्षिण कोलकाता विधि कॉलेज का मामला हो, हर घटना ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ममता दीदी की सरकार की पूर्ण विफलता को उजागर किया है।' केंद्रीय मंत्री ने बनर्जी के उन कथित बयानों पर आपत्ति जताई जिनमें उन्होंने महिलाओं को शाम सात बजे के बाद घर से बाहर न निकलने की सलाह दी थी। शाह ने कहा कि ऐसे बयान सरकार की विफलता को दर्शाते हैं।

सत्ता के लालच में ममता गरीबों की नहीं बल्कि अमीरों की मदद कर रहीं : राहुल

श्रीरामपुर (पश्चिम बंगाल)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक ही श्रेणी में रखते हुए दोनों पर सत्ता के लालच में गरीबों के बजाय अमीरों की मदद करने का आरोप लगाया।

गांधी ने हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी स्वयं को 'देशभक्त' कहते हैं, लेकिन वह देश को बेच रहे हैं।

नीति आयोग का पुनर्गठन लाहिड़ी वाइस चेयरमैन

नयी दिल्ली। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री के वी राजू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। मैं अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही राजीव गौबा, के वी राजू, गोबर्धन दास, अभय करंदीकर और एम श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई देता हूं। मैं सभी के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना करता हूं।'

नीतिगत संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ

प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग भारत की नीतिगत संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और जीवन सुगमता को प्रोत्साहित करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है।' प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक लाहिड़ी भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके हैं। वह राज्य में जारी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी नहीं हैं।

आप पार्टी के बागी नेताओं का सड़क से सोशल मीडिया तक हो रहा विरोध

भज्जी और गुप्ता के घर पर लिखा 'गद्दार' राघव को 10 लाख ने कर दिया अनफॉलो

एजेंसी ▶▶| जालंधर

आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले 7 में से 3 राज्यसभा सांसदों हरभजन सिंह भज्जी, राजिंदर गुप्ता और एलपीयू के संस्थापक अशोक मित्तल के खिलाफ आप के वर्करों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने जालंधर में भज्जी और लुधियाना में ट्राइडेंट ग्रुप के मालिक राजिंदर गुप्ता के घर के बाहर गद्दार लिख दिया।

फगवाड़ा में सांसद अशोक मित्तल की यूनिवर्सिटी एलपीयू के गेट पर भी 'पंजाब का गद्दार' लिख दिया गया। इस दौरान पुलिस वहां मौजूद रही लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोई खास कोशिश नहीं की। इधर, आम आदमी पार्टी के बागी सांसद राघव चड्ढा को भाजपा जॉइन करने के बाद बड़ा झटका लगा है। पिछले 2 दिन में 1 मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा लोगों ने इंस्टाग्राम पर उन्हें अनफॉलो किया है। 23 अप्रैल को राघव के इंस्टाग्राम पर 14.6 मिलियन फॉलोअर्स थे। लेकिन 24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद से अबतक राघव को इंस्टाग्राम पर 11 लाख से ज्यादा लोगों ने अनफॉलो किया। अब राघव के इंस्टाग्राम पर 13.5 मिलियन फॉलोअर्स, जो लगातार तेजी से गिर रहे हैं।

चड्ढा के भाजपा ज्वाइन करने पर बड़ी संख्या में गिरे फालोवर्स

यह है मामला

दरअसल, शुक्रवार को पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 सांसदों ने कल (24 अप्रैल) पार्टी छोड़ दी। इनमें से 6 पंजाब से हैं। पार्टी छोड़ने के बाद पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार शाम को ही सांसद अशोक मित्तल और संदीप पाठक के साथ भाजपा जॉइन कर ली। चड्ढा के मुताबिक हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता भी हमारे साथ हैं।

दलबदल को लेकर सीएम मान ने मांगा राष्ट्रपति से समय

इससे पहले पंजाब के सीएम भगवंत मान ने 7 आप सांसदों के पार्टी छोड़ने को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात का टाइम मांगा है। पंजाब सीएम ऑफिस से जुड़े सोर्सेज के मुताबिक सीएम मान पंजाब के सभी विधायकों को लेकर दिल्ली जाकर राष्ट्रपति से मिलना चाहते हैं। वह पार्टी बदलने वाले 7 सांसदों के राइट टू रिकॉल की मांग करेंगे और इस पर अपना पक्ष रखेंगे। इसके अलावा आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह उपराष्ट्रपति से मिलेंगे। जहां वे पार्टी छोड़ने वाले सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग करेंगे। संजय सिंह और पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि सिर्फ 3 ही सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं। बाकी 4 अभी उनकी ही पार्टी में हैं।

आप का दावा, मालीवाल गुप्ता के फर्जी साइन

राघव चड्ढा ने कल दावा किया था कि उनकी पार्टी के राज्यसभा में 10 सांसद हैं। इनमें से दो तिहाई यानी 7 सांसद हमारे साथ हैं। ऐसे में हमारे ऊपर दलबदल कानून लागू नहीं होता। इसे खारिज करते हुए वित्तमंत्री चीमा ने कहा कि सिर्फ 3 ही सांसद भाजपा में गए हैं। 2 सांसदों स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता के फर्जी साइन किए गए हैं।

बंगाल में कोलकाता समेत 9 जगहों पर ईडी के छापे

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित पीडीएस घोटाला मामले में धन शोधन की जांच के तहत शनिवार को पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता, बर्धमान और हाबरा में निरंजन चंद्र साहा समेत आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों के लगभग नौ परिसरों पर तलाशी अभियान जारी है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जा रही है। केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में पहले भी छापेमारी की थी। राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होना है। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था। धन शोधन का यह मामला अक्टूबर 2020 में बसीरहाट पुलिस द्वारा घोजाडांगा स्थित सीमा शुल्क उपायुक्त (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) की शिकायत पर दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए निर्धारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गेहूं की बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई है। गेहूं को आपूर्तिकर्ताओं, लाइसेंस प्राप्त वितरकों, डीलर और बिचौलियों की मिलीभगत से अवैध माध्यमों से कम कीमत पर खरीदा गया।

ईडी का दावा

ईडी का दावा है कि आपूर्ति श्रृंखला से बड़ी मात्रा में गेहूं को अवैध रूप से निकालकर कई स्थानों पर जमा किया गया था। अनाज को मूल रूप से कहां से प्राप्त किया गया, इसकी जानकारी छिपाने के लिए आरोपियों ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य सरकार के चिह्नों वाले मूल बोरे हटा दिए या उलट दिए और उन्हें फिर से भर दिया और इस तरह पहचान संबंधी चिह्नों को छिपाकर पीडीएस के गेहूं को खुले बाजार में बेचने या निर्यात करने के लिए वैध भंडार के रूप में पेश किया गया। इस मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योति प्रिय मलिक और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

19 अप्रैल से गंगोत्री व यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ शुरू हुई है चारधाम यात्रा

केदारनाथ हेली सेवा बुकिंग में महाराष्ट्र सबसे आगे

90 मिनट में 'हाउसफुल' हुईं 31 हजार सीटें

एजेंसी ▶▶| रुद्रप्रयाग

हिमालय की चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ता जा रहा है। 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद तीन दिन में ही उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम पहुंचकर 93252 यात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिला है।

शनिवार को आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल से 15 जून तक के लिए उपलब्ध हेलीकॉप्टर शटल सेवा की सभी 31 हजार 450 सीटें पोर्टल खुलने के महज 90 मिनट के भीतर बुक हो गईं। अधिकारियों के अनुसार, बुकिंग प्रक्रिया 15 अप्रैल को शाम 6 बजे शुरू हुई और रात 7.28 बजे तक आखिरी टिकट जारी कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान आधिकारिक आईआरसीटीसी पोर्टल के जरिए कुल 10,855 टिकट जारी किए गए। यह हेलीकॉप्टर शटल सेवा तीर्थयात्रियों को बेस कैंप से हिमालयी तीर्थस्थल तक हवाई मार्ग से जोड़ती है। यह सेवा गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी से संचालित होती है, ताकि 16 किमी की कठिन चढ़ाई को आसान बनाया जा सके। उत्तराखंड पर्यटन विभाग के अनुसार, हेल्पलाइन कॉल सेंटर ने इस प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए 565 रैंडम वेरिफिकेशन कॉल किए। अधिकारियों ने पाया कि इस्तेमाल किए गए 10 हजार 859 मोबाइल नंबरों में से 4 हजार 400 नंबर असली यात्रियों से मेल खाते थे। विश्लेषण से पता चला कि 51 प्रतिशत बुकिंग सीधे तीर्थयात्रियों ने की थी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाकी 49 प्रतिशत बुकिंग अन्य अधिकृत माध्यमों से की गई थी।

बुकिंग चार्ट में इन्होंने मारी बाजी

राज्यों के हिसाब से बुकिंग चार्ट में महाराष्ट्र सबसे आगे रहा, जहां 1708 सफल बुकिंग हुईं. अन्य प्रमुख बुकिंग उत्तर प्रदेश (1,243), दिल्ली (867), तेलंगाना (864), कर्नाटक (801) और गुजरात (700) से हुईं।

यह सेवा गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी से होती है संचालित

बुकिंग के लिए सख्त नियम

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, राज्य सरकार ने हर यूजर के लिए बुकिंग की सीमा दो और सीटों की सीमा 12 तय की थी। एक आईपी एड्रेस से सिर्फ पांच यूजर आईडी इस्तेमाल करने की अनुमति थी, और हर बुकिंग में ज्यादा से ज्यादा 6 यात्रियों को शामिल किया जा सकता था। विभाग ने बताया कि अब तक 510 बुकिंग आईडी के तहत कुल 913 सीटें रद्द भी की जा चुकी हैं।

केसीआर की बेटी कविता ने बनाई नई पार्टी टीआरएस

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

बीआरएस को देंगी टक्कर

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कल्वाकुंतला कविता ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' (टीआरएस) लॉन्च की है। पूर्व बीआरएस सांसद और एमएलसी कलवाकुंतला कविता ने शनिवार सुबह अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना की शुरुआत की। इसके साथ ही कविता ने अपने पिता के नेतृत्व वाली 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) से अपना निर्णायक और अंतिम अलगाव कर लिया है। के. कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सुप्रीमो के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। कविता सात महीने पहले बीआरएस पार्टी छोड़ दी थी।

पिता पर साधा निशाना : पार्टी बनाने के बाद कविता ने कहा, वह बीआरएस के वोट बैंक को लुभाने की कोशिश करेंगी। साथ ही उन्होंने अपने पिता के. चंद्रशेखर राव और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली मौजूदा कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। कविता ने कहा, 'केसीआर (राव को इसी नाम से जाना जाता है) बदल गए हैं और अब वे पहले जैसे नेता नहीं रहे। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे केसीआर नहीं, बल्कि एक गैर-केसीआर हैं। उन्होंने बताया कि केसीआर सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं और जनता की किसी भी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

तरकश

संजय के. दीक्षित

सचिवों की मेजर सर्जरी

मंत्रालय में सचिव स्तर पर एक बड़ी उठापटक जल्द हो सकती है। इसमें उन आधा दर्जन से अधिक सचिवों का विभाग बदल सकता है, जिनका कार्यकाल सवा दो साल से अधिक हो गया है। जाहिर है, दिसंबर 2023 में सरकार बदलने के बाद जनवरी 2024 में सचिवों की बड़ी लिस्ट निकली थी, उसके बाद कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। वैसे, एसीएस मनोज पिंगुआ का गृह विभाग में साढ़े तीन साल से ज्यादा हो गया है। पिछली सरकार के समय से उनके पास गृह विभाग का दायित्व है। इसी तरह निहारिका बारिक पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शहला निगार कृषि, कमलप्रीत सिंह पीडब्लूडी, सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी स्कूल शिक्षा, भुवनेश यादव समाज कल्याण, एस भारतीदासन हायर एजुकेशन, बसव राजू नगरीय प्रशासन, शम्मी आबिदी महिला बाल विकास विभाग को सवा दो साल से अधिक हो गया है। लिहाजा, इन अधिकारियों के विभाग बदलने की अटकलें बड़ी तेज हैं। अलबत्ता, अमित कटारिया हेल्थ में जम नहीं पा रहे, इसलिए उनका पोर्टफोलियो चेंज हुआ तो कोई आश्चर्य नहीं। सेंट्रल डेपुटेशन से अमित लौटे थे, उस समय उनका इंटरेस्ट नगरीय प्रशासन में था मगर बसव राजू को वे हिला नहीं सकें। अमित का नाम पीडब्लूडी को लेकर भी चर्चाओं में है। वैसे तो पीडब्लूडी के लिए मुकेश बंसल को भी राइट च्वाइस बताया जा रहा, मगर उनके पास वर्कलोड ज्यादा है, मंत्री ओपी चौधरी उन्हें छोड़ेंगे भी नहीं, इसलिए मुकेश की संभावना कम प्रतीत हो रही।

गृह विभाग का निजाम कौन?

बैचमेट को चीफ सिकरेट्री बन जाने के बाद एसीएस होम मनोज पिंगुआ ने सेंट्रल डेपुटेशन पर जाने के लिए अर्जी लगाई थी मगर उन्हें अब तक पोस्टिंग नहीं मिली है। हालांकि, उन्होंने अभी तक अपना आवेदन वापिस भी नहीं लिया है। मगर खबरें आ रही कि दिल्ली जाने का उनका इरादा अब डगमगा रहा है। हो सकता है कि सीएस विकास शील से उनकी कोई बात हुई हो...आखिर हैं तो पुराने बैचमेट ही। बहरहाल, मनोज अगर दिल्ली नहीं गए तो सरकार उनकी वरिष्ठता की दृष्टि से कौन सा विभाग देगी, इस पर भी धर्मसंकट रहेगा। उनके पास पहले हेल्थ और फॉरेस्ट रह चुका हैं। विष्णुदेव साय के सीएम बनने के बाद मनोज को उनके सचिवालय में जाने की चर्चाएं भी हुई थी। उसके बाद 30 जून 2025 को कैबिनेट की मीटिंग के बाद उनका सीएस का आर्डर निकलते-निकलते रह गया था। दिल्ली से अमिताभ जैन को एक्सटेंशन देने का संदेशा आ गया। और उसके बाद मनीला से विकास शील आ गए। बहरहाल, सवाल यह है कि सोनमणि बोरा, कमलप्रीत सिंह या किसी अन्य को सिकेट्री होम बनाया जाएगा तो फिर मनोज पिंगुआ को क्या मिलेगा? इसका जवाब सीएम या उनके पीएस के पास ही होगा।

ट्रांसफर का महीना?

सचिवों के विभाग बदले जाने की चर्चाओं के बीच बता दें कि कलेक्टर, एसपी, जिला पंचायत सीईओ और डीएफओ के ट्रांसफर लंबे समय से प्रतीक्षित है। एक मई से सुशासन तिहार भी प्रारंभ होने जा रहा है। हालांकि, सुनने में आ रहा कि सुशासन तिहार के साथ-साथ अफसरों की लिस्ट भी जारी होते रहेगी। सरकार में बैठे लोग इस बात को स्वीकार कर रहे कि दो साल से अधिक जिन अधिकारियों का हो गया है, वहां ट्रांसफर की प्रत्याशा में कोई काम नहीं हो रहा है...उन जिलों के अफसरों को बदलना ही श्रेयस्कर होगा। अलबत्ता, कलेक्टर, एसपी के ट्रांसफर होंगे या नहीं, आने वाला दो-तीन दिन काफी महत्वपूर्ण होंगे। यदि बदलना होगा तो सरकार इसी दौरान कोई निर्णय लेगी। आजकल में पीएस टू सीएम सुबोध सिंह भी ट्रेनिंग से लौट आएंगे।

25 साल में जीरो

नवंबर 2000 में मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ बनने के दौरान छत्तीसगढ़ में सड़कों की जो स्थिति थी, कमोवेश वही हालत अभी भी है। नेशनल हाईवे को छोड़ दें, तो पीडब्लूडी मिनिस्टर और सीएम के विधानसभा इलाकों की हालत बेहद दयनीय है। तभी रिव्यू मीटिंग में सीएम बड़े नाराज हुए थे। वे यहां तक बोल गए थे...पीडब्लूडी का कहीं कोई काम दिख नहीं रहा है। दरअसल, सड़कें कनेक्टिविटी की सुविधा के साथ-साथ किसी भी राज्य की शान होती है। पड़ोसी राज्यों में तेलांगना और महाराष्ट्र की बात तो छोड़िये, कालाहांडी की भूखमरी के नाम से बदनाम ओड़सिा की सड़कें विकसित प्रदेशों टाईप अहसास दिला रही है। बगल में, विशाखापट्टनम या नागपुर चले जाइये, सड़कें देखकर आप हतप्रभ रह जाएंगे। असल में, छत्तीसगढ़ में इस सेक्टर में काम ही नहीं हुआ। और न ही सरकार ने इसे प्राथमिकता में रखा। राजधानी रायपुर की बात करें तो 25 साल में एक एक्सप्रेसवे बन पाया। ऐसा नहीं कि पीडब्लूडी में हाई प्रोफाइल अफसर नहीं आए। पी. जाय उम्मेन, एमके राउत, आरपी मंडल और अमिताभ जैन जैसे पीडब्लूडी सिकेट्री हुए। बावजूद इसके आलम यह है कि धर्मजयगढ़ और पत्थलगांव को जोड़ने वाली सड़क पिछले 15 साल से निर्माणाधीन है। पीडब्लूडी किस रफ्तार में चल रहा, इसका अंदाजा आप इससे लगा सकते हैं कि पिछले साल 9500 करोड़ का बजट मिला मगर मार्च क्लोजिंग तक इसमें से मात्र 3000 करोड़ खर्च हो पाया।

10 साल में आरओबी

93 बैच के आईएएस अफसर अमित अग्रवाल 2015-16 के दौरान वित्त सचिव थे। कचना के जीएडी कालोनी से शहर तरफ आने-जाने मे फाटक पर वे हमेशा लोगों के जाम का शिकार होते देखते थे। लिहाजा, उन्होंने खुद ही पहल कर पीडब्लूडी वालों से प्रस्ताव मंगा बजट में शामिल किया। उसके बाद 10 साल निकल गया। अभी तक कचना ओवर ब्रिज पूरा नहीं हुआ है। 2016 के बजट में आने के बाद इसका 2021 में इसका काम प्रारंभ हुआ। मार्च 2025 की डेडलाइन थी और अप्रैल 2026 समाप्त होने वाला है। इससे समझा जा सकता है पीडब्लूडी की मंथर गति को समझी जा सकती है।

तीन महीने का एक्सटेंशन

तरकश में पीसीसीएफ और हेड ऑफ फॉरेस्ट श्रीनिवास राव के एक्सटेंशन का जिक्र किया गया था। तरकश की खबर सही निकली। छह महीने की सेवा विस्तार की चकरी भारत सरकार में घूमी, मगर बात कुछ जम नहीं पाई। कहीं से एडवाइस आया है कि छह महीने ज्यादा है, तीन महीने की फाइल मूव किया जाए। श्रीनिवास राव को एक्सटेंशन मिल पाएगा या इंकार हो जाएगा, 10 मई से पहले इस पर क्लियरिटी आ जाएगी। हालांकि, एक्सटेंशन की फाइल पीएम तक जाती है, इसलिए सब कुछ इतना आसान नहीं है। श्रीनिवास राव को अगर एक्सटेंशन नहीं मिला तो फिर अरुण पाण्डेय की दावेदारी पक्की हो जाएगी। क्योंकि, ओपी यादव हेड ऑफ फॉरेस्ट बनने इच्छुक नहीं बताए जा रहे। वैसे अरुण और ओपी दोनों सरगुजिहा तो हैं ही पड़ोस में रहते हैं और रोज साथ बैठने वाले मित्र भी हैं। इसलिए, अरुण के पक्ष में ओपी शायद अपना इंटरेस्ट ना दिखाएं। अब अगर उनके माथे पर कुछ लिखा है तो बात अलग है...उसी तरह जैसे आईपीएस एएन उपध्याय के पास डीजीपी का पद चलकर आ गया था। वरना अरुण पाण्डेय के नाम पर मुहर लगेगी। वैसे भी मंत्रालय और फॉरेस्ट विभाग की पसंद अरुण पाण्डेय ही हैं मगर बीच में श्रीनिवास राव के विधायक भाई के सक्रिय होने से मामला पेचीदा हो गया है।

जीएडी का यू-टर्न

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार बनने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने 2024 में एक आदेश निकाल कर्मचारियों, अधिकारियों को संघ के कार्यक्रमों में जाने के लिए फ्री कर दिया था। मगर इस हफ्ते एक ऐसा आदेश निकला कि संघ में बवाल मच गया। आदेश था...सरकारी कर्मचारी, अधिकारी किसी संगठन के सदस्य नहीं हो सकते। पता चला है...जीएडी के अधिकारियों ने बिना ब्रीफ किए हड़बड़ी में उपर से दस्तखत करा लिया। आदेश निकलने के बाद जब कोहराम मचा तो जीएडी के अफसरों को तलब किया गया। इसके बाद भी जीएडी के अफसर इस आदेश को वापिस लेने की बजाए उसमें संशोधन करने पर अड़े रहे। इसके बाद सीएम ने अपना तेवर दिखाया। बताते हैं, सीएम ने दो टूक कहा...कोई संशोधन नहीं, आदेश बदला जाए, फिर जाकर आदेश चेंज हुआ। वैसे, आदेश निकाल फिर बदलने से संदेश अच्छे नहीं जा रहे, सरकार के रणनीतिकारों को इसे संज्ञान लेना चाहिए।

अफसर पौने दो सौ, मेंबर सिर्फ एक

सिविल सर्विस डे पर राजधानी में अफसरों का एक बड़ा आयोजन हुआ। वर्तमान सीएस विकास शील के साथ इस मौके पर दो पूर्व मुख्य सचिव भी मौजूद थे। मंत्रालय के अफसरों के साथ कलेक्टर, कमिश्नर वीडियोकांफ्रेंसिंग पर कनेक्ट थे। इसमें पता चला कि आईआईपीए याने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में छत्तीसगढ़ से वैसे तो 66 मेंबर हैं मगर सर्विंग आईएएस में से सिर्फ एक। वो हैं एसीएस मनोज पिंगुआ। जबकि, दीगर राज्यों में इसकी संख्या 75 परसेंट से उपर होती है। सिविल सर्विस के अफसरों को जानकारियों से अपडेट रहने के लिए भारत सरकार ने आजादी के तुरंत बाद आईआईपीए नाम से एक ऑटोनॉमस बांडी बनाई थी। उप राष्ट्रपति को इसका चेयरमैन बनाया गया और डीओपीटी मंत्री को व्हाइस चेयरमैन। डीओपीटी सिकेट्री इसके सीईओ होते हैं। इसके बाद छत्तीसगढ़ में ये हाल है। सीएस विकास शील से सभी से इसकी सदस्यता लेने का आग्रह किया है, तो देखना है कि अब कितने अफसर इससे जुड़ते हैं।

बीजेपी नेता, मछली और धर्म भ्रष्ट

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान मछली खाने पर बीजेपी द्वारा पाबंदी लगाने का ऐसा दांव चला कि जो बीजेपी नेता सार्वजनिक तौर पर मांस-मछली नहीं खाते थे, वे भी कैमरे के सामने थाली से मछली का कांटा निकालते नजर आने लगे। मगर इस चक्कर में छत्तीसगढ़ में कुछ बीजेपी नेताओं के यहां बवाल मच गया। मालूम हुआ, एक नेताजी का परिवार शुद्ध शाकाहारी और धरम-करम वाला है। उनके घर वालों को व्हाट्सएप ग्रुप से मछली खाते फोटो हाथ लग गई। इसके बाद पत्नी ने बात करना बंद कर दिया है, तो पिता ने चमकाया, तूने धर्म भ्रष्ट कर दिया। अब पश्चिम बंगाल की बात अलग है। वहां बिना मछली खाए कोई शुभ काम संपन्न नहीं होते। मगर बाकी प्रदेशों में ऐसा नहीं है। छत्तीसगढ़ से गए कुछ बीजेपी नेताओं ने इस स्तंभ के लेखक को बताया कि फोटो और सोहबत के चक्कर में कई नेताओं को अब मछली का स्वाद भाने लगा है।

हफ्ते का कोट...

'संबंध कभी भी बराबरी करने से नहीं पनपते...उन्हें बनाएं रखने के लिए किसी को बड़ा और किसी को छोटा होना पड़ता है' और 'परिस्थितियां बदलना जब मुमकिन ना हो तो मनःस्थिति बदल लीजिए, सब कुछ अपने आप ही बदल जाएगा।'

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ बिजली नियामक आयोग के चेयरमैन का पद किसके लिए रिक्त रखा गया है?
2. डीजी पवन देव को पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में करीब सात साल हो गया है, वे वहीं से 2028 में रिटायर होंगे या उनका ट्रांसफर किया जाएगा?

गोल्ड गाला में ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से होंगी सम्मानित

ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा को उनके करियर का एक और बड़ा सम्मान मिलने वाला है। आगामी गोल्ड हाउस गोल्ड गाला 2026 अभिनेत्री को प्रतिष्ठित ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से सम्मानित करने के लिए तैयार है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इस समारोह का आयोजन 9 मई को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन स्थित 'द म्यूजिक सेंटर' में होगा। बताया जाता है कि प्रियंका को चार्ल्स मेल्टन, जेट ली, सिमु लियू और ईजेएई जैसे नामों के साथ सम्मानित किया जाएगा। गोल्ड हाउस द्वारा आयोजित गोल्ड गाला का 5वां संस्करण जल्द ही आने वाला है। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 650 से ज्यादा व्यक्ति इस साल की गोल्ड 100 सूची का जश्न मनाने के लिए शामिल होंगे। इनमें से एक

नाम प्रियंका का भी है, जिन्हें बॉलीवुड और हॉलीवुड के बीच एक पुल के रूप में उनके 25 साल के सफर और एशियाई प्रशांत संस्कृति के लिए उनके अहम योगदान के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। एक अभिनेत्री होने के अलावा, प्रियंका ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी, पर्पल पेबल पिक्चर्स में एक निर्माता के तौर पर अपना दबदबा कायम किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी हैं, और उनका नाम टाइम 100 और फोर्ब्स की "सबसे शक्तिशाली महिलाओं" की सूची में शामिल हो चुका है। काम की बात करें, तो प्रियंका आगामी फिल्म 'वाराणसी' में व्यस्त हैं, जिसका निर्माण एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे।

'रिटर्न ऑफ द जंगल' का टीजर जारी

मुंबई। शाहरुख खान की आवाज में 'द लायन किंग' और श्रद्धा कपूर की आवाज में 'जूटोपिया' जैसी एनिमेटेड फिल्मों को काफी पसंद किया गया था। अब एक और एनिमेटेड फिल्म 'रिटर्न ऑफ द जंगल' आ रही है, जिसका टीजर और रिलीज तारीख जारी हो गई है। भारत का इकलौता एमी पुरस्कार विजेता एनिमेशन स्टूडियो, वैभव स्टूडियोज पंचतंत्र से प्रेरित इस फिल्म को ला रहा है। इसका निर्देशन वैभव कुमारेश ने किया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित एनिमेशन फिल्म निर्माता हैं। फिल्म का टीजर शानदार दृश्य अनुभव और दिल छू लेने वाली कहानी की झलक देता है। बिना किसी विदेशी तामझाम के यह फिल्म जादुई जंगल की कहानियां, स्कूल का माहौल और बचपन की पुरानी यादों को दिखाने का दावा

करती है। भारत में दस्तक देने से पहले यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल कर चुकी है, क्योंकि इसे कान्स फिल्म मार्केट में प्रदर्शित किया गया था। फिल्म 29 मई, 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टीवी मसाला

किस्मत ने ली करवट! शूटिंग देखने गईं थीं और बन गईं एक्ट्रेस...

मुंबई। जब दूरदर्शन में 'महाभारत' सीरियल शुरू हुआ था, तब इसकी लोकप्रियता ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। बहुत लोग इसकी शूटिंग देखने के लिए भी इकट्ठे हुए थे। शूटिंग देखने वाली इसी भीड़ में एक लड़की भी खड़ी थी वर्षा उसगांवकर, लेकिन उन्हें ये नहीं पता था कि शूटिंग देखना उनकी किस्मत बदलकर रख देगा। वर्षा जब शूटिंग देखने गयी थीं, तभी सीरियल में शकुनि मामा का किरदार निभाने वाले गुफी पेंटल की नजर उन पर पड़ी और वर्षा उसगांवकर के चेहरे की मासूमियत देखकर उन्होंने उन्हें महाभारत की महत्वपूर्ण पात्र 'उत्तरा' का रोल ऑफर कर दिया। वर्षा उसगांवकर की स्टोरी किसी फिल्म या परीकथा जैसी है। उनका तो एक्ट्रेस बनने का कोई इरादा भी नहीं था। हालांकि, वर्षा उसगांवकर के पिता चाहते थे कि उनकी बेटी इस ऐतिहासिक सीरियल का हिस्सा बने, लेकिन वर्षा ने इसके लिए कभी औपचारिक ऑडिशन नहीं दिया और न ही कभी कोशिश की। दिलचस्प बात यह है कि महाभारत शुरू होने के एक साल बाद, वर्षा अपने परिवार के साथ शूटिंग देखने के लिए सिर्फ एक दर्शक के तौर पर सेट पर गई थीं। उस समय वहां युवा अभिमन्यु का ट्रैक दिखाया जा रहा था। सीरियल के मेकर्स उत्तरा का किरदार निभाने के लिए एक नए चेहरे की तलाश में थे।

शकुनि मामा ने पूछा- क्या तुम किरदार निभाओगी : तभी सीरियल में मामा शकुनि का रोल निभाने वाले गुफी पेंटल की नजर दर्शक के तौर पर वहां पहुंची वर्षा पर पड़ी। गुफी ने उनसे पूछा कि क्या वह यह किरदार निभाना चाहेंगी। वर्षा के माता-पिता तो पहले से यही चाहते थे, वो तुरंत मान गए और बिना किसी स्क्रीन टेस्ट के वर्षा को यह बड़ा ब्रेक मिल गया।

रातोंरात बदल गयी किस्मत : महाभारत में 'उत्तरा' का रोल मिलने के बाद वर्षा की किस्मत रातोंरात बदल गई। वर्षा को फिल्मों में भी ऑफर मिलने लगा। उन्होंने "तिरंगा", "हनीमून" और "घर आया मेरा परदेसी" जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम किया और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह बनाई।

जावेद डांस रियलिटी शो में बनेंगे जज

मुंबई। अभिनेता जावेद जाफरी एक बार फिर टीवी की दुनिया में लौट रहे हैं। सोनी टीवी ने अपने चर्चित डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' का प्रोमो जारी किया है, जिसमें अभिनेता को जज की कुर्सी संभालते देखा जाएगा। शो की थीम "इंडिया वाला डांस" होगी, जिसके जरिए प्रतियोगी देशभर की विविध नृत्य शैलियों को पेश करेंगे। जाहिर है कि जावेद 1996 में आए लोकप्रिय डांस शो 'बूगी वूगी' में जज रह चुके हैं। 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के प्रोमो में जावेद कहते हैं, कभी सोचा है कि स्टेज 30 बाय 30 के स्टेज पर, क्या 140 करोड़ लोग नाच सकते हैं? बिल्कुल नाच सकते हैं। इंडियाज बेस्ट डांसर के स्टेज पर होगा 'इंडिया वाला डांस'। ऐसे में सारा इंडिया नाचेगा। उनके साथ करिश्मा कपूर और गीता कपूर भी बतौर जज दिखेंगे। शो का प्रीमियर 9 मई को होगा।

'कैप्टन इंडिया' से देशभक्ति का संदेश देने आएंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई। कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए साल 2027 काफी खास होने वाला है। एक तरफ करण जौहर के साथ उनकी चर्चित फिल्म 'नागजिला' वैलेंटाइन सप्ताह में दर्शकों का दिल जीतने आएगी। वहीं दूसरी तरफ अभिनेता की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कैप्टन इंडिया' पर एक बड़ी खुशखबरी आ गई है। बता दें, इस फिल्म का ऐलान 5 साल पहले किया गया था और तब से फैंस इसपर अपडेट पाने के लिए उत्साहित थे। आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख बता दी है।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी रिलीज

'चक दे! इंडिया' और 'रॉकेट सिंहः सेल्समैन ऑफ द ईयर' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर शिमित अमीन ने 'कैप्टन इंडिया' के निर्देशन की जिम्मेदारी उठाई है। फिल्म की रिलीज तारीख तय हो गई है और यह 13 अगस्त, 2027 को स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत

में रिलीज होगी। इसे टी-सीरीज और बावेजा स्टूडियो द्वारा मिडनाइट चाय फिल्म्स लिमिटेड के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है।

'रामायण' से 'वाराणसी' तक, दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने आ रहीं ये पौराणिक फिल्में

मुंबई। भारतीय सिनेमा में पौराणिक फिल्मों का हमेशा से एक विशेष महत्व रहा है। चाहे साल 1975 में बनी बेहद सफल फिल्म 'जय संतोषी मां' हो, या फिर 2023 में रिलीज प्रभास की 'आदिपुरुष' हो। इन फिल्मों के जरिए फिल्मी पर्दे पर हमेशा धार्मिक गाथाओं का चित्रण किया जाता रहा है। आने वाले समय में कई और पौराणिक फिल्में सिनेमाघरों का रुख करेंगी, जिन्होंने अभी से चर्चा बटोरनी शुरू कर दी हैं। चलिए जानें ऐसी ही कुछ फिल्मों के बारे में।

'रामायण' : रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' वर्तमान की सबसे चर्चित पौराणिक फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अभिनेता मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं। साई पल्लवी माता सीता के किरदार में हैं, जबकि रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखेंगे। रावण का किरदार साउथ अभिनेता यश को निभाते हुए देखा जाएगा। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 भागों में तैयार हुई है। इसकी पहली कड़ी दिवाली, 2026 में और दूसरी कड़ी दिवाली, 2027 में रिलीज होगी।

'वाराणसी' और 'जय हनुमान' : एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' 7 अप्रैल, 2027 को रिलीज होने वाली है। महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत यह फिल्म शिव भक्त के जीवन पर आधारित है। इसकी कहानी भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित बताई जाती है। 'कांतारा' जैसी ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी देने के बाद, ऋषभ शेट्टी 'जय हनुमान' को लेकर चर्चा में हैं, जो 2024 की सुपरहिट फिल्म 'हनु-मान' का सीक्वल है। इसका निर्माण प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स के बैनर तले किया जा रहा है।

'महावतार', 'नागबंधम' और 'कृष्णावतारम' : चिरंजीवी परशुराम पर केंद्रित फिल्म 'महावतार' भी चर्चा में हैं, जिसमें विक्की कौशल मुख्य किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म भगवान विष्णु के छठे अवतार की कहानी दर्शाएगी। दूसरी ओर दक्षिण भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित 'नागबंधम' जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसकी कहानी प्राचीन रहस्यों और छिपे हुए खजानों पर केंद्रित है। मई, 2026 में 'कृष्णावतारम' भी रिलीज हो रही है, जो भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और महाभारत के युद्ध पर आधारित एक पौराणिक कहानी है।

इस साल बॉक्स ऑफिस पर टकराने के लिए तैयार हैं कई फिल्में, होगा महा-मुकाबला

मुंबई। भारतीय बॉक्स ऑफिस आने वाले दिनों में कई बड़े महाक्लैश देखने को मिलने वाले हैं। इनमें रितेश देशमुख से लेकर वरुण धवन तक कई बड़े सितारों की बहुप्रतीक्षित फिल्में शामिल हैं जो एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देंगी। दिलचस्प बात यह है कि फिल्मों के बीच का ये महा-मुकाबला अगले महीने, यानी मई से शुरू होने वाला है। चलिए डालते हैं एक नजर उन्हीं फिल्मों पर जो बॉक्स ऑफिस पर टकराने के लिए अपनी कमर को कस चुकी हैं।

'राजा शिवाजी' और 'एक दिन' : रितेश और जेनेलिया डिसूजा अपनी ड्रीम फिल्म 'राजा शिवाजी' 1 मई को लेकर आ रहे हैं। मराठा वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित यह फिल्म 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है। यह फिल्म इतिहास के गुजरे पलों को एक बार फिर परदे पर प्रस्तुत करेगी। इससे सामना करने जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' बॉक्स ऑफिस के मैदान में उतरेगी। आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है।

'है जवानी तो इश्क होना है', 'चांद मेरा दिल' और 'बंदर' : वरुण, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अभिनीत रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 22 मई को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इस फिल्म की कहानी लव ट्रायंगल पर आधारित है, जो दर्शकों का मनोरंजन करने का पूरा वादा करती है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी 'चांद मेरा दिल' भी इसी दिन रिलीज होगी। इसमें अनन्या पांडे और लक्ष्य मुख्य किरदार में हैं। इसके अलावा, बॉबी देओल की क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'बंदर' भी 22 मई को सिनेमाघरें में उतरेगी।

'आवारापन 2' और 'लाहौर 1947' : इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आवारापन 2' भी इस साल दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। फिल्म की रिलीज तारीख 14 अगस्त है, जिसका ऐलान कुछ दिन पहले ही किया गया था। इसमें इमरान के साथ दिशा पाटनी नजर आएंगी। यह 2007 में आई 'आवारापन' की सीक्वल है। इसके साथ सनी देओल की 'लाहौर 1947' टकराएगी जिसे 13 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित इस पीरियड ड्रामा में प्रीति जिंटा और शबाना आजमी भी हैं।

भारत मजबूत घरेलू विकास के दम पर बेशक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसमें कमजोरियां भी हैं। एक ओर अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है। वहीं, दूसरी ओर कमजोर मानसून के शुरुआती संकेत से खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ गया है। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। कह सकते हैं कि यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

कमजोर मानसून व युद्ध के कॉकटेल से बढ़ा खतरा

विश्लेषण

सेंट्रल डेस्क

मजबूत घरेलू विकास के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें कमजोरियां नहीं हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है।

इसके बावजूद अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत की घरेलू खपत की कहानी अभी भी मजबूत बनी हुई है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इस वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5% कर दिया है, जबकि अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के अनुमान घटाए गए हैं। हालांकि भारत के सामने एक नया खतरा सामान्य से कम मानसून का भी है। सवाल यह है कि क्या इससे महंगाई और बढ़ेगी और भारत की विकास गति पर असर पड़ेगा? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अल नीनो जैसी स्थितियों की आशंका जताई है।

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है।

सतह के तापमान में वृद्धि की एक प्रक्रिया है, जो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समय-समय पर होती है। इससे वैश्विक मौसम पैटर्न प्रभावित होते हैं। भारत में इसका असर दक्षिण-पश्चिम मानसून को कमजोर करने के रूप में दिखता है, जिससे कम वर्षा और कभी-कभी सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है।

खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी होगी

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार यह 2002 के बाद सबसे कम अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं।

यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। बता दें कि अल नीनो समुद्र की

गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रभाव

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार अल नीनो के दौरान भारत का मानसून सामान्य से कमजोर रहता है। 1950 के बाद 16 अल नीनो वर्षों में से 7 बार मानसून सामान्य से कम रहा। अर्थशास्त्री युविका सिंघल के अनुसार अगस्त के आसपास अल नीनो होने पर मानसून की शुरुआत सामान्य रह सकती है और खरीफ बुवाई भी ठीक हो सकती है, लेकिन अगस्त-सितंबर में बारिश की कमी से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। मध्य पूर्व संकट के कारण उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। सरकार द्वारा खुले बाजार में चावल और गेहूं के भंडार जारी करने से अनाज की कीमतों पर कुछ नियंत्रण रह सकता है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार अल नीनो के कारण टमाटर की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि आलू की कीमतों पर असर नहीं होगा। प्याज की कीमतें सामान्य वर्षों में भी आम लोगों को परेशान करती हैं।

महंगाई और जीडीपी पर असर

एलएंडटी के मुख्य अर्थशास्त्री सचिदानंद शुक्ला के अनुसार घरेलू फसलों के अलावा कोको, कॉफी, चीनी और पाम ऑयल जैसी वैश्विक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। ऊंचे कच्चे तेल के दाम ईंधन, उर्वरक और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ाकर अतिरिक्त दबाव डालते हैं।

कच्चे तेल, गैस, उर्वरक और संभावित रूप से फसलों की आपूर्ति झटकों के कारण महंगाई अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है और जीडीपी वृद्धि दर कम हो सकती है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार केवल अल नीनो का असर सीमित हो सकता है, लेकिन अल नीनो और सूखे की स्थिति में जीडीपी में 0.20% से 0.65% तक की गिरावट संभव है। पीडब्लूसी इंडिया के रणेन बनर्जी के अनुसार यदि मानसून में 8-10% की कमी होती है और जलाशयों का स्तर पहले से ही कम है, तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है और इसका असर खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों पर भी पड़ सकता है। उनके अनुसार हेडलाइन महंगाई 5% से ऊपर जा सकती है, लेकिन आरबीआई की 6% की सीमा के भीतर रह सकती है। यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होती है, तो सीपीआई महंगाई में 0.20-0.25% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल सरकार ने कीमत बढ़ाने की कोई योजना नहीं बताई है।

आगे का अनुमान

अगर कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहता है और मानसून सामान्य से कम होता है, तो 2026-27 में सीपीआई महंगाई 4.5% और जीडीपी वृद्धि 6.6% रह सकती है। कमजोर मानसून से ज्यादा खतरा लंबे समय तक ऊंचे कच्चे तेल के दाम से है, क्योंकि इससे व्यापक महंगाई बढ़ सकती है। कमजोर मानसून और ऊंचे कच्चे तेल की कीमतों का संयोजन लोगों की आय और खपत पर दबाव डाल सकता है।

अल नीनो से जोखिम

वित्त वर्ष की पहली छमाही में वृद्धि थोड़ी धीमी हो सकती है। फिर भी, एसबीआई रिसर्च के अनुसार भारत 6.8% से 7.1% की दर से वृद्धि बनाए रख सकता है, जो वैश्विक औसत से बेहतर है। मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और सेवाओं का क्षेत्र इसकी ताकत बने हुए हैं, जबकि भू-राजनीतिक तनाव, तेल की कीमतें, आपूर्ति बाधाएं और अल नीनो जोखिम बने हुए हैं।इसके अलावा, सरकार की पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर निरंतर जोर अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। निजी क्षेत्र का निवेश भी धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। कुल मिलाकर, बाहरी जोखिमों के बावजूद भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है और मध्यम अवधि में स्थिर वृद्धि की उम्मीद कायम है।

किसानों के लिए चलाएं जागरूकता अभियान

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

जैसे ही कृषि से संबंधित किसी भी घटना का प्रभाव माना जाता है तो हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों की ही बात होती है। चूंकि नॉर्थ इंडिया में यह वो राज्य हैं जो लगभग अनाज की आपूर्ति के लिए पर्याप्त माने जाते हैं। जब कमजोर मानसून आता है तो इससे इन राज्यों के किसानों के मन में एक निराशा सी छा जाती है व आपूर्ति पर भी प्रभाव पड़ता है, लेकिन अब सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है? तकनीकी व पुरानी घटनाओं के आधार पर विशेषज्ञों के अनुसार कुछ ऐसी बातें हैं जिससे फसल बच सकती है। सबसे पहले बारिश के बाद गेहूं की फसल को सबसे ज्यादा खतरा खेत में ठहरे हुए पानी से माना जाता है क्योंकि अगर फसल की जड़ों में ज्यादा देर तक पानी जमा रहा तो जड़ें गलने लगेंगी, साथ ही नमी की वजह से दाने काले पड़ सकते हैं व फंगस लग जाएगी। इसलिए जैसे ही बारिश रुक जाए तो सबसे पहला काम यह करें कि खेत के निचले हिस्सों में फावड़े से छोटी-छोटी नालियां बना दें।

सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है?

बारिश के बीच या ठीक बाद काटी गई फसल में नमी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यदि भीगे हुए गेहूं को बोरियों में भर देंगे तो वह कुछ ही समय में सड़ने लगेगा व बदबू मारेगी। इसलिए कटाई के बाद फसल को किसी ऊंचे स्थान या पक्के फर्श पर फैला कर दानों को बार-बार ऊपर-नीचे करते रहें ताकि धूप और हवा हर दाने तक पहुंचे। अक्सर देखा जाता है कि तेज हवा और बारिश की वजह से गेहूं की फसल खेत में बिछ जाती है। यदि फसल गिर जाती है तो उसे ज्यादा दिनों तक जमीन पर न रहने दें। चूंकि मिट्टी की नमी गिरी हुई बालियों को जल्दी खराब कर देती है जिससे पैदावार में भारी गिरावट आ जाती है। ऐसी स्थिति में धूप निकलते ही जितनी जल्दी हो सके गिरी हुई फसल की कटाई शुरू कर दें। कई बार लगातार बारिश और नमी की वजह से बालियों में लगे हुए दाने खेत में ही अंकुरित होने लगते हैं। यदि बालियों में हल्का भी अंकुरण दिखाई दे तो इसे फसल के लिए बडा खतरा समझें और एक मिनट भी बर्बाद न करें, क्योंकि अंकुरित गेहूं न तो मंडी में अच्छे भाव बिकता है और न ही खाने लायक बचता है। इसके अलावा बहुत सारे ऐसे नुस्खे जिससे फसलों की बर्बादी बचाई जा सकती है। वहीं, यदि इन सब उपायों के बाद भी फसल नहीं बचती अथवा बड़ी प्राकृतिक आपदा आ जाती है तो फसल बर्बादी होने पर सरकार मुख्य रूप से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वित्तीय सहायता देती है।

इसमें ओलावृष्टि, बाढ़, सूखे या कीटों के हमले से नुकसान पर मुआवजा मिलता है, लेकिन किसान बीमा दावा पाने के लिए किसानों को 72 घंटे में नुकसान की सूचना देनी होती है। इसके अलावा राज्य सरकारें अलग से राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत मदद करती हैं। लेकिन इसके लिए किसान को भी जागरूक होना आवश्यक है। चूंकि अब सारे कार्य एप से होते हैं और सब कुछ ऑनलाइन है। यह सब होने से सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि किसानों और सरकारों के बीच की दलाली प्रथा भी खत्म हो गई। किसानों के लिए सरकारों के तत्वावधान में हमेशा सार्थक कदम उठाए जाते रहे हैं। यदि इस प्रणाली में किसानों को एप चलाने की जानकारी और दे दी जाए तो किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा।

जैसा कि हम जानते हैं कि नॉर्थ इंडिया का मुख्य अनाज मुख्यतः गेहूं पर ही आधारित है और इसके लिए सबसे ज्यादा भरपाई हरियाणा,पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे राज्य करते हैं तो इसलिए यहां किसानों के लिए एक विशेष टीम को गठित करते हुए किसानों को जागरूक किया जाए और उनकी सभी योजनाओं का लाभ देने में मदद की जाए। हमारे देश में किसानों को अन्नदाता का दर्जा दिया गया है। किसानों की जमीन गरीब व मुफलिसी के चलते न बिके व उनकी हर सही जरूरत का ध्यान रखा जाए, जिससे हमारे देश को मिला कृषि प्रधान देश का तमगा हमेशा बना रहे।

खेती की लागत और उत्पादन पर होगा असर

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

कमजोर मानसून के शुरुआती संकेत और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ा दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कम बारिश फसल उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण आय पर असर डाल सकती है, खासकर तब, जब ग्रामीण बाजार हाल में ही लंबी सुस्ती के बाद सुधार दिखा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपने पहले दीर्घकालिक पूर्वानुमान में वर्षा को लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) का 92 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो सामान्य से कम है। यह पिछले लगभग 25 वर्षों में सबसे कमजोर शुरुआती अनुमान माना जा रहा है और 2024-25 में दर्ज सामान्य से अधिक बारिश के रुझान के उलट है। ऐसे में खरीफ सीजन की फसलों पर इसका सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, जिससे कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग दोनों प्रभावित हो सकते हैं। यह स्थिति देश के लगभग 60 प्रतिशत किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय हो सकती है, जो खरीफ फसल के लिए पूरी तरह मानसूनी वर्षा पर निर्भर रहते हैं। कई क्षेत्रों के लिए यह दोहरी मार जैसी स्थिति है, क्योंकि वे पहले ही 2026 के प्री-मानसून मौसम में ओलावृष्टि और बाढ़ के कारण नुकसान झेल चुके हैं। बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है। हालांकि पर्याप्त बफर स्टॉक के कारण सरकार को धान उत्पादन को लेकर ज्यादा चिंता नहीं होगी, लेकिन अन्य फसलों के उत्पादन में गिरावट से इनकी कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी खाद्य महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। अलनीनो या सुपर अलनीनो की आशंका से अर्थशास्त्री इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि इससे पहले भी अल नीनो के कारण अनियमित वर्षा पैटर्न से 2023-24 फसल वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन 6.1 फीसदी तक घट गया था। 1980 के बाद के लगभग 70 फीसदी अल नीनो वर्षों में देश में कम वर्षा दर्ज की गई है। अगर ऐसा हुआ तो आने वाले महीनों में न सिर्फ गर्मी नया रिकॉर्ड बनाएगी, बल्कि देश के कुछ इलाकों को सूखे का सामना भी करना पड़ सकता है। बहरहाल, मानसून को लेकर आईएमडी का यह पूर्वानुमान मौसम ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी एक चेतावनी भरा संकेत है, क्योंकि कमजोर मानसून का असर आम तौर पर खाद्य मुद्रास्फीति, ग्रामीण आय और विवेकाधीन खर्च के जरिए व्यापक अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है। इससे एफएमसीजी, ट्रैक्टर, दोपहिया और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की मांग पर दबाव बन सकता है, हालांकि विभिन्न क्षेत्रों और उत्पाद श्रेणियों पर असर एक जैसा नहीं होता। खैर, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव (ईरान युद्ध) के कारण यह चिंता और भी बढ़ गई है, क्योंकि युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को बाधित किया है। इसके कारण उर्वरक और ऊर्जा की लागत बढ़ने से कृषि के खर्च (इनपुट कॉस्ट) को पहले ही बढ़ा दिया है। साफ है, अगर हालात बिगड़ते हैं तो कच्चे तेल के दाम बढ़ सकते हैं। भारत में तेल महंगा होने का मतलब है ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत बढ़ना। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। एक अनुमान के मुताबिक मानसून पर दो खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है और कम से कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा के जरिए ही हासिल होता है। अगर मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सामान्य से ऊपर मानसून रहने पर कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में बढ़ोतरी होती है, जिससे ग्रामीण बाजारों में उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलता है। अच्छी बारिश न सिर्फ कृषि क्षेत्र के लिए जरूरी है, बल्कि इससे उद्योग जगत में भी बहार आती है। मालूम हो कि खेत से लेकर खाने की टेबल तक एक बड़ी चेन जुड़ी होती है। ऐसे में कमजोर मानसून पूरी वैल्यू चेन को बिगाड़ सकता है। इससे पूरी आर्थिक एक्टिविटी गड़बड़ा जाती है। अब आने वाले समय में मानसून कैसा रहता है, अल नीनो कितना असर डालता है और दुनिया के हालात कैसे रहते हैं, इन सब फैक्टर्स पर आगे महंगाई दर निर्भर करेगी। आने वाले कुछ महीने इस लिहाज से बहुत अहम रहने वाले हैं।

बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है।

ग्रामीण क्रयशक्ति घटने से मांग पर होगा असर

चिंतन

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

मानसून को लेकर मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान अगर सही रहा तो तय है कि आने वाले दिनों में खेती-किसानी को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। भारत की तकरीबन 45 फीसद खेती चूंकि मानसूनी बारिश पर निर्भर है, लिहाजा कमजोर मानसून की वजह से फसल की पैदावार कम हो सकती है।

इससे ग्रामीण क्रयशक्ति में कमी हो सकती है। इससे उपभोक्ता मांग भी प्रभावित होगी। हकीकत यह है कि मानसून भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। मानसून आधारित कृषि देश के समूचे कार्यबल के करीब आधे हिस्से को रोजगार देती है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए का कहना है कि कम वर्षा से खरीफ फसलों की बुवाई पर असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन तो कम होगा ही, किसानों की आय घटेगी और खाद्य पदार्थों की कीमतों बढ़ोत्तरी होगी। आशंका है कि वित्त वर्ष 2027 में खाद्य मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। फसलों की पैदावार कम होने की आशंका के चलते, अनाज और दालों की कीमतों में बढ़ोतरी होना तय है, जिसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ेगा। कमजोर मानसून से कृषि श्रमिकों की मजदूरी पर भी असर पड़ सकता है। निश्चित तौर पर इसका असर देश की विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी और मुद्रास्फीति पर असर पड़ सकता है। इसके लिए अभी से ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंत्रालय का कहना है कि औसत से कम मानसून रहता है तो उससे फसल पैदावार में आने वाली गिरावट और अर्थव्यवस्था के नुकसान को कम करने की वह कोशिश कर रहा है। हालांकि मंत्रालय का मानना है कि देश के जलाशयों का मौजूदा जल स्तर

सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है।

सामान्य स्तर से 127.01 प्रतिशत ज्यादा है, लिहाजा सिंचाई के लिए पर्याप्त जल भंडार उपलब्ध हैं। इस वजह से मंत्रालय को लगता है कि आशंका की बजाय कृषि पर अपेक्षाकृत कम असर रहेगा। सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक, वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है। इसलिए मंत्रालय ऐसी कोशिशें तेज कर चुका है। इसे ही ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों को सूखा-प्रतिरोधी बीज की किस्मों को बढ़ावा देने और ₹विलंबित बुवाई₹ रणनीति को बढ़ावा देने का आदेश दिया है। अगर खरीफ की फसलों की उपज कम रही तो देश के पास उपलब्ध रिकॉर्ड 380 लाख मीट्रिक टन चावल के भंडार का मुंह खोलकर सरकार देश में खाद्यान्न की कमी और उसकी वजह से होने वाली खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की कोशिश कर सकती है। मानसून के पूर्वानुमान और उससे कृषि उपज, ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर विश्लेषकों की राय अलग-अलग हैं। विश्लेषकों ने मौजूदा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि देश में 380 लाख मीट्रिक टन का पर्याप्त चावल भंडार मौजूद है। उनका तर्क है कि जरूरी नहीं कि खाद्य मुद्रास्फीति वर्षा की मात्रा पर निर्भर ही रहे। उनके मुताबिक, यह देखना होगा कि बारिश किस इलाके में कितना होती है। किसी इलाके में बेहतर बारिश होगी तो वहां का स्थानीय अन्न उत्पादन बेहतर होगा, बनिस्बत जहां कम बारिश होगी। इससे हो सकता है कि अन्न उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर उतनी कमी ना दिखे, जैसी आशंका जताई जा रही है। देखा गया है कि अपेक्षाकृत अच्छी बारिश वाले वर्षों में भी खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही है, जैसे वित्त वर्ष 2009 में 98 प्रतिशत बारिश के साथ 8.43 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2011 में 102 प्रतिशत बारिश के साथ 15.2 प्रतिशत खाद्य मुद्रास्फीति रही। वहीं, कम बारिश वाले वर्षों, जैसे वित्त वर्ष 2013 में 93 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2019 में 91 प्रतिशत बारिश के साथ खाद्य मुद्रास्फीति क्रमशः 6.33 प्रतिशत और 0.09 फीसद रही। रिजर्व बैंक की एमपीसी ने इन हालात का ध्यान रखते हुए ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं करने का फैसला लिया है। हालांकि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का कहना है कि अगर मानसून की स्थिति खराब होती है या फिर पश्चिम एशिया संकट के चलते ऊर्जा की कीमतें बढ़ती हैं, तो वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में मौद्रिक नीति को सख्त किया जा सकता है।

नीति निर्धारण नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन आवश्यक

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

भारतीय कृषि वर्तमान में एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रही है। प्रकृति की प्रतिकूलता तथा वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता ने मिलकर एक दोहरी मार की स्थिति उत्पन्न कर दी है। कम व असंतुलित मानसून के कारण जलभराव तथा सिंचाई की अनिश्चितता ने बुवाई चक्र को प्रभावित किया है, वहीं खाड़ी युद्ध की विभीषिका ने उर्वरक उत्पादन को बाधित किया है। देश में उर्वरक उत्पादन में 25 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है, जो प्रत्यक्ष रूप में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इस संकट की तीव्रता को होर्मुज के गतिरोध ने अधिक जटिल बना दिया है। कतर तथा ओमान जैसे प्रमुख उर्वरक निर्यातक देशों से होने वाला आयात लगभग बंद है, जिससे आपूर्ति पूरी तरह छिन्न-भिन्न है। ऐसे कठिन समय में, जब कृषक पहले से ही प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहे हैं, उर्वरकों की कमी तथा इनके बढ़ते मूल्यों ने उनकी आजीविका को असुरक्षित कर दिया है। इन परिस्थितियों में, कृषि मंत्रालय की भूमिका केवल एक नियामक की न होकर, एक संकट प्रबंधक की होनी चाहिए। मंत्रालय को अब तात्कालिक राहत तथा दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन साधने के लिए कुछ असाधारण कार्य करने की आवश्यकता है। इसमें न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक मार्गों से वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की खोज सम्मिलित है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर 'नैनो यूरिया अर्थात सूक्ष्म तरल उर्वरक' जैसे विकल्पों को प्रोत्साहन देना तथा वितरण प्रणाली में स्थायी पारदर्शिता लाना भी अनिवार्य है। भारत जैसी कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के लिए उर्वरक केवल एक आयात आधारित आगत नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि का महत्वपूर्ण कारक भी है। इस संदर्भ में यह आशंका विचारणीय है कि यदि समय रहते कठोर तथा नवीन कृषि नीतिक कार्य संपन्न नहीं किए गए तो उर्वरक संकट को व्यापक खाद्य संकट में परिवर्तित होने में समय नहीं लगेगा। होर्मुज बाधा द्वारा रुकी हुई उर्वरक आपूर्ति के लिए मंत्रालय को विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर वार्ता करनी

मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए।

चाहिए। इनके अतिरिक्त रूस, मोरक्को तथा कनाडा जैसे वैकल्पिक उर्वरक उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक आयात-अनुबंध करने होंगे। साथ ही, इनकी बाधामुक्त आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गों के स्थान पर, यदि संभव हो तो, सुरक्षित थल मार्गों अथवा अन्य सागर तटों के उपयोग की संभावनाओं को तत्काल खोजना होगा। नैनो अर्थात सूक्ष्म तरलीकृत उर्वरकों तथा इनके जैविक विकल्पों को युद्धस्तर पर बढ़ावा देना। पारंपरिक यूरिया तथा डीएपी की कमी दूर करने के लिए नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी के प्रयोग को एक राष्ट्रीय अभियान बनाना अनिवार्य है। इसके लिए इनका प्रसार होना चाहिए। अतः कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को नैनो उर्वरकों के लाभ बताने होंगे। शासन को जैव-उर्वरकों तथा वर्मी-कम्पोस्ट पर प्रोत्साहन राशि में वृद्धि करनी होगी, ताकि अखिल भारतीय कृषकों की रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो सके। वितरण प्रणाली की सूक्ष्म निगरानी तथा कालाबाजारी पर रोक के अभियान को शासकीय निष्ठा के साथ संपन्न करना होगा। खाद की आपूर्ति कम होने पर इसके व्यापारियों द्वारा जमाखोरी तथा कालाबाजारी की संभावना बढ़ जाती है। मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए। इस हेतु डिजिटल सूचना-पट तैयार करना होगा, ताकि राज्य स्तर पर उर्वरक की उपलब्धता की पारदर्शी निगरानी संभव हो सके। संकट के समय में उर्वरकों का अपव्यय रोकना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्र के आधार पर केवल आवश्यक मात्रा में ही पोषक तत्व डालने के लिए प्रेरित किया जाए। इससे न केवल उर्वरक की बचत होगी, बल्कि खेती की लागत में भी कमी आएगी। भारत में उर्वरक का कच्चा माल (जैसे रॉक फास्फेट तथा प्राकृतिक गैस) की कमी है। इसीलिए इसके लिए हम आयात पर निर्भर हैं। देश में अपशिष्ट से कृषिधन प्रतिरूप अपनाकर गोबर व कृषि अवशेषों से बड़े स्तर पर 'कंपोस्ट' तथा 'तरल जैव-उर्वरक' का उत्पादन किया जा सकता है। साथ ही, हरित हाइड्रोजन आधारित अमोनिया संयंत्र लगाकर विदेशी कच्चे माल तथा गैस पर निर्भरता समाप्त की जा सकती है। यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 26 अप्रैल 2026

विशेषः अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

{ आवरण कथा / प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल }

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

नृत्य से जीवन में निखार आता है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूं कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूं, उसमें खो जाती हूं। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूं। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूं। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूं। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूं, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूं। कभी महसूस करती हूं कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊं। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

श्रुति सिन्हा, कथक नृत्यांगना

नृत्य मेरे जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूं। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूं, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूं। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यतत्व का देवतत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

बीके अतुल गोस्वामी, कंटेंपरेरी डांसर-कोरियोग्राफर

मेरे लिए नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को मुझसे जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करता हूं और पीक पर पहुंच जाता हूं, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूं बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाती है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूं क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूं। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थेरेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता ही है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूं तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूं। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूं कि हर इंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

ऐश्वर्य हरीश, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मेरे लिए नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूं, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूं कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूं। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के और करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हो। एक अलग ही स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इससे स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला इंसान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा
माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!

{ न्यू ट्रेंड / गौरव द्विवेदी }

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्टाइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।

भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वर्टिकल वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, वर्टिकल वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था।

बढ़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केटः इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्क्रॉल' करता है, और हर स्क्रॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। सिर्फ वर्टिकल वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिकाः भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वर्टिकल माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी', 'टुकटुकी', 'कटिंग' भी 2–5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए।

अन्य देशों में भी बढ़ रही पॉपुलैरिटीः चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजू' (माइक्रो ड्रामा) इंडस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है। वहीं अमेरिका में भी 'ड्रामा बॉक्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स करोड़ों यूजर्स के साथ पारंपरिक ओटीटी को चुनौती दे रहे हैं। इतना ही नहीं, यू-ट्यूब शॉर्ट्स पर रोजाना दो सौ अरब व्यूज तक का आंकड़ा सामने आता है, जो इस बदलाव की गति को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रहा ट्रेंडः भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक

पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वर्टिकल सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरे भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिदम यह तय कर रहा है कि क्या चलेगा? फिर भी, यह मानना होगा कि यह बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेंगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्क्रॉल किया जाता है। और जो स्क्रॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। *

(लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)

{ गीत / कृष्ण बिहारी }

सबकी अपनी सीमाएं हैं

कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं,
हर कोई रीता-रीता है
कहने को सभी अघाए हैं।
अतृप्त जिंदगी छूंछी-सी
ऊपर से दिखती सजी-धजी
गर पास बुलाकर बैठा लो
तो लगती कितनी बुझी-बुझी
भ्रम के साए में सभी यहां
मुरदा पहचान बनाए हैं।
पेट काट जो तन ढंकती थी
वही भरे पेट अब नंगी है
नाच-नाचकर कहे सभ्यता
दुनिया यह रंग-बिरंगी है
रंग-रोगन से पुते हुए सब
भीतर-भीतर मुरझाए हैं।
जब देह में मन अनुपस्थित हो
औ' रूप जिए केवल पीड़ा
मेले में भी तनहाई हो
औ' प्राण हीन हो हर क्रीड़ा
तो बात समझनी क्या मुश्किल
अपनों से भेद छिपाए हैं।
कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं।

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

शातिर अंतरात्मा गब्बर की

गब्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

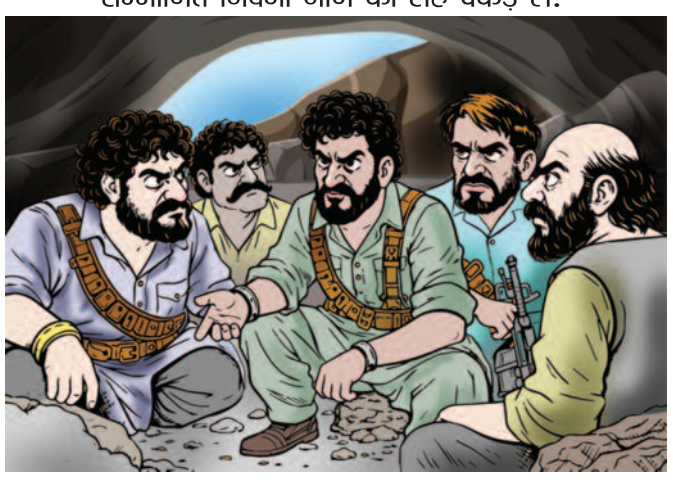

जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए?' एक रोज गब्बर की शातिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मूर्ख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच बैठा दो, तब भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू भी कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गब्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका सिर कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरियां लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे।' चौथे बहसबाज डाकू ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखला सकता है।'

गब्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड्डे बदलते-बदलते आजिज आ चुके हैं। ऊपर से हमेशा पुलिस का डर बना रहता है। साथ में मुखबिरी के खतरे तो हैं ही। क्या पता, अपने ही गैंग का कौन बंदा कब दगा दे जाए और हम सब एक दिन किसी एनकाउंटर में मार दिए जाएं! क्यों कालिया?' तब कालिया कहने लगा, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है। घोर महंगाई में आपने हमें नीबू भी खिलाए हैं। आपकी कृपा बनी रहेगी तो हम आपके फार्म हाउस में बैठकर कल पिज्जा-बर्गर भी खाएंगे। वैसे भी यह कोई हमारा पुश्तैनी धंधा तो है नहीं कि इसे छोड़ देने में डकैतों की बिरादरी में हमारी नाक कट जाएगी। हम बीहड़ की जगह शहर में रहकर भी वहां के सम्मानित डकैतों जैसी शानदार जिंदगी जी सकते हैं।' उन सभी की बातें सुनकर गब्बर ने खैनी मलते हुए पूछा, 'अरे ओ सांभा, तू क्यों चुप है? तू भी तो बता कि हमें क्या करना चाहिए?' सांभा बोला, 'सरदार, आपने जो फैसला लिया है, वही सही है।'

इसके बाद उस इलाके में अपने बर्बर आतंक के चलते कुख्यात हो चुका गब्बर अब एक शरीफ डकैत बन चुका है। यूं भी कुख्यात और विख्यात होने में कोई खास अंतर नहीं होता है। मात्र जंगल और नगर का फर्क होता है। तो गब्बर और उसका गैंग अब सम्मानित डकैत बन चुके हैं। अब उस पर सरकारें इनाम नहीं घोषित करतीं हैं। अब वह खुद सरकारों को मदद-इमदाद करता है। अब पुलिस भी उसे ठोकने की फिराक में नहीं रहती, अलबत्ता वह उसे ही सलाम ठोंकती है। लेकिन कल गब्बर के साथ एक बुरी बात हो गई। उसके घर पर सीबीआई और ईडी का छापा पड़ गया। उसकी हवेली पर बुलडोजर चल गया। गब्बर अपने पूरे गैंग के साथ जेल में है और अपनी शातिर अंतरात्मा को तलाश रहा है। वह मिल जाए तो उसे गोली मार देगा। लेकिन गब्बर यह बात नहीं जानता है कि उसकी अंतरात्मा तो डकैती के धंधे में आते ही मर चुकी थी। यह उसका आंतरिक भय था, जिसको वह गलती से अपनी शातिर अंतरात्मा समझ बैठा था। *

{ लघुकथा / शीला श्रीवास्तव }

एहसास

सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेलमेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहां है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? ढेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो? वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं।' दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सीडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टेंपो ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेलमेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिलखते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

{ पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी }

ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

था साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शायर हबीब कैफी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एक्स्ट्रा जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मौला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से गुजरता जाता है और एक दिन अचानक ही समीर दुनिया छोड़ जाता है। उपन्यास के अंत में पाठक पलक की सच्ची और गहरी मोहब्बत महसूस करते हैं तो उनका दिल भी भर आता है।

लगभग अपठनीयता के इस दौर में यह उपन्यास न केवल स्वयं को पढ़वा ले जाता है, अपितु एक गहरी कसक भी पाठक के मन में छोड़ जाता है। उपन्यास के भाषा की रवानगी भी इसकी पठनीयता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। *

पुस्तकः काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), **लेखकः** हबीब कैफी, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, दिल्ली

राम माधव के बयान पर मचा बवाल राहुल ने कहा- 'राष्ट्रीय सरेंडर संघ'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरएसएस नेता और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव राम माधव द्वारा अमेरिका में दिए गए बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा तंज कसा। राहुल ने गांधी ने कहा कि राम माधव ने केवल 'संघ के वास्तविक स्वरूप को उजागर किया है। दरअसल, राम माधव ने भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव पर हैरानी जताई जबकि उनके अनुसार नई दिल्ली ने टैरिफ से लेकर तेल की खरीद से जुड़ी अमेरिका की मांगे मान ली हैं। गुरुवार को अमेरिका में एक पैनल चर्चा में बोलते हुए माधव ने सवाल उठाया कि भारत अमेरिकी अपेक्षाओं को पूरा करने में कहां चूक गया।

राहुल ने बोला हमला

राहुल गांधी ने आरएसएस पर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया 'राष्ट्रीय आत्मसमर्पण संघ। नागपुर में फर्जी राष्ट्रवाद। अमेरिका में सरासर गुलामी।' उन्होंने आगे लिखा कि राम माधव ने 'संघ का असली चेहरा' ही उजागर किया है। इन टिप्पणियों के चलते कांग्रेस नेतृत्व ने भाजपा-आरएसएस को निशाना बनाया। पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि अपने दिखावटी राष्ट्रवाद के बावजूद आरएसएस विदेशों में स्वीकृति पाने के लिए बेताब है। इस मुद्दे पर जयराम रमेश ने कहा, 'लॉबिस्टों को नियुक्त करने से संतुष्ट न होकर, इसके शीर्ष विचारक हाल ही में अमेरिका में एक जनसंपर्क अभियान पर थे जो पूरी तरह विफल रहा और अपनी ही अति-चतुरतापूर्ण रणनीतियों में फंस गया।' कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, 'जब भारत सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल भी वाशिंगटन डीसी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए गया था, तब भी ये विचारधारावादी लोग वहां मौजूद थे, जो वास्तव में अमेरिका द्वारा किया गया एक तरह का धोखा है।'

कांग्रेस नेता ने आरएसएस पर कसा तंज

यह कहा था माधव ने

राम माधव ने कहा, 'हमने विपक्ष की इतनी आलोचनाओं के बावजूद ईरान और रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई। हमने 50 प्रतिशत टैरिफ पर भी सहमति जताई। नए व्यापार समझौते में भी हमने 18 प्रतिशत टैरिफ पर सहमति दी।'

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर विवाद

रमेश ने कहा कि तथ्य यह है कि आरएसएस एक ऐसा संगठन है जो मूल रूप से उस विचार के विपरीत है जिसमें भारत अपनी विविधताओं के माध्यम से एकता प्राप्त करता है। गांधी के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और विदेश नीति को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाया है।

देशभर में समान मानक हों राज्य 3 हफ्तों में दें प्लान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में गहन चिकित्सा इकाइयों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आईसीयू के लिए तय न्यूनतम मानकों को लागू करने सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक और यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें। शीर्ष अदालत की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल थे, कहा कि गहन देखभाल सेवाओं के संगठन और वितरण के लिए दिशानिर्देश तैयार कर ली गई हैं, जिन पर व्यापक सहमति है। अदालत ने कहा कि ये दिशानिर्देश व्यावहारिक, लागू करने योग्य और आईसीयू के लिए न्यूनतम आवश्यक मानक हैं। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 18 मई को तय की है।

सुप्रीम कोर्ट ने आईसीयू की व्यवस्था पर उठाए सवाल

जिसको तूफानों से उलझने की हो आदत... रिटायर्ड जजों को बताया 'बावड़ी' की तरह

जयपुर। सीजेआई ने शनिवार को कहा न्यायपालिका व उससे जुड़ी संस्थाओं में जनता का गहरा विश्वास है और इस विश्वास को बनाए रखना हमारा दायित्व है। पूर्व न्यायाधीशों की तुलना 'बावड़ी' से करते हुए उन्हें ज्ञान का भंडार बताया जो चुनौतीपूर्ण समय में व्यवस्था का मार्गदर्शन कर सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत यहां 'एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज' (राजस्थान चैप्टर) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, जिस प्रकार यहां राजस्थान में बावड़ियां बरसात के मौसम में पानी जमा करके सूखे के समय लोगों की मदद करती हैं, उसी प्रकार सेवानिवृत्त न्यायाधीश हमारे लिए एक बहुमूल्य संसाधन हैं। लोक अदालतों, मध्यस्थता या सलाहकार भूमिकाओं जैसी कठिन परिस्थितियों में, हम सही और गलत के मार्गदर्शन के लिए इन अनुभवी न्यायाधीशों की ओर देखते हैं।

केजरीवाल के नए घर पर छिड़ी रार भाजपा ने बताया दूसरा शीशमहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

- तस्वीरों को फर्जी करार दिया आप ने
- मंत्री प्रवेश वर्मा ने खर्च को लेकर उठाए सवाल
- प्रवेश वर्मा और इन तस्वीरों को दिखाने वाले टीवी चैनल मानहानि के मुकदमों के लिए तैयार रहें: संजय

भाजपा ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को पर निशाना साधते हुए उनके नए घर में हुए खर्च पर कई सवाल खड़े किये। कोर्ट के आदेश के बाद केजरीवाल को 95, लोधी एस्टेट में सरकारी आवास आवंटित हुआ था। कल शुक्रवार उन्होंने परिवार के साथ इस घर में शिफ्टिंग की थी। प्रवेश वर्मा ने नए घर की तस्वीरें देखकर हैरानी जताई और कहा, 'वहां भी उन्होंने खूब खर्च किया है। यह सरकारी घर है, लेकिन इसमें सरकारी पैसा नहीं लगा है।'

प्रवेश वर्मा ने यह भी कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में केजरीवाल सबसे शौकीन व्यक्ति हैं। नाम आम आदमी पार्टी रखा लेकिन काम राजा-महाराजाओं वाला है। पार्टी का नाम 'आम आलीशान पार्टी' होना चाहिए। इस हमले के साथ ही हाल ही में आप से 7 राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे और बीजेपी में शामिल होने का भी जिक्र करते हुए वर्मा ने इशारा किया कि ईमानदार कार्यकर्ता अब केजरीवाल के साथ नहीं रह सकते। भाजपा नेता और दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल की तुलना फिल्म 'धुरंधर' के 'रहमान डकैत' से करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली के बाद अब पंजाब में भी दूसरा शीशमहल बना लिया है।

मुकदमे के लिए तैयार रहें भाजपा नेता

हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों को फर्जी करार दिया है। आम आदमी पार्टी के नेता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रवेश वर्मा और इन तस्वीरों को दिखाने वाले टीवी चैनलों को मानहानि के मुकदमों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल वीके सक्सेना और प्रवेश वर्मा को भी चुनौती दी कि वे अपने घरों को जनता के लिए खोल दें। उन्होंने कहा कि इसके बाद केजरीवाल भी ऐसा ही करेंगे। सिंह ने कहा कि तब जनता देखेगी कि किसका घर सचमुच आलीशान है। वर्मा ने कहा कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद केजरीवाल पंजाब चले गए। वहां मुख्यमंत्री भगवंत मान के सरकारी आवास के आस-पास चार घरों पर केजरीवाल, सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह ने कब्जा कर लिया। केजरीवाल ने वहां दूसरा शीशमहल तैयार कर लिया।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

कुक/स्टाफ

आवश्यकता है- वीआईपी चौक, तेलीबांधा में, घर में शाकाहारी भोजन बनाने व साफ़-सफाई हेतु कुक/स्टाफ (महिला/पुरुष) की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट/शराब-गुटखा आदि निषेध। संपर्क: 9300593000.(आरो-103)

दवा दुकान

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य हेतु लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन- योग्यतानुसार- आशीष शुभम मेडिकोज, 41 छत्तीसगढ़ दवा बाजार रजबंधा मैदान रायपुर 8103981038. (आरो-44)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके सोनभद्र उत्तर प्रदेश ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए।. आयु 18से 30 बर्ष वेतन 9000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- ,6265407475, 9303374409(आरो-402)

ऑफिस/फील्ड वर्क

आवश्यकता है- एलआईसी में 12वीं पास लड़कों की आवश्यकता ऑफिस वर्क और फील्ड वर्क के लिए लड़कों की जरूरत है। आकर्षक सैलरी + इंसेंटिव। फ्री ट्रेनिंग दी जाएगी। करियर बनाने का सुनहरा मौका। इच्छुक उम्मीदवार तुरंत संपर्क करें:- 7470392352.(आरो-6650)

छोटा विज्ञापन

ड्राइवर

आवश्यकता है- अनुभवी घरेलू ऑटोमेटिक कार ड्राइवर की, गायत्री नगर, अवंती नगर / शंकर नगर रायपुर के पास रहने वाले को प्राथमिकता । आवेदन करें, लायसेंस व आधारकार्ड के साथ । सम्पर्क- मोबाइल 9977703216.(आरो-39)

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है । ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30 बजे तक , रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 बजे तक (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 25,000/- प्रतिमाह । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, संपर्क :- 9644720222.(आरो-05)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल फैमिली हेतु 12घंटे एवं 24घंटे* कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव 5वर्ष शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वीं पास वेतन 25,000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने खाने की व्यवस्था नि.शुल्क स्थानः सिविल लाइन्स रायपुर संपर्क:- 9109222000, 9109125252.(आरो-004)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फोर्ब्स (Aquaguard) : सर्विस टेक्नीशियन – 3 , टेलीकॉलर – 3 , फील्ड वर्कर – 3 , सेल्स रिप्रेजेंटेटिव – 6, दीपिका सर्विसेज - कर्मचारी कॉलोनी, कुशालपुर मोबाइल: 9826652461. (आरो-6649)

शॉप/सेल्समैन वर्क

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायुपर) में काम करने के लिए लड़का/लड़की एंव सेल्समैन की आवश्यकता है मों. - 7067048454.(आरो-153)

सुरक्षागार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- मॉडर्न इंडिया सिक्योरिटी सर्विस में 200 सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता, मुफ़्त जॉइनिंग। PF + ESI + रहने की सुविधा उपलब्ध। वेतन:-15,000 , आयु: 20-45 वर्ष। 10वीं पास। संपर्क:-भिलाई, छत्तीसगढ़। मो.-9399600124, 8435720357.(आरो न.-4148)

आवश्यकता है- उद्योगिक क्षेत्र रायपुर दुर्ग, बिलासपुर एवं रायगढ़ के लिए सुरक्षा कर्मचारी की आवश्यकता है। 1. सुरक्षा गार्ड 2. सुरक्षा सुपरवाइजर 3. एरिया मार्केटिंग ऑफिसर 4. एरिया रिक्रूटमेंट ऑफिसर वेतन योग्यतानुसार एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क: BISS सिक्यूरिटी 02 बिज़नस सेन्टर, भनपुरी, रायपुर मोबाइल:- 9111400666.(आरो-07)

दुकान कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- थोक रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम हेतु लड़के / लड़की की अनुभवी/बगैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार, बायोडाटा सहित मिले , रायपुर निवासी को प्राथमिकता। महेश फैब्रिक्स , शॉप नम्बर 8,जैन ज्योति काम्प्लेक्स चिकनी मंदिर के पास , अलका रेस्टॉरेंट के सामने,गोल बाजार रायपुर 9752022866 , 7415842111.(आरो-237)

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की एवं कार चलाने हेतु ड्रायवर की आवश्यकता हैं। वेतन योग्यता अनुसार, अपने परिचय पत्र के साथ मिले- श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार, रायपुर, फोन: 7224926767.(आरो-075)

आवश्यकता है- सैनिटरी गोदाम में काम करने के लिए ड्राइवर की जरूरत है जो ऑटो और कार दोनों चलाए पचपेड़ी नाका रायपुर संपर्क 99777-77703.(आरो-236)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें फटाक एंड फटाका, अरविंद कार्ड के पास फुलचौक रायपुर 9993586600.(आरो-408)

ऑपरेटर/इंजीनियर

आवश्यकता है- (1) महिला- कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग), ऑफिस कार्य (2) पुरुष- मेडिकल मशीन की मार्केटिंग, सर्विस इंजीनियर, ऑर्थोपेडिक एवं TKR THR Joints की सर्जरी कराने, सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु, ईको+ Nexon कार ड्राइवर (13000- 30000) पता- भारत मेडिकल सिस्टम, Sec-11A , कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829.(आरो-40652)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता

आवश्यकता है- "डिग्री की आवश्यकता नहीं है अगर आप विवेकशील और संवेदनशील हैं अहिवारा (दुर्ग) के पास Organic Farm में आवश्यकता है 1. जिम्मेदार व्यक्ति की जो समस्या की जगह समाधान प्रस्तुत कर सके और सहयोगियों के साथ स्नेह पूर्वक व्यवस्था चलने में सहयोग कर सके। 2. गोशाला में सहयोगी की संपर्क: 6264697338. (आरो-04)

इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- मध्य भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स पार्क प्रोजेक्ट श्री वासु लॉजिस्टिक्स लिमिटेड मे मध्य भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स पार्क प्रोजेक्ट में वायरिंग, सर्किट, पैनल एवं उपकरण इंस्टालेशन हेतु इलेक्ट्रिशियन की आवश्यकता । मोबाइल- 9201835614, यूनिट-6, नया कार्यालय भवन, रिंग रोड 4 के पास, तेंदुआ IID, रायपुर।(आरो-521)

मार्केटिंग/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- टाटीबंध रायपुर सर्विस सेंटर में मार्केटिंग व फील्ड कार्य हेतु युवकों, आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा हेल्पर की आवश्यकता है। फ्रेशर भी संपर्क कर सकते हैं। ताज इलेक्ट्रिकल 7869096500, 898900131.(आरो-524)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़किया/ पुरूष/ महिला जरूरत संपर्क :-डॉ.अग्रवाल गुरूद्वारा स्टेशन रोड दुर्ग मोहन नगर थाना के सामने मो.- 98271-99213.(आरो न.-4149)

मिस्त्री/हेल्पर

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में कार्य करने हेतु खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने, बर्तन धोने के वाले चाहिए। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 9993334937.(आरो-40651)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

प्रशिक्षण अधिकारी

प्रशिक्षण - बालाजी प्रा आई टी आई भाटापारा हेतु प्रशिक्षण अधिकारी (Electrician)- 2 पद योग्यता - B.E./Diploma/ITI पास। CTIS पास को प्राथमिकता। आवेदन मेल करे - balajiitibhatapara @ gmail .com (आरो नं.-255)

इंजीनियर/असिस्टेंट

WE ARE HIRING- (1) Purchase Executive(M)-1,12k-15k, 2-3Year OR Store Keeper Exp Bhilai ,B.Com. (2)Sales & Mktg- 4, 9k-10k, 1-2Year/Fresher, Anjora / Bhilai Factory, Any Graduate (3)Personal Assistant(M)-1 ,12k-15k, Fresher/1-2 Year, Bhilai Any Graduate (4)Engineer(M)-2, 10k Fresher, Rasmada, BE (Mech) ,(5)Office Asst-1,10k-12k Fresher/1-2Year, Anjora B. Com (6) Office Asst-1,10k Fresher/1-2Year ,Bhilai B. Com.(7) CA-1 35k-45k Fresher/1-2Year, Bhilai CA ,Send Your Resume:- hr.polybond1995@gmail.com Last Date of Resume Submission Within 5 Days, Contact Us:- 9179050680 Polybond Insulation Pvt Ltd, Nehru Nagar, Bhilai (आरो न.-4147)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515.(आरो न.-4146)

हरिभूमि क्लासीफाईड

For Rent किराया

किराए से देना है- कोटा स्टेडियम रोड़ (ब्राहमण पारा) सर्वसुविधायुक्त 1 बीएचके ब्लॉक परिवार वाले को किराए से देना है संपर्क करे 9425511457, 8889470065.(आरो-522)

किराए से उपलब्ध है- प्रथम तल 3BHK का मकान किराये पर देना है। 24 घंटा पानी की सुविधा है। पता:- महाराजा चौक, डी-15, आदर्श नगर, दुर्ग- 7869877505, 7000343772, 9425246386.(आरो नं.-256)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- मकान EWS 1528-29 हाउसिंग बोर्ड छावनी, भिलाई वार्ड क्रमांक 26 क्रिकेट स्टेडियम के पास बेचना है एवं मैत्री विहार कॉलोनी शिवा पब्लिक स्कूल के पीछे गार्डन से सटा हुआ दुकान का पूर्व मुखी प्लाट क्रमांक 67 फेज बी 30 वर्ग मीटर शीघ्र बेचना है। संपर्क:- 8815155454.(आरो-6646)

जमीन/फ्लैट

जमीन/फ्लैट- मेन रोड हाईवे पर स्थित कुम्हारी से 4km दूर (अहीवारा रोड) प्रस्तावित 4-लेन हाईवे पर 8000 स्क्वायर फीट के करीब जमीन/फ्लैट बेचना है। संपर्क- 8889288003, 8770489005.(आरो-152)

जमीन बेचना है- शंकरनगर से मोवा (रायपुर) मेंन रोड से लगा हुआ प्राइम लोकेशन में स्थित43000 (लगभग) वर्गफीट का डायवर्टेड जमीन बेचना है संपर्क करें 9998022933.(आरो नं.-257)

फ्लैट बेचना है- न्यू राजेंद्र नगर में स्थित ,ऋषभ रिजेन्सी थर्ड फ्लोर में 3 बी.एच.के. फ्लैट बेचना है। संपर्क करें- 9425207829.(आरो-151)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण- 2 चक्का 4 चक्का वाटर टैंकर और हाइड्रॉलिक ट्रॉली 4 चक्का 2 चक्का एक्सचेंज सुविधा सहित नया/पुराना उपलब्ध। ट्रॉली टैंकर बनाने वाले आदमियों की जरूरत है सम्पर्क- किसान एग्रो, गतौरी, रतनपुर रोड बिलासपुर, 9827892413, 7999789224.(आरो-40659)

Finance फायनेंस

फाइनेंस महालक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9039310732 , 8280401638.(आरो-037)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- कछवाहा (माली) DOB 03/03/1995 हाइट 5'2" MSc., BEd., PGDCA शासकीय सेवारत कन्या हेतु वर चाहिए। शासकीय अशासकीय स्वयं का व्यवसाय सभी मान्य। सम्पर्क करें- 8305392398, 83490 78433 (1362)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर (आयु 47), स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधू चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +91 94255 82641 (630)

वधु चाहिए

विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा। सम्पर्क करें 9131453175

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ

पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।

चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।

तांत्रिक सम्राट डॉ. जे.पी. दुबे तंत्र पी.एच.डी. (गोल्ड मेडलिस्ट)

गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर 96302-33918, 9238384295

नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।

स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।

आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद "तलाश की नई सुबह" तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad. 62638181 52

Healthcare

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।

इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) डॉ. बी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट) रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग 94255-55659,93039-48500 96177-89223,93032-42200 गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 8515825081 9083218330

अमेरिका में एच-1बी वीजा रोकने का बिल पेश, भारतीयों की बढ़ेंगी मुश्किलें

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका में नौकरी का सपना देखने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए एक बहुत ही बुरी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी कांग्रेस में एरिज़ोना के सांसद एली क्रेन और उनके 7 साथियों ने एक नया विधेयक पेश किया है, जिसमें एच-1बी वीजा कार्यक्रम को अगले 3 साल के लिए पूरी तरह से निलंबित करने की मांग की गई है। एच-1बी वीजा कार्यक्रम के लिए यह नई बाधा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा नए आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने की घोषणा के कुछ महीनों बाद सामने आई है। अगर यह बिल कानून बनता है, तो इसका सबसे बड़ा और सीधा असर भारतीय आईटी एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों पर पड़ेगा।

- भारतीय आईटी एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों पर पड़ेगा इसका सबसे बड़ा और सीधा असर
- 20 साल से ग्रीन कार्ड की राह तक रहे भारतीयों के लिए भी संकट

यह है एच-1बी

एच-1बी वीजा कार्यक्रम, जिसके माध्यम से अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारतीय और अन्य विदेशी श्रमिकों को काम पर रखती हैं, डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व वाली अमेरिकी सरकार के तहत एक और बाधा का सामना कर रहा है, क्योंकि अमेरिकी कांग्रेस में रिपब्लिकन सांसदों के एक समूह ने तीन साल के प्रतिबंध की मांग करने वाला एक विधेयक पेश किया है।

क्या होगा वर्तमान वीजा धारकों का?

अगर यह रोक लागू होती है, तो वर्तमान में अमेरिका में रह रहे हजारों भारतीयों को या तो तुरंत देश छोड़ना होगा या फिर अपनी वीजा स्थिति बदलकर छात्र वीजा जैसे विकल्पों को अपनाना होगा। सांसद एली क्रेन और उनके साथियों का कहना है कि यह कदम अमेरिकी नागरिकों को 'सस्ते विदेशी श्रम' से बचाने के लिए उठाया जा रहा है। क्रेन के अनुसार, संघीय सरकार को निगमों के मुनाफे के बजाय अपने नागरिकों के भविष्य के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

विदेशी श्रमिकों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की : अमेरिका में काम करने वाले विदेशी श्रमिकों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है। इस बिल के अनुसार, जो लोग पहले से वहां हैं, उन्हें अपनी वीजा कैटेगरी बदलनी होगी या देश छोड़ना होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जो भारतीय 20 साल से ग्रीन कार्ड के इंतजार में हैं, उनके लिए यह बिल एक संवैधानिक संकट खड़ा कर सकता है। अमेरिका में रहने वाले और वहां जाकर बसने का सपना देखने वाले भारतीयों के लिए मुश्किलों का दौर शुरू हो सकता है। अमेरिकी कांग्रेस में पेश किए गए नए विधेयक का सबसे गहरा असर भारतीय पेशेवरों पर पड़ेगा। चूंकि अमेरिकी टेक कंपनियों में काम करने वाले विदेशी श्रमिकों में सबसे बड़ा हिस्सा भारतीयों का है, इसलिए इन बदलावों से भारत का आईटी और हेल्थकेयर सेक्टर बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

क्यों लिया जा रहा है यह कड़ा फैसला? : अमेरिकी सांसदों का तर्क है कि कंपनियां सस्ते विदेशी कर्मचारियों को रखने के लिए अमेरिकी नागरिकों की छंटनी कर रही हैं। सांसद पॉल गोसर ने साफ शब्दों में कहा, 'यह बिल उस व्यवस्था को रोकता है जो अमेरिकियों के खिलाफ है। अगर कंपनी किसी अमेरिकी को काम पर रख सकती है, तो उसे वही करना चाहिए।' बता दें कि इससे कुछ समय पहले ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नए आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने की घोषणा की थी। ऐसे में यह नया विधेयक भारतीयों के 'अमेरिकी सपने' के लिए एक बड़ी दीवार साबित हो सकता है।

विधेयक में चौंकाने वाले बदलाव

वीजा की संख्या में भारी कटौती: हर साल जारी होने वाले वीजा की सीमा को 65,000 से घटाकर सिर्फ 25,000 करने का प्रस्ताव है।

सैलरी का नया नियम: अब एच-1बी वीजा के लिए न्यूनतम वेतन 2,00,000 डॉलर (करीब 1.70 करोड़ रुपये) सालाना तय करने की बात कही गई है।

परिवार पर पाबंदी: वीजा धारक अब अपने आश्रितों (पत्नी/बच्चे) को अमेरिका नहीं ला पाएंगे।

ग्रीन कार्ड का रास्ता बंद: डरावनी बात यह है कि एच-1बी धारकों को स्थायी निवासी बनने से रोकने का भी प्रावधान है।

जैकेट के शेष

खाली टंकी, सूखे नल, प्यास से ...

ही गांव में पेयजल संकट और गहरा गया है। पण्डो परिवारों की महिलाएं रोजाना लंबी दूरी तय कर ढोढ़ी और प्राकृतिक जलस्रोतों से पानी लाने को मजबूर हैं। स्कूल के पास लगा बोरवेल भी गर्मी में कुछ समय ही पानी देता है, जबकि कई घरों के कुएं सूखने की कगार पर पहुंच चुके हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन, नल पोस्ट और पानी टंकी का निर्माण तो किया गया, लेकिन योजना अधूरी छोड़ दी गई। महीनों बीत जाने के बाद भी टंकी से जल आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को एक बूंद पानी तक नसीब नहीं हुआ।

घर-घर नल, लेकिन पानी गायब : आनंदपुर के लगभग हर घर के बाहर नल पोस्ट लगे हैं, लेकिन उनमें आज तक पानी नहीं आया। ये नल अब सिर्फ दिखावे का हिस्सा बनकर रह गए हैं। स्कूलपारा के पास लगा एक हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़ा है, जबकि दूसरा हैंडपंप भी पर्याप्त पानी नहीं दे पा रहा। इससे ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

दो किलोमीटर दूर सूखी नदी में ...

में 6 हेण्डपम्प हैं पर उनमें से 5 खराब हैं। जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए लगभग 2 किलोमीटर पैदल तय कर नदी जाना पड़ता है। वहां पर रेत से छोटा कुआं बनाकर पीने का पानी जुगाड़ किया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार पीएचई विभाग को इसकी सूचना दी जा चुकी है, पर आज तक पेयजल समस्या का निराकरण नहीं हुआ।

आरक्षक प्रेमी की पत्नी और बेटे ..

में रह रही थी, सरोजनी भारद्धाज घर पहुंच गई। इसकी जानकारी पत्नी रीना ने फोनकर आरक्षक को दी। पत्नी रीना जैसे ही सरोजनी के लिए नाश्ता लाने के लिए किचन में गई। सरोजनी ने रीना पर पहले ताबड़तोड़ सब्जी काटने वाले चाकू से हमला किया। उसके बाद सोए हुए आठ वर्षीय आदित्य पर चाकू से कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय आरोपी ने मकान का कुंडी भीतर से बंद कर रखा थी। परिजनों के चिल्लाने के बाद आसपास के लोग पहुंचे। सरोजनी से चाकू छिनकर जमीन पर रखवाया गया। उसके बाद गंभीर अवस्था में घायल रीना को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। 13 वर्षीय नैना पर भी चाकू से सरोजनी ने हमला किया। अस्पताल में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं तानिया अपने आप को बाथरुम में बंद कर जान बचाई। घटना की जानकारी लगते ही एसटीएफ अपार्टमेंट में लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई थी।

पेज एक के शेष

पलायन की तस्वीर : घरों में ...

ब्लाकों में खास तौर पर मस्तूरी ब्लॉक में रोजगार की कमी के कारण बड़े पैमाने पर पलायन एक गंभीर समस्या है, जिसमें ग्रामीण बेहतर मजदूरी की तलाश में दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर हैं। आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र पलायन में सबसे आगे रहा है और बड़ी संख्या में श्रमिक बाहर जा चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई घरों में ताले लटक रहे हैं। हालांकि श्रम विभाग इसे पलायन नहीं बल्कि बेहतर रोजगार की तलाश में जाना मानता है।

यह है गांवों की स्थिति...

में एंट्री तक नहीं हो रही। जांजगीर-चांपा सीमा से लगे इस गांव में 55-60% लोग हर साल पलायन करते हैं। पचपेड़ी इलाके के जलसो गांव में आधे से ज्यादा लोग बाहर जा चुके हैं। यहां मनरेगा में काम नहीं मिला। गांव की 70% आबादी आदिवासी है। इसी तरह भरारी गांव में अनुसूचित जाति वर्ग के मोहल्ले में ज्यादातर घर बंद हैं। यहां के लोग सूरत और ढोलका जा चुके हैं।

आम आदमी पर चालान की मार...

छूट है। वहीं परिवहन विभाग का कहना है कि छूट का कोई नियम नहीं है।

47 नक्सलियों ने 32 अत्याधुनिक...

बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति और बढ़ते दबाव के चलते यह कदम उठाया गया इससे बस्तर में माओवादी नेटवर्क लगभग समाप्ति पर है। तेलगांना में हुए सामूहिक सरेंडर बस्तर के लिए इसलिए खास है क्योंकि आत्मसमर्पण करने वाले सभी सदस्य दक्षिण बस्तर डिवीजनल कमेटी से जुड़े थे। दक्षिण बस्तर में नक्सल गतिविधियां सबसे ज्यादा होती रही हैं। ऐसे में यह घटना न केवल सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी सफलता है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इन कैडरों से पूछताछ में संगठन के कई और राज सामने आएंगे। साथ ही नक्सलियों के लोकल नेटवर्क और सपोर्ट सिस्टम पर भी कार्रवाई तेज हो सकती है। तेलगांना डीजीपी के मुताबिक तेलंगाना सरकार की पुनर्वास नीति और बढ़ते सुरक्षा दबाव का परिणाम है कि बचे हुए माओवादी लगातार समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं और यह समर्पण बस्तर में दशकों से जारी हिंसा के अंत की दिशा में बड़ा कदम है। डीजीपी ने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति के तहत समर्पित नक्सलियों को आर्थिक सहायता के अलावा लगभग 1 करोड़ 50 लाख रुपए की राशि वितरित की जाएगी। सभी नक्सलियों को 25-25 हजार रुपए की अंतरिम राहत भी दी गई। तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साल 2026 में अब तक 260 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। पुलिस ने शेष बड़े नेताओं गणपति, संतोष, सुजाता और मंगतू से भी हिंसा छोड़ मुख्यधारा में लौटने की अपील की है।

बचे हुए नक्सलियों के लिए अंतिम अवसर, करें समर्पण : आईजी सुंदरराज पट्टलिगम ने कहा कि बस्तर सहित अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में लगातार चल रहे सुरक्षा अभियानों, प्रशासनिक पहुंच के विस्तार तथा स्थानीय समुदायों की बढ़ती आकांक्षाओं ने ऐसा वातावरण निर्मित किया है जिसमें उग्रवाद की विचारधारा लगातार समाप्ति की ओर है। बड़ी संख्या में कैडरों का हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करना इसी बदलती हुई वास्तविकता का प्रतीक है। आईजीपी ने बस्तर क्षेत्र में शेष बचे कुछ गिने-चुने माओवादी कैडरों को अंतिम अवसर देते हुए अपील की कि वे बदलती परिस्थितियों को समझते हुए हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में लौटने की अपील की है।

महिला को पता था प्रेमी शादीशुदा...

वाली महिला ने अनुसार उसकी शादी 8 मई 2008 को महेश गंजीर के साथ हुई थी। 21 जनवरी 2009 को शादी का इकरारनामा भी तैयार किया गया था। महिला का दावा था कि इसके बाद दोनों साथ रह रहे थे। इस दौरान उनके बीच शारीरिक संबंध भी बने। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसने अलग-अलग यात्राओं पर 85 हजार रुपए खर्च किए, लेकिन जब उसने और पैसे देने से मना किया तो पति महेश ने उसे घर से निकाल दिया, जिसके बाद महिला ने महेश पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए निचली अदालत में मामला पेश किया था।

पहली पत्नी जीवित, इसलिए धोखाधड़ी नहीं : महिला ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। केस की सुनवाई के दौरान अपील करने वाली महिला ने खुद पैरवी की। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने फैसले में कहा कि आईपीसी की धारा 493 के तहत अपराध का मुख्य तत्व धोखाधड़ी है, जिसमें पुरुष महिला को यह विश्वास दिलाता है कि वह उसकी वैध पत्नी है। जब महिला और पुरुष दोनों को पता हो कि वे कानूनी रूप से विवाहित नहीं हैं। पुरुष की जीवित पत्नी है तो धोखाधड़ी का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि महिला को महेश के विवाहित होने की जानकारी थी, इसलिए कोर्ट ने माना कि शादी का इकरारनामा हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 5 और 11 के तहत पहले ही शून्य था।

तापमान के साथ मदिरा...

खास बात ये है कि 1 अप्रैल से शराब कारोबार का नया वित्तीय वर्ष शुरु हुआ है, दुकानों में कई नए ब्रांड भी उतारे गए हैं, लेकिन उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि राज्य में नए और पुराने दोनों तरह के ब्रांड की जबरदस्त मांग बनी हुई है। हाल यह है कि पिछले 22 अप्रैल 2025, एक ही दिन में शराब खपत का आंकड़ा करीब 33.86 करोड़ था, वहीं इस वर्ष 22 अप्रैल को एक ही दिन में 41 करोड़ 75 लाख रुपए की शराब बिक्री का रिकार्ड बना है। यानी इस बार एक ही दिन में बिक्री में 23.3 प्रतिशत का भारी उछाल आया है ।

छोटे जिलों की बिक्री ने चौंकाया : बिक्री के इन आंकड़ों में राजधानी रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग जैसे बड़े शहरों का दबदबा तो पहले की तरह बरकरार है, लेकिन छोटे जिले भी चौंका रहे हैं। बड़े शहरों में रुटीन के हिसाब से जाम छलके, वहीं कोरिया और सूरजपुर जैसे जिलों में तो मानों मदिरा प्रेमियों ने रिकार्ड तोड़ अभियान छेड़ रखा है। इन जिलों में पिछले साल के मुकाबले हुई बढ़ोतरी बताती है कि अब छोटे शहरों के शौकीन भी किसी से पीछे नहीं रहने वाले हैं। 22 दिनों में पी गए साढ़े 8 अरब से अधिक की शराबः दिलचस्प बात यह है कि इस अप्रैल के शुरुआती 22 दिनों में ही प्रदेश के गले से 8 अरब 66 करोड़ रुपये से ज्यादा की शराब उतर चुकी है। नारायणपुर और बीजापुर जैसे इलाकों में इस बार शौकीन थोड़े शांत दिखे, जहां बिक्री में पिछले साल के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई है ।

नोटिस अवधि में अस्वीकृति न होने पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्वतः प्रभावी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कर्मचारी अधिकारों की रक्षा करने वाले 7 अप्रैल के एक ऐतिहासिक निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि नियोक्ता निर्धारित नोटिस अवधि के भीतर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के आवेदन को औपचारिक रूप से अस्वीकार नहीं करता है, तो नोटिस अवधि समाप्त होते ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कानूनन स्वतः प्रभावी हो जाती है। यह निर्णय यूको बैंक एवं अन्य बनाम एस. के. श्रीवास्तव प्रकरण में दिया गया। मामले के प्रतिवादी एस. के. श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्ट ने यह भी कहा कि केवल प्रशासनिक विलंब या कारण बताओ नोटिस जारी करने से नियोक्ता-कर्मचारी संबंध समाप्त होने की कानूनी स्थिति को बाद में पलटा नहीं जा सकता। इस मामले में प्रतिवादी एस. के. श्रीवास्तव, जो उस समय यूको बैंक के बिलासपुर शाखा में प्रबंधक थे, ने 4 अक्टूबर 2010 को तीन माह का स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति नोटिस प्रस्तुत किया था। नोटिस के तुरंत बाद बैंक ने कुछ शाखा लेन-देन के संबंध में आंतरिक जांच प्रारंभ करने का विचार किया और नवंबर 2010 में स्पष्टीकरण हेतु कारण बताओ नोटिस जारी किया। साथ ही, सक्षम प्राधिकारी ने 4 जनवरी 2011 को नोटिस अवधि समाप्त होने से पहले उनके सेवानिवृत्ति आवेदन को औपचारिक रूप से अस्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद बैंक ने मार्च 2012 में आरोप-पत्र जारी किया और बाद में उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया। यूको बैंक द्वारा दायर अपीलों को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वर्ष 2019 के कर्मचारी के पक्ष में दिए गए निर्णय को बरकरार रखा। न्यायालय ने सेवानिवृत्ति के बाद जारी आरोप-पत्र और बर्खास्तगी आदेश निरस्त कर दिए तथा बैंक को निर्देश दिया कि तीन माह के भीतर समस्त सेवानिवृत्ति लाभ, पेंशन एवं अन्य देयक लागू ब्याज सहित अदा किए जाएँ।

यूको बैंक की अपीलें खारिज

फिलिस्तीन में 20 साल बाद चुनाव

गाजा। फिलिस्तीन में करीब 20 साल बाद स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं। वेस्ट बैंक और गाजा के देइर अल बलाह में शनिवार को वोटिंग हुई। ये चुनाव ऐसे वक्त हो रहे हैं जब वहां जंग चल रही है और हालात ठीक नहीं हैं। चुनाव आयोग के अनुसार वेस्ट बैंक में करीब 15 लाख और गाजा में करीब 70 हजार मतदाता हैं।

- 2006 के बाद पहली बार मतदान हो रहा है
- गाजा में सिर्फ देइर अल बलाह इलाके में वोटिंग कराई जा रही है, यह क्षेत्र जंग से कम प्रभावित हुआ

हालांकि कई जगह सिर्फ एक ही उम्मीदवार होने के कारण बिना वोटिंग के ही उनकी जीत तय हो गई है। ज्यादातर उम्मीदवार राष्ट्रपति महमूद अब्बास की पार्टी फतह से जुड़े या स्वतंत्र हैं। वहीं गाजा में मजबूत पकड़ रखने वाला हमास इस चुनाव में हिस्सा नहीं ले रहा है। गाजा में सिर्फ देइर अल बलाह इलाके में वोटिंग कराई जा रही है, क्योंकि यह क्षेत्र जंग से कम प्रभावित हुआ है। यहां 2006 के बाद पहली बार मतदान हो रहा है, जिससे लंबे समय बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया के शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

पुतिन अमेरिका में जी20 समिट में शामिल होंगे!

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अमेरिका के मियामी में इस साल दिसंबर में होने वाली G20 समिट में शामिल हो सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पुतिन को इस समिट के लिए न्योता दिया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि पुतिन का इस समिट में हिस्सा लेना फायदेमंद हो सकता है। साथ ही उन्होंने माना कि जी8 से रूस को निकालना उनकी गलती थी रूस का कहना है कि वह जी20 को मौजूदा वैश्विक संकट के बीच अहम मंच मानता है, इसलिए उसकी भागीदारी तय है। हालांकि पुतिन ही शामिल होंगे, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। उनकी जगह कोई प्रतिनिधि भी शामिल हो सकते हैं। पुतिन आखिरी बार 2019 में जी20 बैठक में शामिल हुए थे। इसके बाद कोविड महामारी और यूक्रेन युद्ध के कारण उनकी पश्चिमी देशों के साथ दूरी बढ़ती गई।

अक्षय की बेटी से न्यूड तस्वीरें, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की बेटी से न्यूड तस्वीरें मांगने से जुड़े मामले में महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस के अफसरों ने बताया कि अक्षय की बेटी ने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत अपने परिवार को इस बारे में बताया, जिसके बाद मामला साइबर पुलिस तक पहुंचा और कार्रवाई की गई। कार्यक्रम में अक्षय कुमार का अक्टूबर 2025 का वीडियो भी चलाया गया, जिसमें उन्होंने इस घटना का जिक्र किया था। अक्षय ने बताया था कि ऑनलाइन गेम खेलते वक्त उनकी बेटी से न्यूड फोटोज मांगी गई थी।

TCI FOUNDATION

टीसीआई फाउंडेशन छत्तीसगढ़ में मलेरिया उन्मूलन गतिविधियों के समर्थन हेतु निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है:

कार्यस्थल: बस्तर, बीजापुर, कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, गरियाबंद एवं सुकमा जिला

- एम एंड ई / प्रशिक्षण समन्वयक / M&E /Training Coordinator - 1 (बस्तर)
- डेटा एंट्री ऑपरेटर / DEO - 1 (बस्तर)
- जिला समन्वयक / District Coordinator - 08 (प्रत्येक जिले में एक)
- ब्लॉक समन्वयक / Block Coordinator - 16 (8 जिलों के विभिन्न ब्लॉकों को कवर करने हेतु)
- कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर / Community Coordinator - 118 (उप-केंद्र स्तर पर)
- सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक / Community Health Volunteer-115 (ग्राम स्तर पर)

आवेदन कैसे करें:

- अपना बायोडाटा भेजें: cg.tcif@tcil.com
- अधिक जानकारी के लिए देखें: Careers & Job Opportunities | TCI Foundation
- आवेदन की अंतिम तिथि: 7 मई 2026

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निर्माण कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांकः डीसीआई-I-आर-26-27-01 (ओपेन ई-टेंडर) (एकल पैकेट सिस्टम)

कार्य का नामः "आवास निर्माण में अर्थवर्क का निष्पादन, लघु पुल का निर्माण, स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, टो वॉल, पथ कार्य, बैलास्ट की आपूर्ति और अन्य संबंधित विविध कार्य "डीआरजेड लाइन पर एमएक्सए यार्ड में दुर्ग दिशा लाइन से वाई–लिंक लाइन के निर्माण" के संबंध में"। निविदा मूल्यः ₹ 9,93,14,408.59. अमानत राशिः ₹ 19,86,300.00. निविदा दस्तावेज की लागतः शून्य। कार्य पूर्ण होने की अवधिः 12 (बारह) माह, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से।

निविदा बंद होने की तिथि व समयः 14.05.2026 को 15:00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि व समयः 14.05.2026 को 15:30 बजे।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु, उप मुख्य अभियंता (कॉन–I)/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, खरून रेल विहार कॉलोनी, रायपुर छत्तीसगढ़ पिन– 492009 के कार्यालय में संपर्क करें या हमारी www.ireps.gov.in पर देख सकते है।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण-I/ रायपुर
सीपीआर/10/61
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)
Email ID - commissionerdhamtari@gmail.com, Phone/Fax No. 07722-241599

ई-प्रोक्युरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/कार्य. अभि. /लोक कर्म/ई निविदा/2026/24 धमतरी, दिनांक 22/04/2026
टेण्डर सिस्टम नम्बर 189496,189501, 189505

नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा अधोसंरचना मद अंतर्गत 03 कार्यों (सोरिद वार्ड, दानीटोला वार्ड एवं पोष्ट ऑफिस वार्ड में सामुदायिक भवन निर्माण / विस्तार) के लिए छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में एवं Main portal:eproc.cgstate.gov.in पर पंजीकृत ठेकेदारों से छत्तीसगढ़ के लो.नि.वि. के भवन एस.ओ.आर. 2015 (अद्यतन संशोधित) अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य सम्पादन हेतु निविदा प्रपत्र "A" में दिनांक 13/05/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्यों का कार्यवार अनुमानित लागत, निर्धारित अमानत राशि निविदा की सामान्य शर्तें तथा अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती हैं एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग नवा रायपुर छ.ग. के वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में अवलोकन एवं डाउनलोड भी की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम धमतरी

राशिफल

मेष – आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। नौकरी या व्यवसाय में कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा।

वृष – घरेलू जीवन सुखमय रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ छोटी–मोटी बात पर संवाद जरूरी है। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन – आज बौद्धिक कार्यों में आपका दिमाग तेज चलेगा। कम्युनिकेशन स्किल्स का पूरा फायदा उठाएँ। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं।

कर्क – परिवार और माता–पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी से बचें। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

सिंह – आज आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने का अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है।

कन्या – आज व्यवस्था और अनुशासन आपकी सफलता का आधार बनेगा। नौकरी या व्यापार में बाधाएँ दूर होंगी छात्रों को पढ़ाई में एकाग्रता मिलेगी।

तुला – आज रिश्तों और साझेदारी पर जोर रहेगा। जीवनसाथी या पार्टनर का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में टीम वर्क से सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – आज गहन चिंतन और रहस्यमयी ऊर्जा आपको घेरेगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें, खासकर कमर और जोड़ों का।

धनु – आज साहस और उत्साह से भरा दिन रहेगा। लंबी यात्रा या नया प्रोजेक्ट शुरू करने का शुभ समय है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में रोमांस बढ़ेगा।

मकर – आर्थिक मामलों में सुधार होगा। परिवार में माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा है, लक्ष्य स्पष्ट रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ – कार्यक्षेत्र में बदलाव फायदेमंद साबित होगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखें।

मीन – कलात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नींद पूरी लें। प्रेम संबंध गहरे होंगे। कार्यक्षेत्र में पुरानी समस्याएँ हल होंगी।

बेयरबॉक की यात्रा से पहले भारत ने उठाया आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80 वें सत्र की अध्यक्ष एन्नालेना बेयरबॉक 28 अप्रैल को नई दिल्ली पहुंचेंगी। लेकिन उससे ठीक पहले विदेश मंत्रालय सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बेयरबॉक से न्यूयॉर्क में एक महत्वपूर्ण मुलाकात की है जिसमें भारत की तरफ से आतंकवाद के विरूद्ध अंतरराष्ट्रीय लड़ाई के मामले को उठाया गया है। जॉर्ज इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। जिसके तहत उनकी यूएन के कई उच्च अधिकारियों के साथ बैठकें हो रही हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज की यूएनजीए के 80 वें सत्र की अध्यक्ष एन्नालेना बेयरबॉक के साथ विभिन्न मुद्दों पर एक सकारात्मक और उत्पादक बैठक हुई है। जिसमें शांति, सुरक्षा, विकास, बहुपक्षीयता और आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय लड़ाई मुख्य रूप से शामिल किए गए।

टीआरएफ पर प्रतिबंध अहम मुद्दा

बीते 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले की पहली बरसी थी। यह एक ऐसा भयानक आतंकी हमला था। जिसमें पाकिस्तान की शह पर लश्कर-ए-तैयबा के छद्म आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने कुल 26 बेकसूर लोगों (25 भारतीय, 1 नेपाली नागरिक) को मौत के घाट उतार दिया था। यहां एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि भारत के कई प्रयासों के बावजूद आज तक टीआरएफ को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंधित आतंकी संगठन की सूची में शामिल नहीं किया है। लेकिन अब एक बार फिर से देश के कूटनीतिक गलियारों में इस मुद्दे से जुड़ी चर्चाओं ने जोर पकड़ा है।

शब्द पहेली - 6207

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -6206 का हल

सूडोकू नवताल - 6217

कठिनतम

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 6216 का हल

सोना-चांदी या मल्टी-एसेट फंड? निवेश से पहले जानें पूरा गणित

- उच्च रिटर्न के लालच में न करें गलती, जोखिम और रिटर्न का संतुलन ही समझदारी
- बाजार की चाल, जोखिम और लक्ष्य के हिसाब से चुनें सही विकल्प, वरना होगा नुकसान
- गोल्ड ईटीएफ, कमोडिटी फंड और मल्टी-एसेट फंड के फर्क को समझना गेहद जरूरी
- कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते
- ये उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी

शेयर बाजार और फिक्स्ड डिपॉजिट से आगे बढ़ते हुए अब निवेशक सोना, चांदी, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड और अन्य कमोडिटी विकल्पों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। महंगाई, वैश्विक अनिश्चितता और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ये एसेट क्लास पोर्टफोलियो को संतुलन देने का काम करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब निवेशक अलग-अलग विकल्पों कमोडिटी फंड, गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ और मल्टी-एसेट फंड को एक जैसा मान लेते हैं। यही भ्रम कई बार गलत निवेश फैसलों और नुकसान की वजह बनता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी होती हैं। यानी इनका प्रदर्शन केवल कमोडिटी की कीमत पर नहीं, बल्कि उन कंपनियों के बिजनेस, मैनेजमेंट और मार्केट कंडीशन पर भी निर्भर करता है। इस कारण ये फंड तकनीकी रूप से इक्विटी फंड की श्रेणी में आते हैं और इनमें जोखिम भी उसी के अनुरूप अधिक होता है।

कमोडिटी फंड : हाई रिस्क, साइकिल पर निर्भर रिटर्न

कमोडिटी फंड्स का प्रदर्शन "कमोडिटी साइकिल" पर आधारित होता है। जब मेटल या एनर्जी सेक्टर में तेजी आती है, तो ये फंड अच्छा रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन गिरावट के समय इनका प्रदर्शन तेजी से नीचे भी आ सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ इन्हें लॉन्ग टर्म कोर इन्वेस्टमेंट के रूप में नहीं देखते। आमतौर पर 1 से 3 साल के लिए, किसी खास सेक्टर में तेजी का फायदा उठाने के लिए ही इनका उपयोग किया जाता है। निवेश सलाहकारों के अनुसार, पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 5% से 10% से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अधिक निवेश जोखिम को बढ़ा सकता है। साथ ही, इनमें निवेश करने से पहले बाजार की स्थिति और सेक्टर ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ कीमत से जुड़ा निवेश

अगर आपका उद्देश्य सीधे सोने या चांदी की कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ उठाना है, तो गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ बेहतर विकल्प हैं। ये फंड फिजिकल गोल्ड या सिल्वर की कीमत को ट्रैक करते हैं, यानी इनका रिटर्न सीधे धातु की कीमत पर निर्भर करता है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको फिजिकल गोल्ड खरीदने, स्टोर करने या उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ती। साथ ही, इनकी पारदर्शिता और लिक्विडिटी भी अधिक होती है, क्योंकि इन्हें शेयर बाजार में आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है। हालांकि, इनका रिटर्न आमतौर पर स्थिर और सीमित होता है। ये तेजी से मल्टीबैगर रिटर्न देने के बजाय पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का काम करते हैं। इसलिए इन्हें "सेफ हेवन" या हेजिंग टूल के रूप में देखा जाता है।

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड : संतुलित निवेश का विकल्प

दूसरी ओर, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो एक ही निवेश में विविधता (डाइवर्सिफिकेशन) चाहते हैं। ये फंड इक्विटी, डेट और कमोडिटी तीनों एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक एसेट क्लास कमजोर प्रदर्शन करता है, तो दूसरा उसे संतुलित कर देता है। उदाहरण के लिए, शेयर बाजार में गिरावट के दौरान सोना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, जिससे कुल पोर्टफोलियो पर असर कम होता है।

पिछले आंकड़ों पर न जाएं

बाजार में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे कई कमोडिटी या मल्टी-एसेट फंड्स उपलब्ध हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में 20-22% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला लेना गलत हो सकता है। कमोडिटी सेक्टर स्वभाव से ही अस्थिर होता है। इसलिए इसमें औसतन 10-12% सीएजीआर की उम्मीद रखना ज्यादा व्यावहारिक है।

समझदारी से करें संतुलन

निवेश का कोई एक "सही" विकल्प नहीं होता। यह पूरी तरह आपके लक्ष्य, जोखिम क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। गोल्ड ईटीएफ और मल्टी-एसेट फंड्स आम निवेशकों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं, जबकि कमोडिटी फंड्स केवल समझदार और अनुभवी निवेशकों के लिए ही उपयुक्त हैं। अंततः, एक संतुलित पोर्टफोलियो ही लंबे समय में बेहतर रिटर्न और कम जोखिम सुनिश्चित करता है। इसलिए निवेश से पहले जरूरतें समझें, जल्दबाजी से बचें और जहां जरूरी हो, वित्तीय सलाहकार की मदद लें ताकि आपका पैसा सही दिशा में काम कर सके।

स्मॉलकैप एक माह में 10% उछला
जोखिम भी उतना ही बढ़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पिछले एक महीने में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। औसतन 10% तक का रिटर्न देकर इस सेगमेंट ने लार्ज और मिडकैप फंड्स को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है क्या यह तेजी लंबे समय के बुल रन की शुरुआत है या फिर यह सिर्फ गिरावट के बाद आई एक अस्थायी रिकवरी? विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी को समझदारी से देखना जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान भी करा सकता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने पिछले एक महीने में औसतन करीब 10% रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स ने तो इससे भी ज्यादा प्रदर्शन किया है, जिससे निवेशकों का भरोसा इस सेगमेंट में फिर से बढ़ा है। हालांकि, सभी फंड्स का प्रदर्शन एक जैसा नहीं रहा। जहां कुछ फंड्स ने दो अंकों का रिटर्न दिया, वहीं कुछ ने नेगेटिव रिटर्न भी दिखाया। इससे साफ है कि यह तेजी पूरे सेगमेंट में समान रूप से नहीं फैली है।

तेजी की वजहः लिक्विडिटी और एसआईपी का सहारा

विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉलकैप फंड्स में आई इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। बाजार में बढ़ती लिक्विडिटी, निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में सुधार और लगातार आने वाला एसआईपी निवेश इस उछाल को सपोर्ट कर रहा है। जब बाजार में नकदी ज्यादा होती है, तो उसका असर छोटे शेयरों पर जल्दी दिखाई देता है। इसी वजह से स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अक्सर तेज और अचानक होती है।

क्या यह स्थायी बुल रन है या शॉर्ट टर्म रिकवरी?

यहीं सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल यह तेजी एक शॉर्ट टर्म रिकवरी ज्यादा लगती है, न कि लंबी अवधि की स्थायी तेजी। स्मॉलकैप सेगमेंट में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। गिरावट के बाद तेज उछाल आना आम बात है। इसलिए केवल एक महीने के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेना जोखिम भरा हो सकता है।

वैल्यूएशन बनी चिंता

हालिया तेजी के बाद स्मॉलकैप शेयरों की वैल्यूएशन फिर से ऊंची नजर आने लगी है। उदाहरण के तौर पर, निफ्टी स्मॉलकैप 100 का फॉरवर्ड पी/ई अपने लंबे औसत से ऊपर चल रहा है। इसका मतलब है कि शेयरों की कीमतें उनकी कमाई के मुकाबले ज्यादा हो चुकी हैं। ऐसे में आगे रिटर्न सीमित हो सकता है या फिर बाजार में करेक्शन देखने को मिल सकता है।

हर निवेशक के लिए सही नहीं

स्मॉलकैप फंड्स हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं। इनमें तेजी के साथ-साथ गिरावट भी उतनी ही तेज होती है। इसलिए यह हर निवेशक के लिए उपयुक्त नहीं हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर आपका निवेश समय 7 से 10 साल या उससे ज्यादा है, तभी इस सेगमेंट में निवेश करना चाहिए।

एसआईपी और एसटीपी से एंट्री

स्मॉलकैप में एकमुश्त निवेश करने के बजाय एसआईपी या एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और आप अलग-अलग स्तरों पर निवेश कर पाते हैं, जिससे औसत लागत संतुलित रहती है।

पोर्टफोलियो में सीमित हिस्सा

एक संतुलित निवेश रणनीति के तहत स्मॉलकैप फंड्स का हिस्सा पोर्टफोलियो में सीमित रखना चाहिए। आमतौर पर 10% से 20% तक का एक्सपोजर पर्याप्त माना जाता है, जो जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन बनाए रखता है। इसके अलावा, फ्लेक्सी कैप और मल्टीकैप फंड्स जैसे विकल्प भी बेहतर संतुलन प्रदान कर सकते हैं।

एमएफ के नाम में छिपा पूरा खेल : 'डायरेक्ट रेगूलर और ग्रोथ' का सही मतलब समझें

म्यूचुअल फंड में निवेश करना आजकल बहुत आसान हो गया है, लेकिन सही फंड का चुनाव करना आज भी कई लोगों के लिए बड़ी चुनौती है। बता दें कि जब आप किसी ऐप या वेबसाइट पर फंड सर्च करते हैं, तो एक ही नाम के कई ऑप्शन नजर आते हैं। दरअसल, इन नामों में निवेश की पूरी रणनीति छिपी होती है। अगर आप इन बेसिक शब्दों का मतलब समझ लेते हैं, तो आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार सही फंड का चुनाव कर सकते हैं।

निवेश की कैटेगरी को पहचानें

म्यूचुअल फंड के नाम की शुरुआत एएमसी से होती है, जैसे एसबीआई, अक्षम या आईसीआईसीआई प्रूडेंटियल। यह वो संस्था है जो आपके पैसे को मैनेज करती है। नाम के अगले हिस्से में फंड की कैटेगरी होती है। जैसे लार्ज कैप का अर्थ है कि पैसा देश की टॉप 100 सुरक्षित कंपनियों में लगेगा। वहीं, स्मॉल कैप या मिड कैप में पैसा उन कंपनियों में लगाया जाता है जो तेजी से बढ़ रही हैं, हालांकि इनमें जोखिम थोड़ा ज्यादा होता है।

खर्च और मुनाफे का अंतर

फंड के नाम में डायरेक्ट और रेगूलर सबसे अहम शब्द हैं। डायरेक्ट का मतलब है कि आप सीधे फंड हाउस के साथ निवेश कर रहे हैं। इसमें कोई एजेंट नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम होता है और आपका मुनाफा बढ़ जाता है। इसके विपरीत, रेगूलर प्लान किसी बैंक या ब्रोकर के जरिए लिया जाता है, जहां आपको दी जाने वाली सुविधाओं के बदले कंपनी एजेंट को कमीशन देती है, जिससे आपका शुद्ध मुनाफा थोड़ा कम हो जाता है।

स्मार्ट निवेशक बनने के लिए जरूरी टिप्स

म्यूचुअल फंड चुनते समय सिर्फ पिछले रिटर्न को ना देखें, बल्कि इन चारों यानी एएमसी, कैटेगरी, प्लान टाइप और रिटर्न मोड को परखें। अपनी रिस्क लेने की क्षमता और समय सीमा के आधार पर ही सही ऑप्शन का चुनाव करें। हमेशा कोशिश करें कि डायरेक्ट और ग्रोथ ऑप्संश पर गौर करें जिससे लंबी समय में आपकी जमा पूंजी पर कमीशन का बोझ न पड़े और आपको अधिकतम लाभ मिल सके। म्यूचुअल फंड का नाम भले ही जटिल लगे, लेकिन इसमें निवेश का पूरा ब्लूप्रिंट छिपा होता है। म्यूचुअल फंड में सफल होने के लिए जरूरी है कि आप इन बुनियादी शब्दों को समझें और सोच-समझकर फैसला लें। सही जानकारी के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में संपत्ति निर्माण का मजबूत आधार बनता है।

बिजनेस डेस्क

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

गलत इनकम बताई तो 200% तक जुर्माना

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न यानी आईटीआर भरना अब केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह जिम्मेदारी और सतर्कता का काम बन चुका है। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026–27 के लिए नया पेनल्टी फ्रेमवर्क लागू किया है, जिसमें गलत जानकारी देने वाले टैक्सपेयर्स पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस नए सिस्टम का मकसद साफ है। टैक्स अनुपालन को सख्ती से लागू करना और किसी भी तरह की लापरवाही या हेरफेर को हतोत्साहित करना।

गलत इनकम दिखाना पड़ सकता है भारी

नए नियमों के तहत यदि कोई टैक्सपेयर्स अपनी वास्तविक आय से कम इनकम दिखाता है, तो उसे देय टैक्स पर 50 प्रतिशत तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह जुर्माना उन मामलों में लागू होता है जहां गलती को अनजाने में हुई चूक माना जाता है। लेकिन अगर जांच में यह साबित हो जाता है कि इनकम को जानबूझकर छिपाया गया है या गलत जानकारी दी गई है, तो सजा और भी कड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों में पेनल्टी बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक की जा सकती है। यानी जितना टैक्स बचाने की कोशिश की गई, उसका दोगुना तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

जानबूझकर गलती और सामान्य चूक में फर्क

सरकार ने इस बार नियमों में यह स्पष्ट किया है कि जानबूझकर की गई गलती और सामान्य त्रुटि में अंतर किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने भूलवश कोई इनकम जोड़ना रह गया, तो उसे उतनी सख्ती से नहीं देखा जाएगा जितना कि किसी ऐसे मामले को जहां दस्तावेज छिपाए गए हों या फर्जी एंट्री की गई हो। यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ईमानदार टैक्सपेयर्स को राहत मिलती है, जबकि धोखाधड़ी करने वालों पर सख्ती बढ़ती है।

लेट आईटीआर पर भी सख्त नियम

समय पर आईटीआर फाइल न करने पर भी अब जुर्माने का प्रावधान पहले से स्पष्ट और कड़ा कर दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति तय समय सीमा के बाद आईटीआर भरता है, तो उसे अधिकतम 5000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। हालांकि, जिन टैक्सपेयर्स की सालाना आय 5 लाख रुपये तक है, उनके लिए राहत देते हुए जुर्माना 1000 रुपये तक सीमित रखा गया है। इसका उद्देश्य छोटे करदाताओं को अनावश्यक बोझ से बचाना है, लेकिन समय पर फाइलिंग की जिम्मेदारी से छूट नहीं दी गई है।

टीडीएस और अन्य दस्तावेजों में देरी भी महंगी

सिर्फ आईटीआर ही नहीं, बल्कि टीडीएस और अन्य जरूरी स्टेटमेंट समय पर जमा न करने पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जा सकता है, जो समय के साथ बड़ी राशि में बदल सकता है। इससे साफ है कि टैक्स सिस्टम अब पूरी तरह समयबद्ध और अनुशासित हो चुका है, जहां हर देरी की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

दक्षिका हेल्थ केयर & डायबिटिक सेंटर
(डायबिटिक, थायरॉइड, ब्लड प्रेशर, ओबेसिटी, वैक्सीनेशन, हार्ट केयर)
ADULT VACCINATION CENTER
जहाँ Diabetes, Thyroid, Hypertension (Blood Pressure) का मिलता है Expert Care"
▪Better Experience ▪Fully Dedication ▪Accurate
डॉ. दीपक जायसवाल MBBS, MD (General Medicine) PGDIC, CCEBDM (Diabetes), FICP Senior Consultant Physician & Diabetologist
डॉ. नेहा रानी गुप्ता BDS, MDSDental Specialist (दंत सुविधा उपलब्ध)
पता : शॉप नं. 14 एवं 15, ग्राउंड फ्लोर, EDGE COMPLEX मोवा रायपुर :9202222391, 8871865551, 7723068129

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं स्पेशलिस्ट : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	7	6	1	13
बेंगलुरु	7	5	2	10
हैदराबाद	8	5	3	10
राजस्थान	8	5	3	10
चेन्नई	7	3	4	6
दिल्ली	7	3	4	6
गुजरात	7	3	4	6
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	7	2	5	4
कोलकाता	7	1	5	3

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
380 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

अंशुल कंबोज
14 विकेट
चेन्नई

वैभव के शतक पर भारी अभिषेक-ईशान की पारी, हैदराबाद की लगातार चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| जयपुर

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन (74 रन) और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (57 रन) की अर्धशतकीय पारियां 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी (103 रन) के इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास के तीसरे सबसे तेज शतक पर भारी पड़ी, जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को आईपीएल मैच में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सूर्यवंशी (103 रन) के 36 गेंद में आईपीएल के इतिहास के तीसरे सबसे तेज शतक और ध्रुव जुरेल (51 रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 112 रन साझेदारी की बदौलत छह विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 18.3 ओवर में 5 विकेट पर 229 रन बनाकर सीजन में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। सनराइजर्स हैदराबाद इस तरह 8 मैच में 10 अंक से राजस्थान रॉयल्स को हटाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गई। राजस्थान रॉयल्स की टीम इतने ही अंक से चौथे नंबर पर खिसक गई।

12 सिक्स, 5 चौके, वैभव 36 गेंद में ठोका शतक

वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। यह इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक है। साथ ही वैभव आईपीएल के इतिहास में ऐसे पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने दो मौकों पर 40 से कम गेंदों में शतक पूरा किया हो। अपनी पारी में पहले वैभव ने 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और फिर शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में वैभव ने 12 छक्के और 5 चौके लगाए। आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय होने का रिकॉर्ड पहले से वैभव सूर्यवंशी के नाम था। उन्होंने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक पूरा किया था। अब किसी भारतीय बल्लेबाज की ओर से दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी वैभव के नाम हो गया है। वैभव सूर्यवंशी ने इस मुकाबले में 37 गेंद खेलकर 103 रन बनाए।

सबसे तेज 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

वैभव सूर्यवंशीः 15 पारी*
क्रिस गेलः 25 पारी
आंद्रे रसेलः 32 पारी
अभिषेक शर्माः 35 पारी
एविन लुईसः 37 पारी
निकोलस पूरनः 40 पारी

कम पारियों में 1000 टी20 रन बनाने वाले बल्लेबाज

23 पारीः ब्रैड हॉज
23 पारीः शॉन मार्श
24 पारीः मैथ्यू हेडन
25 पारीः देवदत्त पडिक्कल
26 पारीः फिल ह्यूज
26 पारीः वैभव सूर्यवंशी*

सनराइजर्स से 5 विकेट से हारी राजस्थान रॉयल्स

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का क्लासेन बो मलिंगा	10	8	2	0
सूर्यवंशी पगबाधा बो हुसैन	103	37	5	12
जुरेल का अनिकेत बो नीतीश रेड्डी	51	35	8	1
रियान पराग बो कमिंस	07	9	0	0
फरेरा का क्लासेन बो मलिंगा	33	16	3	3
हेटमायर का रेड्डी बो हिंगे	11	10	1	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	04	3	1	0
जोफ्रा आर्चर नाबाद	02	2	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 20 ओवर में 228/6 रन
गेंदबाजी : हिंगे 4-0-49-1, कमिंस 4-0-27-1 , मलिंगा 4-0-38-2, हुसैन 4-0-62-1 , शिवांग 2-0-31-0, नीतीश रेड्डी 2-0-20-1

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
हेड का जुरेल बो आर्चर	06	5	0	1
अभिषेक का आर्चर बो फरेरा	57	29	11	1
ईशान का फरेरा बो आर्चर	74	31	11	3
क्लासेन का बिश्नोई बो ब्रिजेश	29	24	3	1
रेड्डी पगबाधा बो ब्रिजेश	36	18	2	3
सलील अरोड़ा नाबाद	08	3	0	1
अनिकेत वर्मा नाबाद	01	1	0	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 18.3 ओवर में 229/5 रन
गेंदबाजी : आर्चर 4-0-34-2, बर्गर 3.3-0-50-0 ,देशपांडे 3-0-43-0 , ब्रिजेश 4-0-44-2,पराग 1-0-12-0, फरेरा 1-0-14-1, रवि बिश्नोई 1-0-16-0, रविंद्र जडेजा 1-0-11-0

राहुल का शतक बेकार, पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया

7 गेंद पहले पंजाब ने किया 264 रन चेज

दोनों पारी में लगे कुल 33 छक्के और 49 चौके

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 गेंद शेष रहते 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

कैपिटल्स ने 2 विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18.5 ओवर में 4 विकेट पर 265 रन बनाकर आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। मौजूदा सत्र में यह टीम की 7 मैचों में छठी जीत है। कैपिटल्स की सात मैचों में यह चौथी हार है।

प्रभसिमरन- प्रियांश की 128 रन की साझेदारी

प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में 9 चौके और 5 छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में 3 चौके और 7 छक्के जड़े।

राहुल ने नीतीश के साथ की 220 रन की साझेदारी

राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर, जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। आईपीएल में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और 9 छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

बतौर विकेटकीपर आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक

3 शतक	- केएल राहुल
3 शतक	- क्विंटन डिकॉक
3 शतक	- संजू सैमसन
2 शतक	- एडम गिलक्रिस्ट
2 शतक	-ऋषभ पंत

राहुल का तीसरा बड़ा व्यक्तिगत स्कोर

राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज की ओर से आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। राहुल को 12 रन के स्कोर पर अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया और इस बल्लेबाज ने उसका पूरा फायदा उठाते हुए मैदान के हर कोने में बाउंड्री लगाई। पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिए, लेकिन टीम के सभी गेंदबाजों ने रन लुटाए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
निसंका का प्रभसिमरन बो अर्शदीप	11	7	2	0
लोकेश राहुल नाबाद	152	67	16	9
राणा का अय्यर बो बार्टलेट	91	44	11	4
डेविड मिलर नाबाद	03	3	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल योग: 20 ओवर में 264/2 रन
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-49-1, बार्टलेट 4-0-69-1, यानसेन 4-0-44-0, वैशाख 3-0-48-0, चहल 4-0-42-0, स्टोइनिस 1-0-11-0

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
आर्य का रिजवी बो अक्षर	43	17	2	5
प्रभसिमरन पगबाधा कुलदीप	76	26	9	5
कूपर कोनोली बो कुलदीप	17	10	1	1
श्रेयस अय्यर नाबाद	71	36	3	7
वढेरा का (नायर) बो निगम	25	15	3	1
शशांक सिंह नाबाद	19	10	2	1

अतिरिक्त : 14 , कुल योग : 18.5 ओवर में 265/4 रन
गेंदबाजी: औकिब नबी 2-0-41-0, मुकेश 3-0-55-0, अक्षर 4-0-44-1, नटराजन 3.5-0-54-0, कुलदीप 4-0-46-2, निगम 2-0-24-1

हादसा

कैच लेने की कोशिश में गिरे एनगिडी, सिर पर गंभीर चोट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को आईपीएल मैच के दौरान गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया।

■ एंबुलेंस से ले जाया गया अस्पताल

जीत के लिए 265 रन का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में कप्तान अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्या के शॉट पर मिड-ऑफ पर खड़े एनगिडी कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागे, लेकिन गेंद का सही अनुमान नहीं लगा सके और संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े। इस दौरान उनका कंधा और सिर जोर से जमीन से टकराया।

मैदान पर गिरते ही एनगिडी ने तुरंत अपना सिर पकड़ लिया और कुछ समय तक जमीन पर ही स्थिर रहे। वह कुछ मिनट तक मैदान पर लेटे रहे, जिसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे।

मैदान पर बुलानी पड़ी एंबुलेंस

प्रारंभिक जांच के दौरान उनकी गर्दन को स्थिर रखने के लिए नेक ब्रेस लगाया गया। कुछ समय बाद मैदान पर एंबुलेंस भी बुलानी पड़ी और चिकित्सकर्मी उन्हें एंबुलेंस में अस्पताल ले गए। इस दौरान कैपिटल्स के खिलाड़ी चिंतित नजर आए और मैदान में सन्नाटा पसर गया। एनगिडी की जगह कन्कशन सबस्टिट्यूट (सिर में गंभीर चोट पर वैकल्पिक खिलाड़ी) के तौर पर दुष्मंता चमीरा मैदान पर उतरे।

खबर संक्षेप

क्वार्टर फाइनल में गवाद से हारे अभय

नई दिल्ली। भारत के अभय सिंह ज्यूरिख में चल रही पीएसए गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता ग्रासहॉपर कप स्क्वाश के पुरुष क्वार्टर फाइनल में मिस्र के पूर्व विश्व नंबर एक

खिलाड़ी करीम गवाद से हार गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने पहले गेम में 0-6 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उसे टाई-ब्रेक तक पहुंचाया। उन्होंने दूसरे गेम में भी विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी को कड़ी चुनौती दी। लेकिन मिस्र के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने आखिर में 12-10 11-9 से मुकाबला जीत लिया। अभय ने इससे पहले टूर्नामेंट में मिस्र के विश्व में 13वें नंबर के खिलाड़ी अली अबू एलेनेन पर जीत दर्ज कर पहली बार किसी पीएसए गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

शीर्ष पांच में बरकरार गगनजीत भुल्लर

सिंगापुर। भारत के गगनजीत भुल्लर ने तीसरे दौर में मुश्किल परिस्थितियों में एक ओवर 72 का

स्कोर बनाया, लेकिन इसके बावजूद वह सिंगापुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष पांच में बने रहे। इस 20 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी प्रतियोगिता में दक्षिण कोरिया के जियोंगवू हाम शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने तीसरे दिन 68 का स्कोर बनाने के बाद तीनों दिन बढ़त बनाए रखी है।

टेबल टेनिस

यूटीटी की नीलामी में शामिल होंगे ठक्कर, शाह और दीया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के शीर्ष खिलाड़ी मानव ठक्कर, मानुष शाह और दीया चितले सहित देश और विदेश के कई शीर्ष खिलाड़ी अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) की अगले सप्ताह होने वाली नीलामी में शामिल होंगे जबकि दिग्गज खिलाड़ी साथियान ज्ञानसेकरन और मनिका बत्रा को उनकी फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में बनाए रखा है। यह प्रतियोगिता 9 से 26 जुलाई तक गोवा के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। नीलामी 28 अप्रैल को मुंबई में होगी, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों के अलावा कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए भी बोली लगेगी।

ठक्कर और शाह नहीं ले पाए थे भाग

ठक्कर और शाह पिछले साल अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाए थे। पुरुष युगल में यह जोड़ी वर्तमान में विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। शाह मिश्रित युगल में चितले के साथ जोड़ी बनाते हैं। यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है और डब्ल्यूटीटी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुकी है।

दबंग दिल्ली टीटीसी ने साथियान को किया रिटेन

दबंग दिल्ली टीटीसी ने साथियान को जबकि अहमदाबाद एपीएल पाइपर्स ने बत्रा को रिटेन किया है। अंकुर भट्टाचार्जी और युगल विशेषज्ञ आकाश पाल को क्रमशः कोलकाता थंडरब्लैड्स और यू मुंबई टीटी ने रिटेन किया। डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और पीबीजी पुणे जगुआर्स ने अपने किसी भी खिलाड़ी को रिटेन नहीं किया है। यह दोनों फ्रेंचाइजी नई टीम यूपी प्रोमेथियंस के साथ पूरी राशि के साथ नीलामी में उतरेंगी।

लय की तलाश में सीएसके वापसी को बेताब गुजरात

चेन्नई। पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी। मैच आज दोपहर 3.30 बजे से।

कप्तानी की कसौटी पर आज रहाणे और पंत

लखनऊ। कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही हैं, जिनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को आईपीएल के मैच में आमने-सामने होंगी। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी केकेआर ने रहाणे को कप्तान बनाए रखकर साहसिक फैसला किया लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। केकेआर को अपनी पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लगे। यह जीत भी उसे सामूहिक प्रयास से नहीं बल्कि रिंकू सिंह के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत मिली। मैच रात 7.30 बजे से।

आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने पर नाहिदा, सरमिन पर लगा जुर्माना

दुबई। बांग्लादेश की क्रिकेटर नाहिदा अख्तर और सरमिन सुल्ताना पर श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे के दौरान आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी नियमों के खिलाफ काम करते हुए पाया गया था। नाहिदा ने आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आउट होने पर बल्लेबाज की बेइज्जती करने वाली भाषा, हरकतें या इशारे करने से जुड़ा है। वहीं, सरमिन को आर्टिकल 2.8 के

तहत दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

दोनों खिलाड़ियों को मिला डिमेरिट अंक

जुर्माने के अलावा, दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट अंक भी मिला है। यह 24 महीने के समय में उनकी पहली गलती है। ये घटनाएं मैच के लगातार हिस्सों में हुईं। नाहिदा ने 17वें ओवर में श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू को आउट करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा करते हुए उन्हें विदाई दी। इससे पहले, बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में, सरमिन ने पगबाधा दिए जाने पर साफ नाराजगी दिखाई, अपने बल्ले की ओर इशारा किया और क्रीज से जाने में देरी की।

मौजूदा चैंपियन ने कलाई की चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम लिया वापस

अल्काराज नहीं कर पाएंगे खिताबी हैट्रिक पूरी, फ्रेंच ओपन से हटे

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं।

अल्काराज ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी। स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब मैड्रिड

में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

मेरे लिए मुश्किल समय : अल्काराज

अल्काराज ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।' अल्काराज ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है। उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें मोंटे कार्लो के फाइनल में यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से सिनर फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए थे।

टेनिस को कार्लोस की जरूरत : सिनर

सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने मैड्रिड ओपन में पहले दौर की जीत के बाद कहा, 'टेनिस को कार्लोस की जरूरत है। उनके होने से टेनिस का खेल और भी बेहतर हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। मुझे लगता है कि उनका अगला लक्ष्य विंबलडन (जून में) है, और मैं यही उम्मीद करता हूं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह विंबलडन में वापसी करेंगे।' इटालियन ओपन पांच मई से और फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा।

दुनिया की ऐसी जगह जो दिखती तो सुंदर हैं, लेकिन वहां जाना मौत से मिलने जैसा

दुनिया में खूबसूरत जगहों की कोई कमी नहीं है, लेकिन कुछ जगहें जितनी आकर्षक होती हैं, उतनी ही खतरनाक भी साबित हो सकती हैं। ये डेस्टिनेशन अपने असाधारण प्राकृतिक हालात और अनछुए माहौल से एडवेंचर पसंद करने वालों को अपनी ओर खींचते हैं, लेकिन इन्हें देखने के लिए बहुत हिम्मत, तैयारी और रिस्क लेने का जुनून चाहिए।

जहरीले सांपों का घर स्नेक आइलैंड, ब्राजील

ब्राज़ील के तट पर बसा यह आइलैंड दुनिया के सबसे ज़हरीले सांपों का घर है। यहां दुर्लभ और बहुत खतरनाक प्रजाति, गोल्डन लांसहेड वाइपर, पाई जाती है, और इनकी संख्या इतनी ज़्यादा है कि हर कदम पर सांप मिलने की संभावना है। सुरक्षा कारणों से, इस जगह पर टूरिस्ट की एंट्री पूरी तरह से मना है।

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड, इंडिया

अंडमान आइलैंड का हिस्सा, यह आइलैंड सेंटिनलीज़ ट्राइब के लिए जाना जाता है, जो वहां बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग-थलग रहते हैं। वे बाहरी लोगों को पास आने नहीं देते और गुस्से में रिएक्ट करते हैं। वहां जाना न सिर्फ गैर-कानूनी है बल्कि जानलेवा भी हो सकता है।

डानाकिल डिप्रेशन, इथियोपिया

धरती की सबसे गर्म जगहों में से एक माना जाने वाला डानाकिल डिप्रेशन अपनी ज्वालामुखी एक्टिविटी, एसिडिक झीलों और ज़हरीली गैसों के लिए जाना जाता है। दिन में टेम्परेचर 50 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो सकता है। इसके रंगीन लेकिन खतरनाक सल्फर पूल इसे खूबसूरत और डरावना दोनों बनाते हैं, जिससे यह दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बन जाती है।

डेथ वैली, यूएसए

कैलिफ़ोर्निया और नेवाडा के बीच मौजूद, डेथ वैली दुनिया की सबसे गर्म और सबसे सूखी जगह है। यहां टेम्परेचर अक्सर 54 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो जाता है। पानी और छांव की कमी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा होता है। इसलिए, बिना तैयारी के जाना जानलेवा हो सकता है।

माउंट एवरेस्ट, नेपाल

दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना हर माउंटेन क्लाइंबर का सपना होता है, लेकिन यह बहुत खतरनाक जगह भी है। ऑक्सीजन की कमी, एवलांच, बहुत ज़्यादा ठंड और ट्रैफिक जाम जैसी दिक्कतें इसे जानलेवा बना देती हैं। इस चैलेंज को पूरा करने की कोशिश में कई क्लाइंबर अपनी जान गँवा चुके हैं।

बिकिनी एटोल, मार्शल आइलैंड्स

यह शांत दिखने वाला आइलैंड कभी न्यूक्लियर टेस्टिंग सेंटर था। मिट्टी, पानी और समुद्री जीवों में रेडिएशन की मौजूदगी जानलेवा है। इसके अलावा, आस-पास के पानी में बड़ी संख्या में शार्क रहती हैं, जो इंसानों के लिए खतरनाक हैं।

लेक नेट्रॉन, तंजानिया : यह नमकीन झील अपने एल्कलाइन पानी और लाल रंग के लिए मशहूर है। ऐसा ज्वालामुखी की एक्टिविटी की वजह से होता है, और पानी को छूने से जलन हो सकती है और मौत भी हो सकती है।

रोचक खबरें

भारत के भूपतिराजू ने सबसे जल्दी की 7 ज्वालामुखीय शिखरों पर चढ़ाई

नई दिल्ली। अगर हौसला बुलंद हो तो बड़े से बड़ा पहाड़ भी छोटा लगता है। यह बात भारत के एक प्रतिभाशाली व्यक्ति ने सच कर दिखाई है। हम बात कर रहे हैं भूपतिराजू अनमिश वर्मा की, जिन्होनें 7 ज्वालामुखीय शिखरों पर सबसे जल्दी चढ़ाई की है। उनके इस साहस भरे काम के बाद उन्होंने दुनियाभर में नाम कमाया है और गिनीज बुक में भी अपना नाम दर्ज करवा लिया है। आइए उनके रिकॉर्ड के बारे में विस्तार से जानते हैं। 6 फरवरी 2026 को गिनीज बुक की टीम ने आधिकारिक तौर पर घोषणा करते हुए इस रिकॉर्ड के बारे में जानकारी दी। भूपतिराजू ने महज 92 दिन 4 घंटे और 45 मिनट में सातों शिखरों की चढ़ाई कर ली थी। इनमें दक्षिण अमेरिका का ओजोस डेल सालाडो, अफ्रीका का किलिमंजारो, एशिया का दामावंद, यूरोप का एल्ब्रस, उत्तरी अमेरिका का पिको डी ओरिजाबा, ओशिनिया का माउंट गिलुवे और अंटार्कटिका का सिडली पर्वत शामिल हैं। भूपतिराजू ने 23 अक्टूबर, 2024 को अपने सफर की शुरुआत की थी, जब वह रूस स्थित एल्ब्रस पर्वत की चोटी पर चढ़े थे। उन्होंने अंत में 23 जनवरी, 2025 को अंटार्कटिका के सिडली पर्वत की चढ़ाई पूरी की थी। ये 7 ज्वालामुखी शिखर पर्वतारोहण में सबसे ज्यादा शारीरिक और पर्यावरणीय रूप से चुनौतीपूर्ण माने जाते हैं। हालांकि, भूपतिराजू के जज्बे के आगे ये भी छोटे पड़ गए। उन्होंने इस प्रयास के दौरान चुनौतियों का सामना किया, लेकिन हार नहीं मानी। 17 मार्च को दिल्ली के विनय मार्ग स्थित सीएसओआई में एक खास पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, जानिए कितनी है लंबाई

मारोस। रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है।हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है। 2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है। हालांकि, गिनीज बुक ने सुरक्षा के लिहाज से उसे बेहोश करके नहीं मापा है। इस अनोखे सांप का नाम इबू बैरन रखा गया है, जिसका मतलब 'उच्च सामाजिक स्थिति वाली महिला' होता है। इसकी लंबाई के साथ-साथ इसका वजन भी देखा गया था, जो कि 96.5 किलो है। इसके लिए उन तराजू का इस्तेमाल किया गया था, जिनका उपयोग आमतौर पर चावल की बोरियों का वजन करने के लिए किया जाता है। इबू की देखरेख अब स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो कर रहे हैं, जिन्होनें एक सांप अभयारण्य भी बनाया हुआ है।

आर्किटेक्चर

वास्तुकला में है एकदम अलग!

जमीन के नीचे गहराई में बना 4000 करोड़ का वॉटरफॉल होटल

बीजिंग। दुनिया में ऐसी कई इमारतें हैं, जो अपनी अनोखी आर्किटेक्चर के लिए जानी जाती हैं। इस लिस्ट में चीन के एक खास होटल का नाम भी शामिल है। यह होटल एक खदान के अंदर बना है और वॉटर फॉल होटल के नाम से जाना जाता है।

खदान के अंदर बना है होटल : चीन के शंघाई शहर के सोंगजियांग जिले में स्थित इंटरकॉन्टिनेंटल शंघाई वंडरलैंड होटल आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग का एक शानदार उदाहरण है। यह अनोखा होटल एक पुरानी खदान के अंदर बना है, जिसकी वजह से इसे 'क्वारी होटल' या 'खदान होटल' के नाम से भी जाना जाता है। होटल की सबसे खास बात इसकी संरचना है, जो 88 मीटर गहरी खदान की दीवारों में बनाई गई है। इसमें कुल 18 मंजिलें हैं, जिनमें से 16 भूमिगत और दो मंजिलें पानी के नीचे स्थित हैं।

4 हजार करोड़ में बनाया गया होटल

इस होटल का इतिहास काफी दिलचस्प है। इस खदान को 1950 के दशक में जापानियों ने युद्ध के दौरान बंकर बनाने के लिए खोदा था। बाद में इसे आंशिक रूप से पानी से भरकर एक आर्टिफिशियल झील में बदल दिया गया। साल 2006 में शंघाई के एक प्रॉपर्टी ग्रुप ने इस जगह में संभावना देखी और इसे एक लग्जरी होटल में तब्दील करने का फैसला किया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2009 में हुई और इसे पूरा करने में करीब 4 हजार करोड़ रुपये की लागत आई।

इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रेपर भी है इसका नाम

इस होटल को डिजाइन करने के लिए कई मशहूर आर्किटेक्चर फर्म्स को चुना गया। होटल की डिजाइन में फेंगशुई के प्रिंसिपल्स को अपनाया गया है और इसे 'इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रेपर' कहा जाता है, क्योंकि यह ऊपर की बजाय नीचे की ओर बना है। ऊपर से देखने पर इसका आकार 'एस' जैसा दिखता है। होटल को पर्यावरण के लिए जागरूक बनाते हुए एक सिंगल यूज प्लास्टिक-फ्री होटल के रूप में विकसित किया गया है। यह एक 'ब्राउनफील्ड रिवाइवल प्रोजेक्ट' है, जिसमें छोड़ी हुई जमीन का इस्तेमाल किया गया है।

आराम और रोमांच का अनुभव

इस होटल में ठहरना केवल आराम का नहीं, बल्कि रोमांच का भी अनुभव है। यहां क्लिफ के किनारे बने विला और पानी के नीचे बने सुइट्स हैं, जहां कांच की दीवारों से मेहमान सीधे झील के भीतर का नजारा देख सकते हैं। होटल में कुल 337 कमरे हैं, जिनमें से हर एक में वॉइस-कंट्रोल सिस्टम जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

मनोरंजन की भी अनेक सुविधाएं

खाने-पीने के लिए होटल में पानी के नीचे बना सीफूड रेस्टोरेंट, कैंटोनीज फाइन डाइनिंग और क्वारी बार जैसे ऑप्शन मौजूद हैं। इसके अलावा, होटल में वॉटर स्पोर्ट्स एरिया, इंफिनिटी पूल और स्पा की सुविधा भी है। रोमांच पसंद करने वालों के लिए पास के थीम पार्क में जिपलाइन, बंजी जंप, रॉक क्लाइम्बिंग और ग्लास वॉकवे जैसी गतिविधियां मौजूद हैं।

समुद्र की गहराई में 1300 मीटर अंदर जाकर रोबोट ने खोला अज्ञात रहस्य

पापुआ न्यू गिनी। जर्मनी के वैज्ञानिकों ने एक खास रोबोट की मदद से प्रशांत महासागर में 1,300 मीटर गहराई तक पहुंचकर कुछ ऐसा देखा जो धरती पर पहले कभी नहीं देखा गया। यह खोज पापुआ न्यू गिनी के पास कोनिकल ज्वालामुखी के पास हुई है। रोबोट ने वहां एक नया हाइड्रोथर्मल क्षेत्र ढूंढा जिसका नाम करंबुसेल रखा गया है। अब इस रोबोट की चर्चा दुनिया भर में हो रही है, उसने ऐसा काम कर दिखाया जो शायद ही कोई इंसान कर पाता।

रोबोट को दूर से ही कंट्रोल किया जाता है, इसलिए इंसान को खतरनाक गहराई में जाने की जरूरत नहीं पड़ी। रोबोट ने गर्म पानी और ठंडी मीथेन गैस दोनों जगहों से सैंपल लिए और सारी जानकारी जहाज तक पहुंचाई। इसे जहाज से एक पतली फाइबर ऑप्टिक केबल से जोड़ा जाता है और बिजली से चलता है।

काइल 6000 में क्या-क्या खूबियां?

इंडियन डिफेंस रिव्यू की रिपोर्ट बताती है कि इस खोज में सबसे बड़ा हाथ रहा जर्मनी के जीयोमार संस्थान के रोबोट 'काइल 6000' का है। यह रोबोट 6,000 मीटर तक की गहराई में जा सकता है, यानी दुनिया के 90% से ज्यादा समुद्री तल तक पहुंच सकता है। अंधेरे में भी यह शानदार तस्वीरें और वीडियो लेता है। इसके मजबूत हाथों से पत्थर, पानी और गैस के नमूने लेना बहुत आसान हो गया।

दुनिया में सबसे ज्यादा अमेरिका तो सबसे कम फ्रांस में हैं हवाई अड्डे

नई दिल्ली। किसी भी देश का हवाई अड्डा नेटवर्क आज के समय में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा को संभव बनाने के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन और देश की अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अड्डों की विशाल संख्या के साथ अमेरिका दुनिया के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाले देशों की लिस्ट में सबसे ऊपर है. इस विशाल नेटवर्क में बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ-साथ कई छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे भी शामिल हैं, जो पूरे देश में व्यापक संपर्क प्रदान करते हैं।

अमेरिका:15,873 हवाई अड्डे : अमेरिकाः 15,873 हवाई अड्डों की विशाल संख्या के साथ अमेरिका दुनिया के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स वाले देशों की लिस्ट में सबसे ऊपर है. इस विशाल नेटवर्क में बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ-साथ कई छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे भी शामिल हैं, जो पूरे देश में व्यापक संपर्क प्रदान करते हैं।

ब्राजील में हैं 4,919 हवाई अड्डे

ब्राजीलः इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर ब्राजील का नाम शामिल हैं, जहां 4,919 हवाई अड्डे स्थित हैं। देश का बड़ा आकार और दूरदराज के क्षेत्रों को शहरी केंद्रों से जोड़ने की आवश्यकता हवाई अड्डों की बड़ी संख्या का मुख्य कारण है।

ऑस्ट्रेलिया में 2, 180 एयरपोर्ट

ऑस्ट्रेलियाः 2,180 हवाई अड्डों के साथ ऑस्ट्रेलिया में भी बड़ी संख्या में छोटे क्षेत्रीय हवाई अड्डे हैं, जो विशाल दूरी में फैली और बिखरी हुई आबादी की सेवा करते हैं। ये हवाई अड्डे पर्यटन और स्थानीय व्यापार दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

मात्र 11 हजार में बिक गई पिकासो की 9.33 करोड़ रुपये की पेंटिंग

पेरिस। स्पेन में जन्में महान पेंटर पाब्लो पिकासो की कला ने पूरी दुनिया को अपना मुरीद बना रखा है। आज भी उनकी एक-एक पेंटिंग की कीमत करोड़ों में होती है। दुनियाभर के संग्रहालयों और प्रदर्शनियों में उनकी कलाकृतियां प्रदर्शित की जाती हैं, लेकिन हाल ही में उनकी 9.33 करोड़ रुपये की पेंटिंग लगभग 11 हजार रुपये में बिकी है। आइए जानते हैं कि क्यों इतनी महंगी पेंटिंग इतने कम रुपये में बेची गई है। पिकासो की पेंटिंग इतने कम रुपये में बिकने का कारण है कि इसे एक लॉटरी में बेचा गया है, जिसका आयोजक पेरिस में स्थित क्रिस्टी नीलामी घर था। '100 यूरो में 1 पिकासो' लॉटरी का तीसरा संस्करण पिकासो की पेंटिंग 'हेड ऑफ अ वुमन' के लिए था। इस पेंटिंग में चित्र डोरा मार का है, जो लंबे समय तक पिकासो की साथी रही थी। कागज पर गौचे रंगों से बनी यह पेंटिंग पिकासो ने साल 1941 में बनाई थी।

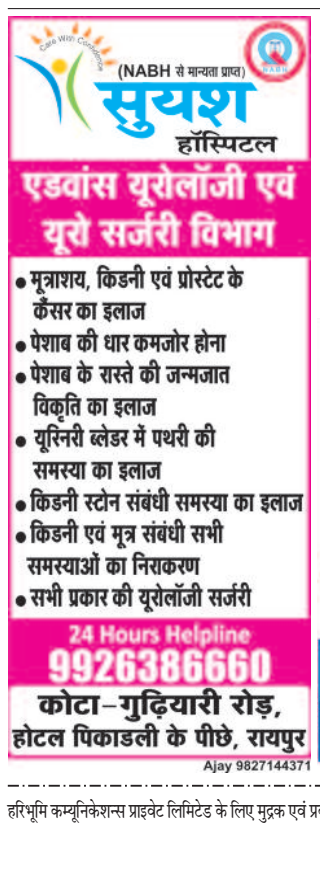

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com